- जबलपुर, सोमवार 23 मार्च 2026
- वर्ष 31 अंक 266
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'एक अच्छी किताब कितनी भी पुरानी हो जाए, उस के शब्द नही बदलते, अच्छे रिश्तों की भी यही खासियत है।'

2 कलेक्टर बंगले पर पीएनजी गैस...

5 डोलामाइट का अवैध खनन, परिवहन...

7 क्यूबा में फिर ठप हुआ पूरा पावर ग्रिड...

11 मप्र बनेगा अंतरिक्ष तकनीक का...

मिडिल ईस्ट में तनाव...इंडिया कैसे करेगा बचाव

प्रधानमंत्री ने हाई लेवल मीटिंग में गैस-तेल की स्थिति पर साढ़े 3 घंटे चर्चा की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम को अपने आधिकारिक आवास '7 लोक कल्याण मार्ग' पर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सरकार के वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे, जिसमें मिडिल ईस्ट की मौजूदा स्थिति को देखते हुए पेट्रोलियम, कच्चे तेल, गैस, बिजली और उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की समीक्षा की गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य देश में तेल, गैस, खाद समेत सभी जरूरी चीजों की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना था। बैठक में 3.30 घंटे तक पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केमिकल एंड फर्टिलाइजर और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिहं पुरी, श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया समेत अन्य वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे। मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार तेल, गैस, खाद की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए पहले से ही सक्रिय कदम उठा रही है. 12 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। उन्होंने कहा था कि यह देश के लोगों के धैर्य और समझदारी की भी परीक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि इस चुनौती का सामना शांति, धैर्य और जन-जागरूकता के साथ करना होगा। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि देश में जरूरी चीजों की सप्लाई बिना रुकावट जारी रहे। ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

सप्लाई चेन बाधाओं को दूर करने की कोशिश

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ग्लोबल सप्लाई चेन में आई बाधाओं को दूर करने के लिए लगातार काम कर रही है. उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं कि सप्लाई चेन में आई रुकावटों को कैसे दूर किया जाए। 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। जवाब में ईरान ने इजरायल और खाड़ी देशों पर हमले किए हैं। ईरान के नियंत्रण में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बेहद अहम समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति होती है। संघर्ष के बाद से यहां जहाजों की आवाजाही काफी सीमित हो गई है। इसका असर भारत समेत कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा है।

ट्रंप ने दी धमकी : ईरान बोला- नो एंट्री

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को 48 घंटे की अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में चेतावनी दी थी कि यदि ईरान अगले दो दिनों के भीतर बिना किसी शर्त और धमकी के इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को पूरी तरह से नहीं खोलता है, तो अमेरिका उसके बिजली संयंत्रों पर बमबारी करके उन्हें नष्ट कर देगा। उनकी इस धमकी पर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान का जवाब आया है। पेजेश्कियान ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ईरान को नक्शे से मिटाने का भ्रम दरअसल उस हताशा को दर्शाता है, जो एक इतिहास रचने वाले राष्ट्र की दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने खड़ी है। धमकियां और आतंक हमारे संकल्प को कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत करते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सभी के लिए खुला है, सिवाय उनके जो हमारी जमीन और संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। हम युद्धभूमि में किसी भी पागलपन भरी धमकी का डटकर और निर्णायक तरीके से सामना करने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका से एलपीजी, रूस से क्रूड लेकर आए जहाज

अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य जहाज शिवालिक और नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20त्न ऑयल की सप्लाई होती है।

मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रह चुके हैं, और वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का सबसे लंबा अनुभव है। हालांकि सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे। प्रधानमंत्री मोदी, नेहरू के रिकॉर्ड से 1812 दिन पीछे हैं। रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री रहना पड़ेगा।

लापरवाह अफसर वल्लभ भवन में बैठें

मुख्यमंत्री अचानक सीधी पहुंचे, कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी को हटाया

सीधी (स्वतंत्र मत)

सीधी में मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन से पहले रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यहां पहुंचे। इस दौरान सीएम ने कहा कि कई अधिकारियों के शिकायत मेरे पास आई थी। इसमें को लेकर मैंने चर्चा की है। जिन अधिकारियों की मैदानी शिकायतें हो रही हैं। वह मैदान में रहने के बजाय वल्लभ भवन में बैठें। उन्होंने बताया कि मैं अचानक आकस्मिक दौरे पर पहुंचा था। इस दौरान अलग-अलग कार्यकर्ता से बात की। शाम तक आपको कुछ रिजल्ट मिल सकता है। इसके बाद शाम को कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी हटा दिए गए। वहीं, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक पीएस धनबाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके तुरंत बाद विकास मिश्रा को बतौर कलेक्टर नियुक्त कर दिया गया। मिश्रा 2013 बैच के आईएएस अफसर हैं। मुख्यमंत्री ने 24 मार्च को प्रस्तावित प्रदर्शन के नेतृत्वकर्ताओं से भी चर्चा की। यह प्रदर्शन जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी के खिलाफ आयोजित किया जाना था, जिसमें कई जनपद पंचायत क्षेत्रों के जनप्रतिनिधि शामिल होने वाले थे। आंदोलन के प्रमुख नेताओं में नारायण तिवारी, रजनी तिवारी और अंबुज पांडे शामिल थे। इसके पहले सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री ने मंडल अध्यक्षों सहित क्षेत्र के कई नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने आगामी दिनों में सीधी में प्रस्तावित प्रदर्शन के संबंध में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में स्थिति को संभालने और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने पर जोर दिया गया।

डीजे प्लाजा प्रकरण के पीड़ितों से मिले

मुख्यमंत्री से मिलने के लिए डीजे प्लाजा प्रकरण से जुड़े पीड़ित भी पहुंचे। पीड़ितों ने आवेदन सौंपकर अपनी समस्याएं बताईं, जिस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। पीड़ित बादल चौरसिया ने बताया कि वे कई महीनों से परेशान हैं, उनका घर गिरा दिया गया है और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने न्याय की उम्मीद में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस बीच, प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे को कॉफी हाउस में नजरबंद कर दिया।

वल्लभ भवन में बैठाना ज्यादा अच्छा

सीएम ने अचानक सीधी जिला मुख्यालय का दौरा करने के बाद कहा था कि मुझे अलग-अलग प्रकार की शिकायतें मिली हैं। आज के दौरे का परिणाम हो सकता है, रात तक सामने आएगा। मैं उम्मीद करता हूं कि जो अधिकारी जहां काम कर रहे हैं, उनको जवाबदारी के साथ काम करना चाहिए। जवाबदारी उनकी नियुक्ति के साथ ही होती है। ऐसे में अगर मैदानी कार्रवाई में शिकायतें प्राप्त होती हैं, तो मैदान में रहने के बजाए फिर उनको वल्लभ भवन में बैठाना ज्यादा अच्छा है।

जल जीवन मिशन से बदली गांवों की तस्वीर : पाटिल

नई दिल्ली (वार्ता)

जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा है कि जल जीवन मिशन ने देश के ग्रामीण परिदृश्य में बहुत बड़ा बदलाव लाते हुए जीवन को गरिमा, स्वास्थ्य और सुगमता दी है। पाटिल रविवार को यहां विश्वजल दिवस पर आयोजित जल महोत्सव 2026 और सुजल ग्राम संवाद के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्रालय ने 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से विश्व जल दिवस 22 मार्च तक एक पखवाड़े के लिए यह राष्ट्रव्यापी अभियान मनाया था। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन केवल नल कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि एक ऐसा मिशन है जिसने ग्रामीण भारत में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के जीवन को गरिमा, स्वास्थ्य और सुगमता दी है। मिशन के पहले चरण में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ, लेकिन जमीनी अनुभव से स्पष्ट है कि अब स्थिरता, कार्यक्षमता और सेवा वितरण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संचय से जन भागीदारी को मजबूत करने के लिए जल उत्सव और नदी उत्सव जैसी पहलों को पूरे देश में मनाने की सलाह दी है, ताकि जल संरक्षण और जल प्रबंधन केवल सरकार द्वारा संचालित अभ्यास के बजाय जन-नेतृत्व वाला आंदोलन बन सके। उन्होंने कहा कि 8 से 22 मार्च तक मनाया गया जल महोत्सव इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में सफल रहा है, जिसमें ग्रामीण भारत में व्यापक सामुदायिक भागीदारी, जागरूकता गतिविधियां और जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन की दिशा में सामूहिक प्रयास देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वामित्व, जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करने के व्यापक संदर्भ में ही सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है, और संरचनात्मक सुधारों और शासन व्यवस्था में सुधार पर नए सिरे से जोर देते हुए मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया है।

असम में कांग्रेस ने छह दलों के साथ किया गठबंधन

नई दिल्ली। असम में विधानसभा चुनाव अभियान के बीच पाला बदल से अब तक हलकान रही कांग्रेस को राज्य में गठबंधन को स्वरूप देने में मिली कामयाबी ने चुनाव में मुकाबले की नई उम्मीद दी है। राज्य के उपरी से लेकर पहाड़ी क्षेत्र में आधार रखने वाली छोटी-छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन की इस पहल के साथ ही कांग्रेस ने असम की सत्ताधारी भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के लिए चुनौती बढ़ा दी है। रायजोर दल तथा असम जातीय परिषद समेत छह दलों के इस गठबंधन के सहारे कांग्रेस अब खास तौर पर उपरी असम की अधिकांश विधानसभा सीटों पर भाजपा की चुनावी रफ्तार को थाम लेने की उम्मीद कर रही है। असम में कांग्रेस की अगुवाई में बने नए चुनावी गठबंधन में सामाजिक कार्यकर्ता अखिल गोगोई के रायजोर दल और लुरिन गोगोई की पार्टी एजेपी के अलावा, आल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस, माकपा और सीपीआई(एमएल) शामिल हैं। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगाई के अनुसार कांग्रेस जहां करीब 100 सीटों पर उम्मीदवार उतार रही है। वहीं रायजोर दल 11, एजेपी 10 तथा अन्य दल दो-दो सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद असम में अपनी चुनावी संभावनाएं देख रही कांग्रेस को चुनाव से ठीक पहले उसके कई बड़े नेताओं ने पाला बदल तगड़े झटके दिए। कभी कांग्रेस के प्रमुख नेता रहे अब राज्य में भाजपा के पोस्टर ब्वाय मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक सिटिंग लोकसभा सदस्य समेत कांग्रेस के कई नेताओं को भाजपा में शामिल करा पार्टी की चुनावी नैया डांवाडोल कर दी थी। इस चुनौती से पार पाने के लिए ही कांग्रेस ने छोटे दलों के साथ सामाजिक-राजनीतिक समीकरण साध हिमंत की जवाबी घेरेबंदी का यह दांव चला है।

हवालाकांडः गुना एसपी अंकित सोनी को हटाया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार शाम को गुना और सीधी में बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया। गुना हवालाकांड के बाद एसपी अंकित सोनी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। उन्हें पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। इंदौर में 15वीं बटालियन की कमांडेंट हितिका वसल को उनकी जगह गुना का नया एसपी बनाया है।

भोपाल में नहीं बढ़ेगा प्रॉपर्टी टैक्स!

सीवेज और जल कर से बढ़ सकता है आर्थिक बोझ

भोपाल। आईएसबीटी स्थित निगम मुख्यालय में 23 मार्च को होने वाली नगर निगम परिषद की बैठक में शहर सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना बजट पेश करेंगी। महापौर मालती राय के कार्यकाल का यह चौथा बजट है। सूत्रों की मानें तो इस बार का बजट चार हजार करोड़ रुपये से अधिक का होगा। वहीं, बैठक में सीवेज और जल कर बढ़ाया जा सकता है, जिससे शहरवासियों पर एक बार फिर आर्थिक बोझ बढ़ने की संभावना है। जबकि राहत की बात यह है कि निगम इस बार संपत्ति कर में बढ़ोतरी करने नहीं जा रहा है। जानकारी के अनुसार, योजना आयोग ने आमदनी बढ़ाने के लिए हर साल टैक्स बढ़ाने की सलाह दी है। निगम प्रबंधन योजना आयोग की अनुशंसा को आधार बनाकर इस बजट में भी जल और सीवेज जैसे मदों के कर में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की तैयारी में है। सीवेज टैक्स में बढ़ोतरी से शादी गार्डन और अस्पतालों पर अधिक बोझ डाले जाने की संभावना है। राजधानी के एंट्री पॉइंट्स पर हेरिटेज गेट, मुख्य सड़कों का सौंदर्यीकरण और पार्कों के विकास कार्य के साथ ही सड़क, बिजली, पानी, नाला निर्माण और तालाबों के संरक्षण की योजना भी शामिल है। इसके अलावा गीता भवन का निर्माण और नए कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण की योजना भी शामिल है।

देश की वर्तमान भंडारण क्षमता पर्याप्त नहीं : रिपोर्ट

साइलो-आधारित आधुनिक प्रणालियों को अपनाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली (वार्ता)

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की जारी एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश का खाद्यान्न उत्पादन नई ऊंचाइयां छूने की राह पर है लेकिन खाद्यान्न की वर्तमान भंडारण क्षमता, भविष्य की जरूरतों के लिए अपर्याप्त हैं। 'भारत में खाद्यान्न भंडारण बाजार 2025-2030' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र की इस प्रगति को संभालने के लिए बुनियादी ढांचे में आमूल-चूल बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया गया है। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश का वर्तमान खाद्यान्न उत्पादन (2024-25) 35.77 करोड़ टन है। पीएचडी चैंबर की इस रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030-31 तक इसके बढ़कर 36.80 करोड़ टन होने का अनुमान है। पीएचडी चैंबर के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि देश को एक कुशल कृषि मूल्य श्रृंखला की ओर ले जाने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित बुनियादी ढांचा अनिवार्य है। रिपोर्ट में साइलो-आधारित आधुनिक भंडारण प्रणालियों को अपनाने का सुझाव दिया गया है। साइलो प्रणाली अनाज की बर्बादी को कम करने और अनाज की गुणवत्ता बनाए रखने में सक्षम हैं। उद्योग निकाय ने सरकार से एक ऐसी नीति बनाने की मांग की है जो इस क्षेत्र में निजी और संस्थागत निवेश को प्रोत्साहित कर सके।

वैज्ञानिक विधियां अपनाएं

रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक भंडारण विधियों को अपनाने से न केवल घरेलू मांग पूरी होगी, बल्कि वैश्विक कृषि व्यापार में भी भारत की स्थिति मजबूत होगी। इसके अलावा, आधुनिक गोदामों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और किसानों को बेहतर मूल्य मिल सकेगा। दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी और आसान वित्तपोषण की व्यवस्था करनी होगी।

रिपोर्ट ने किया आगाह

रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि इन आंकड़ों से पता चला है कि जहाँ पैदावार का स्तर लगातार बढ़ रहा है, वहीं वर्तमान भंडारण क्षमता भविष्य की जरूरतों के हिसाब से काफी नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भंडारण प्रणालियों में समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो उपज का एक बड़ा हिस्सा कटाई के बाद खराब हो सकता है, जिससे खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय, दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

जबलपुर-भोपाल-अनूपपुर-शहडोल-उमरिया-कटनी-पन्ना-सतना-रीवा-सिंगरौली-सीधी-दमोह-सागर-नरसिंहपुर-सिवनी-छिन्दवाड़ा-बालाघाट-मण्डला-डिण्डौरी जिलों में प्रसारित

ब्रह्मचारिणी स्वरूप में सजी मां सिंह वाहिनी चतुर्थ दिवस भक्तों की लगी रही कतार

रसमोहनी (स्वतंत्र मत)।

जिले के भटिया जैतपुर स्थित मां सिंह वाहिनी मंदिर में चौत्र नवरात्रि का दूसरा दिन श्रद्धा और भक्ति के अद्भुत संगम का साक्षी बना।जैसे ही प्रभात की पहली किरण मंदिर परिसर में पहुंची, वैसे ही श्रद्धालु भक्त जनों की लंबी कतारें मां के दर्शन के लिए लग गई।इस दिन मां सिंह वाहिनी ने ब्रह्म चारिणी स्वरूप में दर्शन देकर भक्तों को ज्ञान, तपस्या और आत्मबल का संदेश दिया। मंदिर का वातावरण जय माता दी के जय कारों और घंटियों की गूंज से पूरी तरह भक्तिमय हो गया। मां ब्रह्मचारिणी, जिन्हें तप और त्याग की देवी माना जाता है, उनके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मान्यता है कि, इस दिन सच्चे मन से पूजा करने पर जीवन में संयम धैर्य और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है।

जय मां सिंहवाहिनी न्यास भटिया ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए है। सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, साफ-सफाई और पेय जल की सुविधाओं ने भक्तों को राहत दी है। प्रशासन भी निरंतर निगरानी

बनाए हुए है। जिससे आयोजन सुचारू रूप से चलता रहे। न्यास प्रबंधन ने दानदाताओं और दर्शनार्थियों से आग्रह किया है कि मेला परिसर में स्थापित मां की रसोई में ही अपना-अपना भंडारा व लंगर प्रसाद का वितरण करें। इसके लिए भंडारा व्यवस्था में लगे न्यास धारियों से सम्पर्क कर अपना भंडारा प्रसाद वितरण कराएं। मनमाने ढंग से निर्धारित स्थान के अलावा भंडारे प्रसाद का वितरण नहीं करें। जिससे शांति व्यवस्था बनी रहे। इसी प्रकार दान दाताओं से,कथा,कलश जवारा,मुंडन, कर्ण भेद संस्कार आदि के लिए न्याय कार्यालय व निर्धारित काउंटर से रसीद प्राप्त कर ही अपने कार्यक्रम को सम्पन्न करें। मेला परिसर में ही साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन, बृंदावन धाम से पधारे बाल व्यास आयुष कान्हा जी महाराज के श्री मुख से संगीत मय कथा का रसपान कराया जाएगा।

साप्ताहिक कथा का संरक्षण जगत गुरु श्री रामानुजाचार्य देवांश प्रपन्नाचार्य दण्डवती जी महाराज खाम्हीडोल) करेंगे। क्षेत्रीय जनों से व दूर-दराज के श्रद्धालुओं से आग्रह है कि अधिकाधिक संख्या में पधार कर कथा श्रवण कर पुण्य के भागी बनें। भटिया का यह पावन धाम आस्था के महासागर में बदलता जा रहा है। आइए हम ज्ञान रूपी सागर में गोते लगा कर अपने-अपने जीवन को धन्य बनाएं।

कलेक्टर बंगले पर पीएनजी गैस सेवा शुरू, जिले वासियों को भी मिलेगा राहत का नया विकल्प

पीएनजी गैस अपनाएं, सुरक्षित व किफायती ऊर्जा का लाभ लें

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे घरेलू एवं व्यावसायिक उपयोग के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (सिटी गैस) को अपनाएं। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक लगभग 5600 पीएनजी कनेक्शन इंस्टॉलेशन किए जा चुके हैं, जिनमें से 1000 से अधिक उपभोक्ता नियमित रूप से पीएनजी गैस का उपयोग कर रहे हैं। इससे पीएनजी गैस की उपयोगिता और विश्वसनीयता तेजी से बढ़ रही है। पीएनजी गैस का उत्पादन जिले में ही हो रहा है। जिससे गैस की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहेगी। रिलायंश गैस इंडस्ट्री से गैस लेकर विभिन्न कंपनियां पीएनजी कनेक्शन दे रही हैं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि पीएनजी गैस पूरी तरह सुरक्षित, सुविधाजनक एवं पर्यावरण के अनुकूल है। इसमें सीधे रसोई तक 24 घंटे गैस की आपूर्ति बनी रहती है, जिससे सिलेंडर बुकिंग और गैस मंगाने की जरूरत नहीं पड़ती। पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक सस्ती है तथा उपभोक्ताओं को मासिक बिल की सुविधा भी मिलती है। पीएनजी गैस के लिए जिले में 09 सर्विस स्टेशन बनाए गए हैं। शहडोल शहर में 03, ब्यौहारी मे 02, बुढ़ार, दियापीपर, बटुरा एवं जयसिंहनगर में 01-01 सर्विस स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

पीएनजी गैस का व्यायसायिक उपयोग भी किया जा सकता है। जिले में 15 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंटों में कामर्शियल पीएनजी गैस कनेक्शन लिए गए हैं और प्रतिष्ठानों द्वारा लगातार कनेक्शन करवाया जा रहा है। होटल सूर्या इंटरनेशनल शहडोल में पीएनजी गैस का शत प्रतिशत उपयोग किया जा रहा है। होटल प्रबंधक ने बताया कि गैस पाईप लाइन से अच्छे प्रेसर के साथ गैस उपलब्ध हो रही है। कलेक्टर ने आम जन से अपील की है कि पीएनजी गैस कनेक्शन लेकर एलपीजी गैस कनेक्शन में नंबर लगाने, सिलेण्डर लेने तथा बीच मे ही गैस खतम होने जैसे निर्भरतायें शून्य हो जाती है। शहर ऐसे सभी पीएनजी उपभोक्ता जिनके घरो और प्रतिष्ठानों में पीएनजी (सिटी) गैस की पाइप लाइने पहुंच गई है वे शीघ्र इनका कनेक्शन प्राप्त कर सकते है। पीएनजी गैस के इच्छुक परिवार और प्रतिष्ठान भी नए कनेक्शन (स्टॉलेशन) के लिए भी आवेदन कर सकते है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपने बंगले में पीएनजी गैस कनेक्शन लिया है। उन्होंने बताया कि पीएनजी गैस अच्छे प्रेसर के साथ प्राप्त हो रही है।

मध्यप्रदेश केसरवानी वैश्य सभा के तीनों घटकों के शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश मंत्री पवन केसरवानी ने भी ली शपथ

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

मध्य प्रदेश केसरवानी वैश्य सभा मधयप्रदेश के तीनों घटकों का प्रदेश सभा, महिला सभा एवं तरुण सभा का शपथग्रहण समारोह सतना नगर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। केसरवानी तरुण मधयप्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री बुढार नगर के उर्जावान युवा पवन केसरवानी ने भी शपथ ली। कार्यक्रम की शुरुवात महर्षि कश्यप ऋषी कुलगुरु जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा भगवान राम एवं गंगा मैया की दिव्य झांकी की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संरक्षक राजीव केसरवानी, राष्ट्रीय संरक्षिका महिला सभा वंदना गुप्ता, प्रदेश संरक्षक अनिल गुप्ता एवं राजकमल केसरवानी द्वारा मधयप्रदेश सभा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व कलेक्टर रामकिंकर गुप्ता जी को शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात् तीनों घटकों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। साथ ही तरुण सभा के ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष विकास केसरवानी के तत्वाधान में प्रदेश अध्यक्ष रामकिंकर गुप्ता प्रदेश सभा संरक्षक राजकमल केसरवानी जी के द्वारा नवनियुक्त प्रदेश मंत्री पवन केसरवानी जी को नियुक्ति पत्र दिया गया।

सड़क हादसों पर अंकुश लगाने हेतु यातायात की विशेष पहल

शहडोल (स्वतंत्रमत)। यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में, थाना प्रभारी निरीक्षक संजय जायसवाल यातायात द्वारा एनएच 43 पर ग्राम धुरवार टोल टैक्स के आगे एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्य कराया गया है। हाल ही में उक्त स्थान पर हुए कुछ सड़क हादसों को गंभीरता से लेते हुए, यातायात पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सड़क के दोनों ओर रोड सेफ्टी रेडियम युक्त और सोलर पैनल युक्त डेलिनिएटर लगवाए गए हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

शहडोल । फरियादिया ने अपने पिता के साथ उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया। फरियादिया ने बताया कि वर्ष 2022 में पति द्वारा छोड़ दिए जाने के बाद वह अपने मायके में रह रही थी। इसी दौरान नवंबर 2025 में उसकी पहचान राकेश नामदेव निवासी ग्राम दुआरी, थाना जयसिंहनगर से हुई थी। आरोपी राकेश नामदेव ने फरियादिया को शादी का प्रलोभन दिया और यह विश्वास दिलाया कि वह उसे व उसके तीन बच्चों को अपना लेगा। माह दिसंबर 2025 में आरोपी उसे अपने घर दुआरी ले गया और शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। इसके पश्चात आरोपी उसे मजदूरी के बहाने सूरत (गुजरात) ले गया, जहाँ वह डेढ़ महीने साथ रहे। वापस आने के बाद जब फरियादिया ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी टालमटोल करने लगा। बाद में पता चला कि आरोपी पूर्व से शादीशुदा है और अब उसने शादी करने से साफ इनकार करते हुए पीड़िता को धमकी भी दी। फरियादिया की शिकायत पर थाना जयसिंहनगर में आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में करकी ब्लॉक, अमझोर ब्लॉक आमडीह एवं पपौध ब्लॉक में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी द्वारा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने संगठन की मजबूती पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए जिला, ब्लॉक, पंचायत एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने, जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाने एवं आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भागीदारी जरूरी है। संगठन की एकजुटता एवं समर्पण ही कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगा। इस दौरान संगठन महासचिव विनोद ताम्रकार एवं जिला मुख्य प्रवक्ता भी जिलाध्यक्ष के साथ उपस्थित रहे और संगठन विस्तार एवं मजबूती को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने एवं पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक रामपाल सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामलखन सिंह, ब्यौहारी ब्लाक अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी, जयसिंहनगर ब्लॉक अध्यक्ष राजेश मिश्रा, अमझोर ब्लॉक अध्यक्ष अनिल पटेल, पपौध ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रमा तिवारी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष ओ.पी. शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेसी सुंदर लाल गुप्ता,अंकित गुप्ता, इंद्रमणी पाठक, जनपद सदस्य अंकला पटेल, पूरन सिंह, राम प्रवेश पटेल, जलील खान, सरपंच अकाली दास, सरपंच राम किशोर बैगा एवं राधिका प्रसाद पटेल, शंकरिया कोल, विनोद पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 400 से अधिक लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा के निर्देशन में रविवार, 22 मार्च 2026 को पुलिस कंट्रोल रूम डिंडौरी में एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों सहित उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच एवं परामर्श की व्यापक व्यवस्था की गई। शिविर के सफल संचालन में प्रभारी रक्षित निरीक्षक सूबेदार कुंवर सिंह उलाडी के नेतृत्व में एएसआई संतोष प्रधान, प्रधान आरक्षक रघुराई प्रजापति, आरक्षक केशव प्रसाद कोकड़िया सहित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस स्वास्थ्य शिविर में महाराष्ट्र के नागपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। टीम में डॉ. शशिकांत रघुवंशी (प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, लेप्रोस्कोपिक सर्जन), डॉ. विकास टिके, डॉ. विकाश तेकाम (सामान्य चिकित्सा विशेषज्ञ) तथा डॉ. दीपक (मानसिक स्वास्थ्य एवं पोषण विशेषज्ञ) शामिल रहे। इसके साथ ही लेब टेक्नीशियन नंदकुमार ठाकुर द्वारा जांच कार्यों में महत्वपूर्ण सहयोग दिया गया।

शिविर के दौरान लगभग 400 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न जटिल स्वास्थ्य समस्याओं की जांच कर विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, सामान्य बीमारियों एवं महिला स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर भी विशेष रूप से परामर्श प्रदान किया गया।

शिक्षक ने घर में गमछा से फांसी लगाकर की आत्महत्या

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

जिले के शहपुरा थाना क्षेत्र के बिछिया बिलगड़ा गांव में शनिवार को एक दुखद घटना सामने आई। स्थानीय निवासी शिक्षक ने अज्ञात कारणों से अपने घर में कपड़े के गमछा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर शहपुरा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सर्वेक्षण व जांच शुरू की। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंपा। वहीं स्थानीय लोगों के अनुसार, शिक्षक के आत्महत्या के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच-पड़ताल कर रही है और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। शिक्षक के परिवार और गांव के लोग इस अचानक हुई घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस मामले में किसी संदिग्ध परिस्थिति की जांच भी कर रही है।

जल की एक एक बूंद सहेजना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : विधायक

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद्, विकासखंड गोहपारू के तत्वाधान में शासकीय महाविद्यालय गोहपारू में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक मनीषा सिंह ने जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल के बिना जीवन संभव नहीं है, जल बचाने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान के तहत कुओं, बावड़ियों, तालाबों जैसे अन्य जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं जनमानस बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाते हुए जल के एक एक बूंद को बचाने और संरक्षित करने में अपना अमूल्य योगदान दें। जागरूकता कार्यक्रम में विधायक ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं लोगों को जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनरोद्धार हेतु शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में शासकीय महाविद्यालय गोहपारू के प्राचार्य मंगल सिंह,म.प्र. जन अभियान परिषद् गोहपारू के विकासखंड समन्वयक आलोक सोंधीया, समाजसेवी संतोष लोहानी सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता सची तिवारी, मुकेश पाठक, प्रवीण दुबे एवं आनंद द्विवेदी, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि अशोक कुमार अहिरवार, देवेंद्र सिंह, राहुल सिंह देवेंद्र सिंह, मुकेश केवट तथा बी.एस.डब्ल्यू.ध्एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

तेज रफ्तार कार पलटी, 3 साल की मासूम की मौत

डिंडौरी । शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गोपालपुर गांव के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 3 वर्षीय मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिता अपनी बेटी के साथ खारीडीह गांव से पलकी टोला की ओर कार से जा रहे थे। इसी दौरान गोपालपुर के पास वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि बच्ची ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।घटना में घायल पिता को तत्काल इलाज के लिए बजाग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही गोपालपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर वाहन से नियंत्रण खोना बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राजस्व विभाग का शानदार प्रदर्शन, सीएम हेल्पलाइन में प्रदेश में तीसरा स्थान

फरवरी माह में 88.27 वेटेज स्कोर, त्वरित निराकरण और सुदृढ़ मॉनिटरिंग का परिणाम

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर अंजू भदोरिया के मार्गदर्शन एवं अपर कलेक्टर जे.पी. यादव के निर्देशन में राजस्व विभाग डिण्डोरी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करते हुए सीएम हेल्पलाइन में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया गया है। जिले ने फरवरी माह में कुल 88.27 प्रतिशत वेटेज स्कोर हासिल कर प्रदेश में अपनी मजबूत प्रशासनिक कार्यशैली का प्रदर्शन किया है। प्राप्त उपलब्धि प्रशासन की सतत मॉनिटरिंग, समयबद्ध निराकरण एवं शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा, फील्ड स्तर पर सक्रियता एवं नागरिकों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के कारण यह सफलता संभव हो सकी है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय जिले के सभी राजस्व अधिकारियों एवं मैदानी अमले के समर्पण, टीमवर्क एवं बेहतर समन्वय को दिया जा रहा है, जिन्होंने लगातार प्रयास करते हुए शिकायतों के निराकरण में तेजी लाई।कलेक्टर अंजू भदोरिया ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि च्यह उपलब्धि टीमवर्क, सतत समीक्षा एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यसंस्कृति का परिणाम है। हमारा लक्ष्य केवल रैंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि आमजन को समय पर और संतोषजनक समाधान प्रदान करना है। सभी अधिकारी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहें, ताकि जिले को भविष्य में और उच्च स्थान प्राप्त हो सके।

अपर कलेक्टर जे.पी. यादव ने सभी राजस्व अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि निश्चित रूप से प्रेरणादायक है, किन्तु इसे बनाए रखना और आगे सुधार करना हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक अधिकारी शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता एवं समयसीमा का विशेष ध्यान रखें, जिससे आगामी समीक्षा में और बेहतर परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

शरीर के कुशल संचालन के लिए बुद्धि का जागृत रहना अनिवार्य: मंत्री सारंग

शहर पहुंचे खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने विविध आयोजनों में लिया हिस्सा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को संस्कारधानी जबलपुर के प्रवास पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महाकौशल प्रांत द्वारा आयोजित 32वें विराट युवक-युवती परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विजय नगर स्थित वर्मा बारात घर में आयोजित इस समारोह का शुभारंभ मंत्री श्री सारंग ने भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सारंग ने कायस्थ समाज की महत्ता पर प्रकाश डाला और अपने पिता स्व कैलाश सारंग के विचारों को साझा करते हुए कहा कि यदि संपूर्ण हिंदू समाज को एक मानव शरीर के रूप में परिकल्पित किया जाएए तो कायस्थ

समाज उसकी श्बुद्धि और विवेकश् है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस प्रकार किसी शरीर के कुशल संचालन के लिए बुद्धि का जागृत रहना अनिवार्य हैए उसी प्रकार राष्ट्र और धर्म की उन्नति के लिए कायस्थ समाज की सक्रियता अत्यंत आवश्यक है।

भगवान चित्रगुप्त के प्राचीन मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने कायस्थ समाज को कलमधारी समाज के रूप में नमन किया। उन्होंने क्षेत्रीय विकास की प्रतिबद्धता दोहराते हुए घोषणा की कि उत्तर मध्य विधानसभा स्थित भगवान चित्रगुप्त के प्राचीन मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मंत्री श्री सारंग के मार्गदर्शन में फूटाताल के समीप ग्राउंड मुं एक अत्याधुनिक मिनी स्टेडियम का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे स्थानीय युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं प्राप्त होंगी। समारोह की अध्यक्षता महाकौशल प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष केके श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर अभा कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री अध्यक्ष श्रीवास्तव, मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

पराली से बनाई जा सकती है डिसपोजल से लेकर कंप्रेस नेचुरल बायोगैस

जिला प्रशासन ने किसानों से किया पराली न जलाने का आग्रह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। फसल कटाई के उपरांत खेत में छोड़े जाने वाले फसल अवशेषों को पराली अथवा नरवाई कहा जाता है। अगली फसल की तैयारी के लिए इन अवशेषों को कृषक आग लगा देते हैं जिससे मिट्टी प्रदूषण और वायु प्रदूषण होता है। इससे मिट्टी में उपस्थित रहने वाले मित्र कीट मर जाते हैं और प्रदूषण का प्रभाव मानवीय स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। फसल अवशिष्ट जलाने से निकलने वाली विभिन्न प्रकार की गैस कई बीमारियां होती हैं। अत: कृषकों से आग्रह किया गया है कि वे फसल अवशिष्ट न जलायें। फसल अवशिष्ट प्रबंधन के लिए कई तरीके हैं और उनसे कई प्रकार के लाभ भी हैं।

इन निर्माणों में होता है उपयोग- फसल अवशिष्ट से पशुओं के लिए भूसा, इको फ्रेंडली प्लेट एवं डिस्पोजल, पैकेजिंग इंडस्ट्री एवं बैग बनाने, कंप्रेस नेचुरल बायोगैस, प्लाईवुड उद्योग आदि में उपयोग किया जा सकता है। एस्ट्रा रीपर कृषि यंत्र के माध्यम से गेहूं की फसल कटाई उपरांत खेत में छोड़ी गई फसल अवशिष्ट को यंत्र की सहायता से भूसा बनाकर पशुओं के आहार में उपयोग किया जा सकता है। वर्तमान में फसल अवशिष्ट से इको फ्रेंडली खाने के प्लेट एवं डिस्पोजल बनाने का व्यवसाय अपार संभावनाएं रखता है। फसल अवशिष्ट अब अतिरिक्त आय का जरिया बन सकती है। इसका उपयोग पैकेजिंग इंडस्ट्री, बायोडिग्रेडेबल बैग बनाने, सीएनजी बनानेए इंडस्ट्री में ईंधन के रूप में और प्लाईवुड उद्योग में किया जा रहा है। कृषक फसल अवशिष्ट का उपयोग अब अवसर के रूप में कर सकते हैं। खेत से फसल अवशिष्ट को इकट्ठा करने के लिए बेलर कृषि यंत्र का उपयोग किया जाता है। यह बेलर मशीन खेत में पड़ी फसल अवशिष्ट को एकत्रित करती है, उसको कंप्रेस कर एक बंडल बना देती है, जिसे आसानी से विभिन्न उद्योगों तक पहुंचाया जा सकता है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बने संजय यादव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मप्र में जबलपुर से संजय यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इसके पूर्व संजय यादव पिछड़ा वर्ग मोर्चा में जबलपुर महानगर जिला अध्यक्ष के दायित्व में कार्य कर रहे थे। संजय यादव को पिछड़ा वर्ग मोर्चा में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडे आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

रविवार की दिनचर्या का हिस्सा बना जैविक हाट बाजार

जमकर हो रही जैविक उत्पादों की खरीददारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जैविक खेती कर रहे किसानों को उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने कृषि उपज मंडी जबलपुर में प्रत्येक रविवार को लगाये जा रहे जैविक हाट की लोकप्रियता सप्ताह दर सप्ताह बढ़ती जा रही है। जैविक हाट कई लोगों की रविवार की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। जैविक उत्पादों के मुरीद बड़ी संख्या में जैविक हाट पहुंच रहे हैं और पसंद के जैविक उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। खरीदारों की बढ़ती संख्या के साथ ही जैविक खेती कर रहे किसानों में भी उनके उत्पादों को मिल रही अच्छी कीमत को लेकर उत्साह नजर आने लगा है। जिले भर के किसान अपने जैविक उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिये जैविक हाट में शामिल हो रहे हैं। इस रविवार को भी जिले के कई किसान जैविक हाट के सहभागिता बने और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इन उत्पादों में सब्जियां, फल फूल, मसाले, अनाज, दालें, गुड़ एवं अन्य उत्पाद शामिल थे। जैविक हाट में संयुक्त संचालक के

एस नेताम सहित कृषि अधिकारियों ने किसानों को जैविक खेती की उन्नत तकनीकों, जैविक खाद के उपयोग तथा जैविक प्रमाणीकरण की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संयुक्त संचालक कृषि ने किसानों को अधिक से अधिक क्षेत्र में जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जैविक खेती को अपनाने से जहां मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होती हैए वहीं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

अयोध्या के लिए रवाना हुआ 1500 श्रद्धालुओं का जत्था

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रविवार को लगभग 1500 श्रद्धालुओं का एक विशेष दल अयोध्या के लिए रवाना हुआ। मदनमहल रेलवे स्टेशन से श्री रामलला अयोध्या धाम तीर्थ यात्रा के तहत इस विशेष ट्रेन को महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने हरी झंडी दिखाकर विदा किया। इस अवसर पर विधायक अभिलाष पांडेय, अजय विश्वनाथी, रत्नेश सोनकर सहित कई जनप्रतिनिधि और साधु-संत उपस्थित थे। स्टेशन परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल था। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बताया कि वे अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे हनुमानगढ़ी सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे और सरयू नदी में स्नान भी करेंगे। इस यात्रा का आयोजन संस्कारधारी कल्याणकारी एवं मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा किया गया है। यह समिति प्रतिवर्ष माता वैष्णो देवी यात्रा का आयोजन करती है, लेकिन इस बार विशेष रूप से श्री रामलला के दर्शन का संकल्प लिया गया है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं में इस यात्रा को लेकर विशेष उत्सुकता है। रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने अपने परिवारों की सुख-शांति, समृद्धि और जबलपुर शहर की उन्नति के लिए मां नर्मदा, प्रभु श्रीराम और माता वैष्णो देवी से प्रार्थना की। यह यात्रा 24 मार्च को पूरी होगी और सभी श्रद्धालु उसी दिन जबलपुर लौट आएंगे।

महापौर ने विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

आपस में भिड़े दो पक्ष, जमकर हुई मारपीट

भेड़ाघाट थाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शराब के नशे में शुरू हुई कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और गाली-गलौज हुई। भेड़ाघाट थाने में 21 वर्षीय सुहानी चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पिता राजकुमार चौधरी, जो पेशे से जूता सिलाई का काम करते हैं, शनिवार शाम काम से लौट रहे थे। और लकी पटेल के घर के सामने उनका विवाद हो गया। पिता ने घर आकर बताया कि लकी ने उनके साथ अभद्रता और मारपीट की है। जब सुहानी अपने भाई चंदन, शैलेंद्र और परिवार की अन्य महिलाओं के साथ लकी के घर पूछताछ करने पहुँची, तो वहां लकी और राहुल पटेल ने उनके साथ जातिगत रूप से अपमानित करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। और राहुल पटेल ने सुहानी के गाल पर थप्पड़ मारा और जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं के साथ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। दूसरी ओर, 20 वर्षीय लकी पटेल ने बताया कि राजकुमार चौधरी शराब के नशे में उसके घर के सामने आकर गाली-गलौज कर रहे थे। जब उसने मना किया, तो राजकुमार ने झूमाझपटी शुरू कर दी। कोटवार दिलीप के समझाने पर राजकुमार घर चले गए, लेकिन कुछ देर बाद उनकी बेटी सुहानी, बेटा चंदन और अन्य लोग लकी के घर पहुँच गए। लकी का आरोप है कि सुहानी ने उसके सीने पर घूंसा मारा, जबकि चंदन और शैलेंद्र ने मारपीट करते हुए उससे घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

25 से लगेगा पुस्तक मेला, तैयारियां जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

स्कूली बच्चों एवं अभिभावकों को प्रतिस्पपर्धी एवं न्यूटनतम दरों पर पाठ्य पुस्तकें, कॉपिया और गणवेश उपलब्ध कराने जिला प्रशासन द्वारा 25 मार्च से 5 अप्रैल तक गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक परिसर में लगाये जा रहे पुस्तरक मेला की तैयारियों जोर शोर से जारी है। पुस्त क मेला का यह लगातार तीसरा आयोजन है। ज्ञात हो कि निजी स्कूलों, प्रकाशकों एवं पुस्त क विक्रेताओं की सांठगांठ से छात्रों और उनके अभिभावकों को राहत दिलाने प्रदेश में पुस्ताक मेले के आयोजन की शुरूआत वर्ष 2024 में जबलपुर जिले से ही हुई थी। देश भर में इसकी काफी चर्चा हुई और इसे काफी सराहना मिली तथा इसे प्रदेश के कई जिलों ने भी अपनाया। पुस्तसक मेला में पिछले वर्ष की तरह इस बार भी बुक बैंक का स्टॉरल लगाया जायेगा। जहां विद्यार्थी, उनके अभिभावक एवं नागरिक पिछले वर्ष की पाठ्य पुस्त्कें दान में दे सकेंगे। यह पुस्त कें रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से नाम मात्र के शुल्क पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जायेगी। मेले में पाठ्य पुस्तेकों, कॉपियों, यूनिफार्म, स्कूल बैग एवं अन्या शैक्षणिक सामग्रियों के स्टॉॉल के अलावा व्यंमजनों के स्टॉयल भी लगाये जायेंगे। मेले में प्रतिदिन सांस्कृंतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जायेगा। पुस्तक मेला के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जिम्मेकदारियां तय की है। पुस्तरक मेला की संपूर्ण व्यवस्था का प्रभारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत को बनाया गया है। इस कार्य में उनके सहयोग के लिए जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, नोडल अधिकारी जेएटीसीसी राजीव मिश्रा आदि को तैनात किया गया है।

ईद मिलन समारोह में दिया भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ईद-उल-फित्र के मुबारक मौके पर संस्कारधानी की गंगा-जमुनी तहजीब को जीवंत करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी मतीन अंसारी द्वारा आयोजित ईद मिलन समारोह खुशनुमा और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न समाजों के लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की और आपसी भाईचारे, अमन-चैन एवं एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक लखन घनघोरिया ने अपने संबोधन में कहा कि ईद केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि मोहब्बत, इंसानियत और आपसी रिश्तों को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने समाज में प्रेम, सौहार्द और एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया।

जबलपुर समेत चार संभागों में मिलेगी क्लैट की मुफ्त कोचिंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के होनहार युवाओं को कानून के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा मौका राज्य सरकार की सरदार पटेल कोचिंग एवं प्रशिक्षण योजना के तहत मिल रहा है। जिसमे छात्रों को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज में एडमिशन के लिए होने वाली कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट की तैयारी मुफ्त कराई जाएगी। सरकार ने प्रदेश के चार बड़े संभाग मुख्यालयों जबलपुर, भोपाल, इंदौर, व ग्वालियर को कोचिंग सेंटर के लिए चुना है। हर सेंटर पर सौ-सौ सीटें होंगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य स्तरीय रोजगार एवं प्रशिक्षण केंद्र ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। इस पूरी परियोजना के लिए सरकार ने 17.25 करोड़ रुपये का बजट रखा है। विभाग ने कोचिंग संस्थाओं से टेंडर बुलाए हैं। जिस संस्थान की पढ़ाई की क्वालिटी और ट्रैक रिकॉर्ड बेहतर होगा उसे प्राथमिकता मिलेगी। 400 सीटों में पिछड़ा वर्ग के लिए 352 और अल्पसंख्यक वर्ग के लिए 48 सीटें आरक्षित होंगी।

दो भाजपा मंडल की कार्यकारिणी हुई घोषित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार, भाजपा जबलपुर महानगर के जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के अनुमोदन के पश्चात जबलपुर महानगर अंतर्गत स्वामी विवेकानंद मंडल के अध्यक्ष अमर पटेल एवं आचार्य विधासागर मंडल के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने ने मंडल कार्यकारिणी घोषित की है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे आदि ने दोनों मंडलो के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

एलटीटी-समस्तीपुर जंक्शन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, जबलपुर में होगा ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेलवे द्वारा आगामी समर के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01043/01044 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-समस्तीपुर जंक्शन-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक एसी समर स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतब्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01043 एलटीटी से समस्तीपुर जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन समर के दौरान 21 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन से दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 23.45 बजे, पहुंचकर अगले दिन जबलपुर 03.10 बजे, सतना 5.50 बजे पहुंचकर मार्ग से होते हुए बुधवार रात्रि 23.45 बजे समस्तीपुर जंक्शन स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01044 समस्तीपुर जंक्शन से एलटीटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन समर के दौरान 23 अप्रैल से 16 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार को समस्तीपुर जंक्शन स्टेशन से 03 बजे प्रस्थान कर सतना 18.40 बजे, जबलपुर रात 22.15 बजे, पहुंचकर अगले दिन इटारसी 02 बजे और शुक्रवार सायं 16.25 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र जंक्शन, सोनपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन एवं मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

रसोई गैस की कमी का रेस्टोरेंट्स पर भारी असर, भट्टियों में बनाए जा रहे पकवान

इंडक्शन और भट्टियों की मदद से की गई वैकल्पिक व्यवस्थाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में रसोई गैस की कमी का असर अब होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर भी देखने का मिल रहा है। इस संकट के कारण शहर के अधिकांश होटल अपने संचालन को बनाए रखने के लिए पुरानी व्यवस्था को अपनाया है। अब यहां रसोई में कोयले की भट्ठियों और इंडक्शन कुकर की मदद से खाना तैयार किया जा रहा है। होटलों को गैस एजेंसियों से सिलेंडर नहीं मिलने के कारण यह वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ी है। उन्होंने स्वीकार किया कि कोयले की भट्ठियों से धुआं निकलता है और इंडक्शन पर खाना बनने में अधिक समय लगता है, लेकिन ग्राहकों को असुविधा न हो, इसलिए काम

जारी रखा गया है।

इंडियन कॉफी हाउस पर भी असर

इसी प्रकार शहर के शहर के इंडियन कॉफी हाउस पर भी इसका असर देखने का मिल रहा है। आपकों बतां दें कि देशभर में इंडियन कॉफी हाउस की लगभग 190 शाखाएं और 11 लॉज संचालित हैं। जबलपुर में भी इसकी 14 शाखाएं हैं, जहां इसी तरह वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग कर काम चलाया जा रहा है। गैस संकट के बावजूद, मेन्यू में किसी भी तरह की कटौती नहीं की गई है। सभी व्यंजन पहले की तरह ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि, कोयले की कीमतों में वृद्धि के कारण संचालन लागत में बढ़ोतरी हुई है। प्रबंधन का कहना है कि उनके पुराने कर्मचारियों को कोयले के चूल्हों पर काम करने का अनुभव है, जिससे व्यवस्था सुचारु बनी हुई है। गैस आपूर्ति सामान्य होने तक यह हाइब्रिड व्यवस्था जारी रहेगी।

सांसद के सरंक्षण में गौतम भवन हुआ जमींदोज !

किराएदारों के सामान के साथ तोड़ा गया भवन, दुकानदारों को लाखों का नुकसान

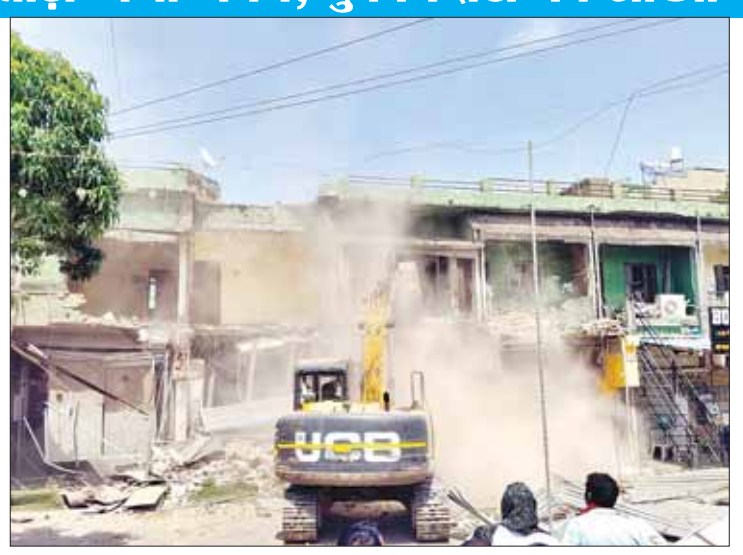

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

शहर के गोंदिया रोड़ स्थित गौतम भवन को जर्जर बताते हुए नगरपालिका ने बुलडोजर से रविवार को जमीदोज कर दिया। जिसके बाद अब आरोपों में घिरता हुआ दिखाई दे रहा हैं, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने आरोप लगाते हुए कहा कि गौतम भवन जर्जर नहीं हुआ हैं, इसका कारण हैं कि इस भवन को किराएदारों से खाली कराना हैं जो सांसद भारती पारधी के संरक्षण में नगरपालिका व प्रशासन के द्वारा भवन को तोड़ा गया हैं। शहर में चर्चाए हैं कि यह भवन तो सांसद के करीबी युवा व्यवसाई के द्वारा खरीदा गया है, जिसके बाद यह कार्यवाही की गई है। यह भी बताया जा रहा हैं कि राजकुमार कुकरेजा के द्वारा मामला न्यायालय में विचाराधिन है।

उल्लेखनीय हैं कि गत दिवस भवन मालिक ने राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा व मॉम किचन के संचालक द्वारा पैसों की मांग को लेकर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जुलुस भी निकाला था, तभी से चर्चाए तेज हो चली थीं कि आखिर भवन मालिक के पिछे कौन राजनेता शख्स है? जिसके पश्चात 22 मार्च रविवार को सुबह जेसीबी व पोकलैण्ड मशीन के साथ नगरपालिका प्रशासन, राजस्व प्रशासन व भारी पुलिस बल के साथ गौतम भवन पर दुकाने बगैर खाली कराए ही तोड़ना शुरू कर दिए और शाम तक भवन को जमीदोज करने की कार्यवाही चलते रहीं।

इधर, किरायेदार रेडियम दुकान मालिक श्री राजपुत ने बताया कि हमें प्रशासन ने कोई नोटिस नहीं मिला और रविवार दिन देख कर प्रशासन ने भवन को जर्जर बताकर तौड़ दिया गया। दुकानदार सौरभ शाडिलकर ने बताया कि हमे कोई नोटिस नहीं दिया गया और कार्यवाही के कुछ समय में ही खाली करने की बात कहीं गई, जिसके बाद जेसीबी मशीन से भवन को तोड़ने की कार्यवाही की गई।

सिविल न्यायालय में केस विचाराधीन

अंजली ट्रेवल्स संचालक राजा कुकरेजा के परिवार ने बताया कि मकान मालिक श्रीमती सविता गौतम एवं नितेश गौतम के मध्य तहसील एवं जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नं २९३/२८, २९३/११/ख रकबा ०.०१४ हे. भूमि पर गौतम काम्पलेक्स बना हुआ हैं, पर स्थित दुकान नंबर 7 के सबंध में एक व्यवहार वाद न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड बालाघाट के न्यायालय में संविदा के विशिष्ठ पालननार्थ लंबित है। भवन को प्रशासन ने न्यायालय की अवेल्हना करते हुए गिराया गया हैं, और जो दुकान में रखा हुआ लाखों रूपए की सामग्री भी नष्ट कर दी गई हैं।

सांसद भारती पारधी पर कार्यवाही के आरोप- युवा नेता तबरेज पटेल ने बताया कि शनिवार की रात्री को नोटिस दिया गया और रविवार को प्रशासन के द्वारा यह कार्यवाही की गई हैं, यह भवन जिले के बड़े नेताओं के साथ पॉटनरशीप में सांसद के करीबी युवा व्यवसाई के द्वारा खरीदा गया हैं, जो करोड़ो रूपए का खेल है। देखा जा रहा हैं कि नगरपालिका में गरीबों का काम नहीं होता और अमीरों के काम के लिए रविवार को जिला का पुरा अमला यहां मौजूद है। यह भवन जर्जर नहीं है बावजूद इसके यह तोड़ा जा रहा है, जबकि दुकानों में लाखों रूपए का सामान रहने के बाद भी तोड़ दिया गया जबकि उन्हे खाली कराने का समय भी नहीं दिया गया। चर्चाए हैं कि सांसद भारती पारधी का संरक्षण हैं तभी यहां पुरा अमले के द्वारा यह कार्यवाही की गई है।

सांसद भारती के संरक्षण का आरोप

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने गौतम काम्लेक्स को तोड़ने को लेकर सांसद भारती पारधी को घेरते हुए आरोप लगाया हैं कि सांसद भारती पारधी के संरक्षण पर सांसद के करीबी युवा व्यवसाई ने 12 करोड़ में गौतम काम्लेक्स खरीदा हैं, जिसको खाली करने के लिए सांसद के बाहुबल पर जिला प्रशासन, नगरपालिका व राजस्व अमले के द्वारा भवन को जर्जर बताते हुए तोड़ने की कार्यवाही की गई है। नगरपालिका के द्वारा नोटिस देते ही भवन का तोड़ने की कार्यवाही की गई है जो गलत है, भवन जर्जर नहीं है जर्जर बताकर केवल दुकानदारों को खाली कराने की नियत से यह कार्यवाही की गई है। वैसे तो बताया जा रहा हैं कि एक दुकानदार और दुकान मालिक के मध्य न्यायालय में मामला विचाराधिन हैं उसके बाद भी यह कार्यवाही न्यायालय की अवेल्हना करते हुए कार्यवाही की गई है।

प्रशासन ने कहा जांच के बाद कार्यवाही

नगरपालिका सीएमओं श्री करतोलिया ने बताया कि मकान मालिक ने नगरपालिका को आवेदन दिया गया था कि भवन तोड़ा जाए, जांच में पाया गया कि भवन जर्जर है, जिसके पश्चात भवन को तोड़ने की कार्यवाही की गई है। राजस्व एसडीएम गौपाल सोनी ने बताया कि नगरपालिका क्षेत्र में जर्जर भवन को हटाए जाने के प्रावधान हैं इस संबंध में गोंदिया रोड़ में गौतम परिवार की भवन जर्जर पाई गई, जिसकी नगरपालिका व पीडब्लूडी विभाग की रिपोर्ट के बाद भवन जर्जर पाया गया। सीएमओं के द्वारा हमें भवन को तोड़ने के लिए लिखा था, जिसके पश्चात पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में तोड़ने की कार्यवाही शुरू की गई। हमें जो पत्र मिला हैं उस आधार पर दो माह से यह कार्यवाही चल रहीं है पहले भी सूचना दे दी गई थीं, उसके पश्चात ही यह सीएमओं के द्वारा कार्यवाही की गई है।

आमानाला जलाशय में विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण, वन संरक्षण का दिया संदेश

उकवा(स्वतंत्र मत)

वन परिक्षेत्र उत्तर उकवा सामान्य अंतर्गत आमानाला जलाशय क्षेत्र में रविवार को उकवा विद्यालय के 56 छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वन संरक्षण, जल संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन तथा संयुक्त वन प्रबंधन समितियों की गतिविधियों से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान वन विभाग के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को जलाशय क्षेत्र, वन क्षेत्र एवं आसपास के प्राकृतिक स्थलों का अवलोकन कराया गया। इस अवसर पर छात्रों को सयुक्त वन प्रबंधन समीति के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों की सहभागिता से चल रहे वन संरक्षण कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को जंगल सफारी, प्रकृति अवलोकन एवं जंगल कैंप की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है तथा वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है। इस दौरान मानव-वन्यजीव संघर्ष के संबंध में भी विशेष जागरूकता दी गई। वन विभाग द्वारा बताया गया कि अतिसंवेदनशील ग्रामों में बैठक, स्कूल भ्रमण एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को सुरक्षा उपायों की जानकारी मिल सके। यह कार्यक्रम मुख्य वन संरक्षक वन वृत बालाघाट एवं वनमण्डलाधिकारी उत्तर बालाघाट सामान्य के निर्देशन में एवं उप वन मंडल अधिकारी उकवा सामान्य उपवनमंडल तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर उकवा सामान्य कु. प्रियंका मरकाम, वंक्षेत्रपाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में राजेंद्र गणवीर उपवनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र सहायक उकवा, संतोष कुमार गौतम, कार्यवाहक वनपाल परिक्षेत्र सहायक किनारदा, बाजारीसिंह ठाकरे, प्रकाश भलावी, प्रशांत चौरसिया, सचिन पदमें, अरविंद कडुकर, कमलेश मसराम, नमन गुप्ता एवं सुनीता उइके वनरक्षक उपस्थित रहें। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों में सर्व धर्म सेवा समिति उकवा के अध्यक्ष जेम्स बारिक, नितिन कुमार, अशोक राउत, कु. संजना बरवे सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वन विभाग ने बताया कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण आगे भी आयोजित किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों, ग्राम वन समितियों, इको-डेवलपमेंट समितियों एवं स्व-सहायता समूहों को वन संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं आजीविका संवर्धन से जोड़ा जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में नाले में मिला 60 वर्षीय किसान का शव

उमरिया (स्वतंत्रमत)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मरदरहार में 60 वर्षीय मन्नू सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतक 18 तारीख से लापता थे और उनका शव घर से करीब चार किलोमीटर दूर बधवा नाले के पास मिला। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं, जबकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मामले की गंभीरता से जांच जारी है और पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ में जुटी है। उमरिया कोतवाली थाना अंतर्गत मरदरहार में 60 वर्षीय किसान मन्नू सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर कोतवाली पुलिस सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक मन्नू सिंह मरदरी गांव के निवासी थे और अपने खेत में मड़ई बनाकर खेती-किसानी का काम करते थे। बताया जा रहा है कि वे 18 तारीख से लापता थे, जिसके बाद परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। और उनका शव 20 मार्च को उनका शव उनके घर से लगभग चार किलोमीटर दूर बधवा नाले के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। शव काफी हद तक गल चुका था, जिससे प्रारंभिक तौर पर मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजन इस मामले में हत्या की आशंका जता रहे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा मृतक के मोबाइल और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रैली का किया गया आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रविन्द्र शुक्ला ने बताया कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली व्दारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत रैली का आयोजन शनिवार 21 मार्च को प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय से किया गया एवं दीवार लेखन एवं जन जागरूकता अभियान चलाया गया। रैली के माध्यम से लोगो को जल को संरक्षित करने की जानकारी प्रदाय की गई तथा अपील करते हुए कहा गया कि प्रदेश शासन व्दारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता दर्ज कराते हुए जल को संग्रहित करें। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी,बीएसडब्लू,एमएसडब्ल्यू तथा परामर्शदाता उपस्थित रहे।

कलेगांव में कच्चे मकान में लगी भीषण आग, जलकर खाक

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बैहर थाना क्षेत्र के ग्राम कलेगांव (पंचायत कुमादेही) में शनिवार देर रात एक कच्चे मकान में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। रात करीब 2 बजे लगी आग ने देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय ओमू भगत और खेलन बाई भगत का परिवार गहरी नींद में सो रहा था। आग की लपटें उठते ही पड़ोसी ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए दीवार तोड़कर परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस साहसिक प्रयास से बड़ी जनहानि टल गई, हालांकि आगजनी में नगद रुपए, जरूरी दस्तावेज, अनाज, कपड़े, बिस्तर, पलंग और अन्य घरेलू सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, परंतु आग इतनी विकराल थी कि काबू पाना मुश्किल हो गया। बताया गया कि फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई थी, लेकिन वाहन चालक उपलब्ध न होने के कारण दमकल मौके पर नहीं पहुंच सकी। इससे नुकसान और बढ़ गया। रविवार को पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और जांच शुरू की। पीड़ित परिवार ने शासन से मुआवजे की मांग की है।

आज मनाई जाएगी चैत्र नवरात्रि की पंचमी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। चैत्र नवरात्रि की पंचमी आज मनाई जाएगी। आज के दिन मां स्कंदमाता की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाएगी। जिला मुख्यालय उमरिया के शारदा देवी मंदिर, ज्वालामुखी मंदिर, वैश्णों देवी मंदिर, अन्नपूर्णा देवी सहित अन्य देवी मंदिरों में स्कंद माता की पूजा अर्चना की जाएगी। नवरात्र के समय मंदिरों में भक्तों का तांता सुबह शाम बना रहता है। साथ ही मंदिर परिसर में नगरवासियों व्दारा अपने घरो में विधि विधान के साथ जवारा बोये गये है, तथा रात्रि के समय भजन कीर्तन का आयोजन किया जा रहा हैं। इन जवारों का विसर्जन विधि विधान के साथ 27 मार्च को किया जाएगा।

भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन ने भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का किया आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार तथा कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में राहत शाखा ओईसी संयुक्त कलेक्टर रीता डहेरिया एवं जिला सेनानी होमगार्ड उमरिया के नेतृत्व में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड, उमरिया के द्वारा दो दिवसीय मध्य प्रदेश में भूकंप पर आपदा से निपटने हेतु क्षमता वर्धन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 19.03.2026 से 20.03.2026 तक किया गया।कार्यक्रम के प्रथम दिवस में प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू के आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005, भूकंप आने का कारण बचाव, उपाय के बारे में बताया गया। जिसमें कॉलेप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। द्वितीय लेक्चर जिला जेल अधीक्षक देवेंद्र सारस ने बेसिक लाइफ सपोर्ट सीपीआर तथा भूकंप आपदा के दौरान विक्टिम को प्रदाय किए जाने वाले प्राथमिक उपचार के बारे में बताया। संजय गांधी ताप विद्युत गृह के फायर ऑफिसर अशोक गुप्ता के द्वारा भूकंप के दौरान लगने वाली आग के बारे में बताया गया तथा डेमो करके दिखाया गया।

बांधवगढ़ में कुएं में डूबने से तेंदुए की मौत,जांच में जुटा पार्क प्रबंधन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार 21 मार्च को एक वयस्क तेंदुए के मारे जाने की खबर है,टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर परिक्षेत्र की सीमा से लगे राजस्व ग्राम महरोई के समीप एक कुएं में तेंदुए का शव देखा गया जिसके बाद पार्क प्रबंधन को सूचना दी गई,जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना के कारणों की जांच शुरू की गई। प्रारंभिक पीएम रिपोर्ट में तेंदुए की मौत का कारण कुएं में डूबना पाया गया,शव परीक्षण के बाद निर्धारित एसओपी अनुसार क्षेत्र संचालक, प्रतिनिधि,तहसीलदार मानपुर, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी,खंड पशु चिकित्सा अधिकारी,सरपंच पनपथा एवं अन्य वन अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति में मृत तेंदुए के शव का शवदाह कराया गया है।

ठेकेदारों की मनमानी, जनता के लिये बनी परेशानी..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

जनता के हितार्थ और क्षेत्रीय विकास के लिये सरकार द्वारा भारी भरकम बजट खर्च किये जा रहे हैं, वहीं क्षेत्रीय विकास के लिये मानपुर विधायक भी हमेशा सक्रिय रहती है, जिनकी मेहनत से मानपुर नगर में विकास कार्य तेजी से दौड़ता नजर आ रहा है। वही ठेकेदारों की मनमानी विकास में गतिरोध बाधा उत्पन्न करती हैं!

मानपुर के वार्ड नम्बर 05 कई पक्की नाली विगत दर्जनो माह से निर्माणा धीन हैं जो निर्माण कार्य कब पूरा होंगे..? स्वयं नगर के जवाबदार बताने को पीछे होते दिख रहेहैं, पिछले वर्ष से बन रहे ब्योहारी रोड वाला गहरी नाली अधर में लटका हुआ है जिससे कई स्कूल के बच्चों को स्कूल तक और क्षेत्रीय जन्ता को शास्कीय कार्यालयों तक जाने में बड़े परेसानियों से गुजरना पड़ता है, मानपुर नगर में कई पक्की नाली खुली पड़ी हैं तो कई नाकाम होते दिख रहीहैं, कई नाली गुणवत्ता विहीन बन रहे हैं। मानपुर कॉलेज सड़क वर्ष के अंदर ही उखड़ चुकी है, यहां बने वार्ड नम्बर तीन के पक्की सड़क में दो साल बाद भी

पटरी नहीं भरवाया गयाहै, कई सड़कों की पटरी कटके बह गई है जिनमें पुनह पटरी नहीं भरवाया गयाहै, जहां से निकलने में बड़ी मकस्सत करनी पड़ती है, जिससे नगर वासियों को बड़े परेसानियों का सामना करना पड़ता है, वहीं सूत्रों की माने तो मानपुर नगर में निर्माण कार्य करवाने वाले ठेकेदारों का मनमानी चरम पर है, इनके द्वारा निर्माण कार्य स्थल में कोई बोर्ड तक नहीं लगवा जाता है, कार्य स्थल पर ठेकेदार द्वारा कोई इंजीनियर नहीं रखे जाते हैं, यहां ठेकेदार के मजदूर और प्रतिनिधि के इसारे पर निमाण कार्य पूरे करवा दिये जाते हैं ऐसे निर्माण कार्य कितने गुणवत्ता से होते होंगे..? इन भृष्ट निर्माण कार्यों की उम्र दो चार साल भी पार करना मुश्किल लगता हैं..!

कार्यालय नगर परिषद मानपुर जिला-उमरिया (म.प्र.)

क्रमांक/3610/न.परि./लो.नि./2026 — मानपुर, दिनांक 17/3/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि	निविदा आमंत्रण
1	2026_UAD_491679_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN WARD NO. 5 BIHARI GUPTA TO PULIYA	(1) 3 माह (2) 1015810/-	(1) 2000/- (2) 7620/-	1/4/2026	द्वितीय निविदा
2	2026_UAD_491791_1	CONSTRUCTION OF OFFICE GARAGGE	(1) 6 माह (2) 3618729/-	(1) 5000/- (2) 3618729/-	17/4/2026	प्रथम निविदा
3	2026_UAD_491773_1	CONSTRUCTION OF STADIUM SHED	(1) 6 माह (2) 3413634/-	(1) 5000/- (2) 25603/-	17/4/2026	प्रथम निविदा

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
मानपुर, जिला-उमरिया (म.प्र.)

पेंशनर का प्रांतीय सम्मेलन सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस मां शारदा की पवित्र नगरी मैहर में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार दुबे, अखिल भारतीय पेंशनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शालिक मोलीकर, जिला पंचायत मैहर के अध्यक्ष रामखेलावन कोल, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति सोनी, प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी गणों, जिलाध्यक्षों व प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया धारा 49 को हटाने, पेंशनर्स को कैशलैस इलाज, रिटायरमेंट के बाद 65 वर्ष से हर पांच साल में पेंशन में बढ़ोतरी, पिछले 6 वें,व, 7वें वेतनमान का एरियर दिया जाना, व अन्य मांगों को पूर्ण कराने हेतु भैंट करने व आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया। इस सम्मेलन में सर्व बीके राय,एन के शुक्ला,एस के पटेल, सुरेश कुमार चौधरी, अशोक नाविक, लखन बरमैया, मिलन सिंह परस्ते, केएस परस्ते व उनके साथ आए 9 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हादसे में चार युवकों की मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र में शनिवार रात सड़क हादसे में चार बाइक सवार युवकों की मौत हो गई हादसा भैंसवाही और टिकरा टोला के बीच एक जर्जर पुलिया से गिरने के कारण हुआ स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह पुलिया पिछली बरसात में टूट गई थी लेकिन इसका निर्माण या मरम्मत अब तक नहीं कराया गया है। हादसे के समय पुलिया के दोनों ओर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था अंधेरे में तेज रफ्तार बाइक सवार युवक पुलिया से नीचे गिर गए वे नीचे रखे सीमेंट पाइप से टकरा गए जिससे चारों की मौके पर ही मौत हो गई मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार नरेती 24 वर्ष, संतलाल उइके 23 वर्ष, शिवम यादव 17 वर्ष और गंगाराम उइके 22 वर्ष के रूप में हुई है। रविवार को बीजाडांडी स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

वित्तीय साक्षरता पर कर रहे प्रचार

मण्डला(स्वतंत्र मत)। समर्पित संस्था द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के बीजाडांडी के अंतर्गत ब्लॉकों की ग्राम पंचायतों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रचार गाड़ी के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेष रूप से ग्रामीण एवं निम्न आय वर्ग के लोगों को बैंकिंग सेवाओं, बचत, डिजिटल भुगतान, बीमा, पेंशन योजनाओं तथा सुरक्षित वित्तीय लेनदेन के प्रति जागरूक करना था। प्रचार गाड़ी ने विभिन्न गांवों एवं क्षेत्रों का भ्रमण किया जहां ऑडियो संदेशों, पोस्टर, पंपलेट तथा प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से लोगों को वित्तीय जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान नागरिकों को बैंक खाता खोलने, एटीएम एवं यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने, वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

महिलाओं को किया जागरूक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में मिशन शक्ति योजना अंतर्गत हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियां निरंतर संचालित की जा रही हैं। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन, पिंडरई (नैनपुर) में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता, जन धन योजना, अटल पेंशन योजना एवं पॉश एक्ट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीएसईबी कम्प्रेस्ड स्टेबलाइज्ड अर्थ ब्लॉक तकनीक आधारित आवास निर्माण के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 1 एवं 2 के कार्यपालन यंत्री, सभी जनपद पंचायतों से सहायक यंत्री, उपयंत्री, पीएमएवाई-जी एवं एनआरएलएम के ब्लॉक समन्वयक, सचिव, राजमिस्त्री तथा हितग्राही सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

डोलामाइट का अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोड वाहनों से हादसे का अंदेशा, कार्यवाही के नाम पर केवल दिखावा

मण्डला(स्वतंत्र मत)

डोलोमाईड के ओवर लोड हाईवा डम्फर ने स्थानीय सड़को तहस नहस करते हुए बम्हनी से लेकर चिरईडोंगरी रेलवें ट्रेक तक का यातायात बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दिनरात से दौड़ने वाले इन वाहनों पर न तो चालानी कार्यवाही होती है और न ही इनके मापदंडों की जांच होती है। क्षमता से अधिक डोलामाईड भरे वाहन अकसर किसी न किसी कि जान लेते हैं या फिर दुर्घटना ग्रस्त करते हैं जानकारी के अनुसार बम्हनी बंजर थाना प्रभारी और परिवहन विभाग के संरक्षण में चल रहे सैकड़ो डंपर प्रतिदिन क्षमता से छह गुना यानि 8 टन वजन का भार सहने वाली रोड पर 70 से 80 टन का डोलोमाइट से भरे ओवरलोड हाईवा डंफर जब बम्हनी नगर के थाना के सामने से होते हुए बस स्टैंड से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और कन्या शाला स्कूल तक सड़क में चलने वाले स्कूल की छात्र एवं छात्राएं नागरिकों पर मौत का तांडव करते निकलते है तब राहगीर डोलोमाइट के डंफर को देख के मृत्यु वाहन समझ भयभीत होकर रोड से पांच फिट से दूर हो जाता है थाना बम्हनी के सामने से प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में डोलोमाइट के ओवरलोड हाइवा डंफर अपराधिक परिवहन किया जा रहा इन पर शक्ति से कार्यवाही हो डोलोमाईट खदानों से बड़ी मात्रा में खनिज संपदा का दोहन किया जा रहा है। जबकि इसके पहले डोलोमाईट खदानों से नियम विरुद्ध अवैध उत्खनन किया जा रहा था तो संबंधित विभाग में इसकी शिकायत की गई लेकिन शिकायत पर न तो जांच हुई और न ही कोई कार्यवाही की गई। डोलोमाईट खदान की संचालक डंफरों में ओवरलोड डोलोमाईट का परिवहन कर रहे हैं। इसके पहले पूर्व में बम्हनी बंजर थाना प्रभारी वर्षा पटेल व परिवहन विभाग के द्वारा कार्यवाही की गई थी लेकिन इसके बाद कार्यवाही का सिलसिला थमा तो वहीं स्थिति फिर से निर्मित हो गई है। डोलोमाइट के कारोबार में लिप्त माफियाओं के द्वारा बड़ी मात्रा में डोलोमाइट का परिवहन बम्हनी बंजर नगर के पास स्थित गांव क्षेत्र से किया जा रहा है। डोलोमाइट की संचालित खदान ककैया, भाटिया टोला, मुगदरा, भड़िया, भंवरताल की खदानों से बड़ी मात्रा में डोलोमाइट निकाला जा रहा है वहीं नियमों को ताक में रख खनिज संपदा का दोहन किया जा रहा है जिसे रोकने के लिए बनाए विभाग का इस ओर ध्यान नही है डोलोमाइट के परिवहन की किसी भी प्रकार की जांच नहीं होने से बड़ी संख्या में बम्हनी बंजर नगर से वाहन ओवरलोड़ निकल रहे है। पूर्व में बम्हनी बंजर नगर के बस स्टैंड में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने डोलोमाइट से भरा ओवरलोड डंपर वाहन से बड़ी दुर्घटना होते होते बची थी उस घटना में शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय स्कूल की लगभग 10 छात्राएं बड़ी दुर्घटना होने से बची थी और 2 छात्राओं को चोट भी आई थी लगभग 11 साइकिल हाईवा वाहन के नीचे आ कर क्षतिग्रस्त हो गई थी। पूर्व की घटना के बाद भी ओवरलोड डंपर हाइवा के संचालन में रोक नहीं लग पा रही है ओवरलोड वाहन यातायात नियमों की खुलेआम धजिया उड़ा रहे हैं। बम्हनी नगर वासियों ने बताया कि वाहनों में डंफर हाइवा में 12 टन और 16 टन की क्षमता है उससे अधिक लगभग 55 टन से 60 और 70 टन कि क्षमता का माल लोडकर बम्हनी बंजर क्षेत्र से डोलोमाइट का परिवहन किया जा रहा है। मनमाने ढंग से डोलोमाइट का परिवहन किया जा रहा है। वहीं अवैध ब्लास्टिंग किए जाने की जानकारी सामने आई है मंडला के एक ब्लास्टिंगकर्ता का यहां पर बड़ा नेटवर्क बताया जाता है। जिसके पास लायसेंस के अनुसार अधिक माल होने की जानकारी भी सामने आ रही है वहीं दूसरी तरफ खनिज विभाग द्वारा सटीक कार्यवाही भी नही की जा रही है। स्थानीय रहवासी परेशान बताए जाते हैं लेकिन कार्यवाही के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति हो रही हैं।

जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

मण्डला(स्वतंत्र मत)

रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की खबर सामने आई यह धमकी कोर्ट की आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए मेल के जरिए दी गई थी जिसके बाद प्रशासन तुरंत अलर्ट मोड में आ गया जानकारी मिलते ही मध्य प्रदेश पुलिस की टीम डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे कोर्ट परिसर को घेरकर गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। हर कोने और संवेदनशील जगह की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके थाना प्रभारी शफीक खान के अनुसार धमकी भरा ईमेल दक्षिण भारतीय भाषा में लिखा गया है जिससे शुरुआती जांच में यह मामला और जटिल हो गया है। पुलिस अब भाषा विशेषज्ञों की मदद से ईमेल के कंटेंट को समझने और उसके स्रोत तक पहुंचने की कोशिश कर रही है वहीं एसडीओपी पीयूष मिश्रा ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और साइबर टीम तकनीकी विश्लेषण कर रही है। ईमेल के आईपी एड्रेस, सर्वर लोकेशन और अन्य डिजिटल सुरागों के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह धमकी कहां से और किसने भेजी एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है प्रवेश और निकास बिंदुओं पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और हर आने-जाने वाले व्यक्ति की जांच की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें फिलहाल जांच जारी है और अभी तक कोई विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

मां शीतला दरबार बना आस्था का केन्द्र

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्र मत)

चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर नगर स्थित शीतला माता मंदिर इन दिनों आस्था का केंद्र बना है। यहां सुबह और शाम को माता की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आरती के समय मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लग रही हैं और पूरा नगर भक्ति के माहौल में डूबा नजर आ रहा है। नवरात्र के पहले दिन विधि-विधान के साथ 59 खप्पर और 14 कलश की स्थापना की गई है। इसके साथ ही नौ दिनों तक शीतला माता का श्रृंगार करके माता को अनेक रूपों में देखा जाता है साथ ही नौ दिन तक चलने वाले धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हो गई। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और यहां प्रतिदिन मंडला से आये कलाकारों के द्वारा पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार रोगों को हरने वाली माता का दरबार शीतला माता मंदिर क्षेत्र में आस्था का प्राचीन केंद्र माना जाता है। वर्षों से यहां दूर-दराज के गांवों और अन्य जिलों से भी श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यता है कि माता शीतला रोगों को हरने वाली देवी हैं। चेचक, खुजली जैसे त्वचा रोगों से राहत की कामना लेकर लोग यहां जल अर्पित करते हैं और माता से प्रार्थना करते हैं। क्षेत्र में यह परंपरा भी है कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले लोग शीतला माता के दरबार में पहुंचकर माथा टेकते हैं और आशीर्वाद लेकर ही अपने कार्य की शुरुआत करते हैं। यही कारण है कि नवरात्र के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। नवरात्र के दिनों में मंदिर में सुबह और शाम विशेष आरती की जा रही है। ढोल मंजीरा और हारमोनियम की मधुर धुनों के बीच जब आरती होती है तो पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठता है। स्थानीय लोगों के साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आरती में शामिल होकर माता का आशीर्वाद ले रहे हैं।

गांवों की तस्वीर बदलेगी जी राम जी योजना : कुलस्ते

मण्डला/मवई(स्वतंत्र मत)। जिले के मवई में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का आयोजन सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की मौजूदगी में किया गया। उन्होंने वीबी जी राम जी योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक पंडित धुर्वे तथा जनपद अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मरकाम, जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना, जिला योजना अधिकारी ओपी सिरसे सहित अन्य अधिकारी मंचासीन रहे। सांसद श्री कुलस्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि सम्पूर्णता अभियान 2.0 का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं आजीविका जैसे क्षेत्रों में समन्वित प्रयासों से ही आकांक्षी ब्लॉकों का वास्तविक विकास संभव है। सांसद श्री कुलस्ते ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करें तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि देश के सभी गांवों गरीबों और किसानों के चहुमुखी विकास एवं जरूरतमंदों को ग्राम स्तर पर रोजगार दिलाने के लिए ही केन्द्र सरकार द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन ग्रामीण अर्थात वीबी जी-राम-जी अधिनियम 2025 लागू किया गया है। हर हाथ को काम मुहैया कराने के लिए इस अधिनियम में एक ग्रामीण परिवार को अब 125 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है। मनरेगा अधिनियम में रोजगार की यह गारंटी मात्र 100 दिन की थी। वीबी जी-राम-जी योजना देश के सभी गांवों की तस्वीर बदल देगी है। सांसद श्री कुलस्ते ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच समन्वय से ही विकास कार्यों को गति मिलती है।

सड़क सुधार की बजाय डिवाइडर के पेड़ उखाड़ रहे कर्मचारी

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-30 पर नगर क्षेत्र के भीतर स्थित मध्य पुल के ऊपर और आसपास सड़क की हालत बदतर होती जा रही है बारिश से पहले बने बड़े-बड़े गड्ढे अब तक जस के तस हैं जिससे वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि यहां से गुजरना खतरे से खाली नहीं रह गया है स्थानीय लोगों के अनुसार बरसात के समय ही संबंधित अधिकारियों को सड़क की जर्जर स्थिति और गड्ढों के बारे में अवगत कराया गया था लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी मरम्मत का कोई ठोस काम नहीं हुआ गड्ढों से बचने के लिए वाहन चालक अचानक साइड लेते हैं या गाड़ी मोड़ते हैं जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। बायपास के अभाव में पूरा यातायात नगर के भीतर से गुजरता है जिससे समस्या और भी विकराल हो गई है आए दिन छोटे-बड़े हादसों की खबरें सामने आ रही हैं लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क की मरम्मत और गड्ढों की भराई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि आवागमन सुरक्षित हो सके। एक ओर जहां सड़क की हालत बदहाल है वहीं दूसरी ओर एनएच-30 के डिवाइडर में लगे पेड़ों को जड़ से उखाड़ने का काम किया जा रहा है। इसे लेकर स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि जिन पेड़ों को वर्षों पहले सुरक्षा और पर्यावरण के उद्देश्य से लगाया गया था उन्हें बिना ठोस कारण के समाप्त किया जा रहा है विशेषज्ञों के अनुसार डिवाइडर पर लगे पेड़ कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण होते हैं।

भारत कृषक समाज की बैठक आहूत किसानों ने गिनाई अपनी समस्याएं

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

भारत कृषक समाज के द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर एक वृहत बैठक कृषि उपज मंडी परिसर में आहूत की गई। जिसमें क्षेत्रीय किसान उपस्थित हुए। किसानों ने अपने खेतों से गेहूं कटाई की प्रमुख समस्या पर विस्तृत चर्चा के8 गई। किसानों ने अपनी अन्य समस्यागत विषयो पर चर्चा कर नैनपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन देने का प्रस्ताव पारित किया। किसानों ने बताया कि शासन के आदेशानुसार गेहूं कटाई के लिये हारवेस्टर द्वारा कटाई की समस्या का समाधान, गेहूं कटाई के पश्चात यदि किसी किसान के खेतों में आग लग जाती तो शासन व्दारा किसानों के ऊपर कोई कार्यवाही न की जाये, एस-एम एस युक्त हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई होने पर पशुओं के लिये भूषा का अभाव रहेगा, गेहूं कटाई समयावधि में हार्वेस्टर और टैक्टर को पर्याप्त डीजल उपलब्ध हो। ऐसे दिशा निर्देश पेट्रोल पम्प मालिकों के देना सुनिश्चित किया जावे। साथ ही हार्वेस्टर को स्थल पर डीजल उपलब्ध कराना पड़?ता है इसलिए पम्प से आवश्यकता पर किसानों को केन में पेट्रोल डीजल दिया जाये । किसानों की इन समस्याओं को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही इस बैठक मे यह निर्णय लिया गया कि आगामी दिन मंगलवार 31 मार्च को को बारह बजे तहसील कार्यालय जाकर एस डी एम आशुतोष महादेव ठाकुर को सामूहिक रूप से मुख्य मंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में किसानों को उपस्थित होने का भारत कृषक समाज द्वारा आह्वान किया गया है । इस बैठक में अंचल क्षेत्र के दर्जनों ग्रामो के किसानों ने अपनी सहभागिता रखी।

नैनपुर ब्लाक के शिक्षकों की आक्रोश बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन की ब्लाक शाखा नैनपुर की बैठक नवीन स्कूल में आयोजित की गई। जिसमें ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के ब्लाक अध्यक्ष अमर सिंह चंदेला ने बताया कि सितंबर 2025 के सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच के एक फैसले के आधार पर मध्यप्रदेश सहित देश के 2500000 शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य हो गया है। कोर्ट के निर्णय के आधार पर परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान किया गया है। इससे मध्यप्रदेश के 150000 शिक्षकों को सेवानिवृत्त होने का डर सताने लगा है। हम सभी शिक्षक प्रदेश अध्यक्ष डी के सिंगौर के नेतृत्व में तन मन धन लगाकर हमारे शिक्षक साथियों को इस परीक्षा से निजात दिलाएंगे। जिला उपाध्यक्ष हरिओम सिरोठिया ने कहा कि मध्यप्रदेश के नवीन शिक्षण संवर्ग के शिक्षकों की ना जाने किस अशुभ तिथि में नियुक्ति हुई है कि उन्हें अल्प और अपमानजनक वेतन, व्यवहार से लेकर बुढ़ापे की पेंशन तक के लिए लगातार आन्दोलन करना पड़ रहा है। एक समस्या खत्म होती नहीं कि दूसरी तैयार हो जाती है। अभी हम पुरानी पेंशन की मांग को लेकर संघर्षरत हैं वो तो पूरी हुई नहीं, उसके पहले टीईटी परीक्षा के विरोध करते हुए नौकरी बचाने की लड़ाई लड़ना पड़ रहा है आईटी सेल प्रांतीय उपाध्यक्ष रश्मि मरावी ने बताया कि 20-30 वर्ष की सेवा कर चुके शिक्षकों की इस उम्र में पात्रता परीक्षा लेकर शिक्षकों को समाज में अपमानित करना उचित नहीं है। इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के उक्त निर्णय पर रिव्यू पिटीशन दाखिल करे या केंद्र सरकार संसद में अध्यादेश लाकर शिक्षकों को इस अपमानजनक परीक्षा से छुटकारा दिलाए। सह सचिव हीरालाल सेन ने बताया कि यदि सरकार रिव्यू पिटीशन दाखिल नहीं कराती तो हम हमारे विधायक सांसद का घेराव कर उनसे निवेदन करेंगे कि वे हम शिक्षकों के हितों का ध्यान रखते हुए सरकार पर दबाव बनाए एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता और अपाक्स जिलाध्यक्ष संजीव सोनी ने बताया कि एक ओर हम हमारे जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मध्यप्रदेश सरकार पर रिव्यू पिटीशन के लिए दबाव बनाएंगे, वहीं दूसरी ओर ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के न्यायालीन मामलों के प्रांताध्यक्ष डीके सिंगौर और महासचिव सुरेश यादव द्वारा सुप्रीम कोर्ट में ट्रायबल के शिक्षकों की ओर से मल्टीपल पिटीशन दाखिल करेंगे।

वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल समग्र शिक्षा अभियान के आदेशों के परिपालन में पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंगारपुर में वार्षिकोत्सव वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जय कुमार बैरागी के मार्गदर्शन व अध्यक्षता में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां भारती भारत माता और ज्ञान की देवी मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएमडीसी के सदस्यगण उपस्थित रहे। वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन पीटीआई अशोक वरकड़े के नेतृत्व में किया गया। वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक महेश प्रसाद सरोते, आसिफ खान, गणेश परते, अशोक धुर्वे, हेमंत वरकड़े , देवेंद मार्को , मनोज कुडापे , मुरली पटेल, लवकेश कुर्मेश्वर, चन्द्र सिंह मसराम, भाग सिंह उर्वे, आनंद यादव, प्रियंका तेकाम, श्रीमती नीतू श्रीवास, श्रीमती सुलेखा चक्रवर्ती, श्रीमती सरोज मिश्रा, सुश्री पूजा बर्मन , सुश्री श्रुति चौबे , श्रीमति वैशाली बोरकर, सुश्री सीता राहंगडाले , श्रीमति विद्या भारतीया , श्रीमति सुमन बैरागी, संतोष परते उमेश चीचाम एवं छात्र छात्राएं और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

दुराग्रही तबादले

अधिकारी किसी राजनीतिक दल के बंधक नहीं होते, वे कानून और संविधान के प्रति जवाबदेह होते हैं। कोई अपवाद हो सकता है कि 'काली भेड़' साबित हो। उसे दंडित किया जा सकता है। उसका तबादला किसी 'काले पानी' की तरफ किया जा सकता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में जिस तरह वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस के तबादले किए गए हैं, वे न तो न्यायसंगत हैं और न ही निरपेक्ष हैं। चुनाव आयोग ने दोपहर में चुनावों की तारीखें घोषित की और आधी रात में बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था के प्रमुख, कोलकाता के पुलिस आयुक्त आदि के एक साथ तबादले कर दिए गए। माना कि संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक शक्तियां देता है, लेकिन ये तबादले राजनीतिक मंशा और दुराग्रह से किए गए हैं। सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि ऐसे शीर्ष अधिकारियों के तबादले दो साल से पहले नहीं किए जा सकते। ये अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में वरिष्ठतम होते हैं और संघ लोक सेवा आयोग इनकी अनुशंसा करता है। कोई राजनीतिक बॉस इनका नियोक्ता नहीं है। सवाल यह भी है कि चुनाव आयोग को कैसे पता कि ये अधिकारी निष्पक्ष चुनाव और हिंसामुक्त माहौल में चुनाव नहीं करा सकते अथवा ये सभी अधिकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वफादार हैं? आयोग ने एक ही झटके में बंगाल की शीर्ष नौकरशाही को हिलाकर रख दिया। क्या रोजमर्रा का प्रशासन चुनाव आयोग चलाएगा? यदि बंगाल में प्रशासनिक बदलाव किया गया है, तो तमिलनाडु और केरलम में ऐसा क्यों नहीं किया गया? असम में दिखावे को पांच जिलों के एसएसपी बदले गए हैं। संदेह होता है कि चुनाव आयोग किसी की 'कठपुतली' बनकर काम कर रहा है। भारत के लिए यह विडंबना और दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि यहां का चुनाव आयोग वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण रहा है और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हमारे चुनावों के दौरान 'पर्यवेक्षक' की भूमिका में होते हैं। बेशक बंगाल में राजनीतिक हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। पहले वामपंथी गांव-गांव, कस्बा-दर-शहर हत्याएं कराते थे। अब 2011 से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक काडर हत्याएं कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक मंच से इन राजनीतिक हिंसाओं का उल्लेख कर चुके हैं। लोकसभा चुनाव में 7 ऐसी हत्याएं की गईं और 740 लोग घायल हुए। उनमें से जिंदा बचने वालों का कोई अधिकृत आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। घर तक जला दिए गए। हत्या के बाद शवों को पेड़ से लटकाया जाता रहा। केरलम में तो हिंसा का ऐसा बर्बर रूप है कि विरोधी पक्ष के सक्रिय कार्यकर्ताओं और नेताओं की टांगें तक तोड़कर उन्हें अपाहिज बना दिया जाता है। कोई भी नौकरशाह इस राजनीतिक हिंसा को रोक नहीं सकता। चुनाव आयोग मुगालते में होगा! तमिलनाडु में भी द्रविड़ बनाम हिंदू और गैर-द्रविड़ के दरमियान उग्रता, क्रूरता के कई उदाहरण सामने आते रहे हैं। उन राज्यों के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक सरीखे शीर्षतम नौकरशाहों को क्यों नहीं बदला गया? सिर्फ इतना ही नहीं, लोकसभा चुनाव 2024 से पहले गुजरात, उप्र, बिहार, हिमाचल, झारखंड, उत्तराखंड आदि राज्यों में सिर्फ गृह सचिव बदले गए थे। हिमाचल और झारखंड को छोड़कर शेष राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार थी और आज भी है। जब महाराष्ट्र, हरियाणा, उप्र, मप्र आदि में विधानसभा चुनाव थे और विपक्षी कांग्रेस ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को बदलने की मांग की थी, तो चुनाव आयोग ने खारिज क्यों कर दिया था? इन राज्यों में भी भाजपा-एनडीए सरकारें थीं और आज भी हैं। साफ लग रहा है कि चुनाव आयोग का व्यवहार पक्षपातपूर्ण रहा है।

ड्रैगन ने चल दी है नई चाल, अब पानी से करेगा वार, भारत आखिर कैसे देगा जवाब?

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है। इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में जब इस परियोजना का ऐलान किया तो दुनिया को साफ संदेश मिला कि चीन अब न तो पर्यावरण की चिंता करेगा और न ही पड़ोसी देशों की। करीब 167 अरब डॉलर की लागत से बन रही यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजना बताई जा रही है जिसकी क्षमता 67 से 80 गीगावाट तक आंकी जा रही है। तुलना करें तो यह थ्री गॉर्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना बड़ी हो सकती है। यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है। चीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है।

विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है। लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है। यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है।

पर्यावरण के साथ खतरनाक खिलवाड़

जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है। ऐसे में इतनी बड़ी संरचना बनाना सीधे आपदा को निमंत्रण देना है। यदि किसी भी कारण से बांध को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर हजारों किलोमीटर दूर तक जा सकता है। ब्रह्मपुत्र की तेज धारा और विशाल जल प्रवाह इसे और भी खतरनाक बना देते हैं। इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। अनुमान है कि ब्रह्मपुत्र हर साल लगभग सात सौ मिलियन टन गाद लेकर आती है जो असम और बांग्लादेश की जमीन को उपजाऊ बनाती है। यदि यह प्रवाह बाधित हुआ तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा।

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चिंता पारदर्शिता को लेकर है। न तो पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही स्थानीय लोगों से कोई राय ली गई है। तिब्बती समुदाय और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे चीन का दोहरा रवैया बताया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि चीन जब अपने हित में होता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात करता है और जब नहीं होता तो उन्हें कुचल देता है।

चीन की इस चाल के जवाब में भारत ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है। भारत पूर्वोत्तर में 208 बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है जिसकी कुल क्षमता 75 गीगावाट से ज्यादा होगी। इसमें सबसे बड़ा प्रोजेक्ट अपर सियांग है जिसकी ऊंचाई लगभग तीन सौ मीटर और क्षमता ग्यारह गीगावाट होगी। इसका मकसद केवल बिजली बनाना नहीं बल्कि चीन के जल नियंत्रण के खतरे को संतुलित करना है। भारत की योजना है कि वर्ष 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से छिहत्तर गीगावाट से अधिक बिजली पैदा की जाए। यानी यह साफ है कि यह अब ऊर्जा की दौड़ नहीं बल्कि रणनीतिक टकराव बन चुका है।

अब यह संघर्ष केवल नदी तक सीमित नहीं रहा। जलविद्युत परियोजनाएं अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। चीन अपने बांधों को स्मार्ट ऊर्जा तंत्र से जोड़ रहा है जबकि भारत भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और डेटा विश्लेषण पर काम कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि जो देश पानी को नियंत्रित करेगा वही ऊर्जा और डेटा दोनों पर नियंत्रण हासिल करेगा। यानी भविष्य की ताकत अब पानी और तकनीक के गठजोड़ में छिपी है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि ब्रह्मपुत्र को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक जल समझौता नहीं है। यानी कोई बाध्यता नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। अतीत में चीन ने साल 2000 में आई बाढ़ के दौरान जरूरी आंकड़े साझा नहीं किए थे जिससे भारी नुकसान हुआ था। इससे भरोसे की कमी और गहरी हो गई है।

आज हिमालय केवल सीमाओं का नहीं बल्कि पानी और ऊर्जा का युद्ध क्षेत्र बन चुका है। चीन अपनी तकनीकी और आर्थिक ताकत के बल पर बढ़त लेने की कोशिश कर रहा है, जबकि भारत जवाबी संतुलन बनाने में जुटा है। बांग्लादेश के लिए यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि वह पूरी तरह इस नदी पर निर्भर है। यदि सूखे के समय पानी घटा तो वहां खाद्य संकट गहरा सकता है। बहरहाल, चीन का यह मेगा बांध विकास का प्रतीक कम और वर्चस्व की रणनीति ज्यादा लगता है। यह परियोजना आने वाले समय में एशिया की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। अब यह केवल पर्यावरण या ऊर्जा का मुद्दा नहीं रहा। यह सत्ता, संसाधन और भविष्य की दिशा तय करने वाली जंग बन चुका है। ब्रह्मपुत्र की हर बूंद अब सिर्फ पानी नहीं रही, बल्कि वह आने वाले समय की शक्ति और संघर्ष की कहानी लिख रही है।

हर खोज एक पड़ाव है: विज्ञान, संदेह और जिज्ञासा से ही मिलता है सच्चा ज्ञान और इंसान

रिचर्ड पी फाइनमेन

वैज्ञानिक को अज्ञान, संदेह और अनिश्चितता का बहुत अनुभव होता है, और मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है। जब हम यह स्वीकार करते हैं कि हम सब कुछ नहीं जानते, तभी हमारे भीतर सीखने की एक सच्ची इच्छा जन्म लेती है। यही भावना हमें नए प्रश्न पूछने, पुराने विश्वासों को चुनौती देने और सत्य के और निकट पहुंचने के लिए प्रेरित करती है।

विज्ञान केवल तथ्यों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत प्रक्रिया है, जिसमें हर उत्तर के साथ नए प्रश्न पैदा होते हैं। एक सच्चा वैज्ञानिक कभी भी अपनी खोजों को अंतिम सत्य नहीं मानता, बल्कि उन्हें एक पड़ाव के रूप में देखता है। यही दृष्टिकोण हमें विनम्र बनाता है और हमें यह सिखाता है कि ज्ञान का मार्ग अनंत है। जब हम अपनी सीमाओं को पहचानते हैं, तभी हम उन्हें पार करने का प्रयास करते हैं। जीवन में भी यह सिद्धांत उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना विज्ञान में। यदि हम पूर्ण निश्चितता की तलाश में रहेंगे, तो हम नए अनुभवों से दूर हो जाएंगे। अनिश्चितता को स्वीकार करना ही साहस का सबसे बड़ा रूप है। यह हमें जोखिम लेने, असफल होने और पुनः प्रयास करने की शक्ति देता है। संदेह का अर्थ कमजोरी नहीं है, बल्कि गहरी समझ का संकेत है। जब हम किसी बात पर प्रश्न उठाते हैं, तो हम उसके मूल को समझने की कोशिश करते हैं। यही प्रक्रिया हमें अंधविश्वास से दूर रखती है और तर्कसंगत सोच की ओर ले जाती है।

विचारों की स्वतंत्रता और प्रश्न करने का अधिकार हमें सहज रूप से नहीं मिला है। इसके लिए कई पीढ़ियों ने संघर्ष किया है। इसलिए, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस स्वतंत्रता का सम्मान करें और इसे बनाए रखें। यदि हम डर या असुविधा के कारण प्रश्न पूछना बंद कर देंगे, तो हम अपनी ही प्रगति को रोक देंगे। यह समझना आवश्यक है कि जीवन का सौंदर्य इसी अनिश्चितता में छिपा है। सब कुछ जान लेने की इच्छा हमें सीमित कर सकती है, जबकि अज्ञात को स्वीकार करना हमें असीम संभावनाओं की ओर ले जाता है। इसलिए, हमें अपने भीतर उस जिज्ञासा को जीवित रखना चाहिए। यही दृष्टिकोण हमें न केवल बेहतर वैज्ञानिक, बल्कि एक बेहतर इन्सान भी बनाता है।

शहीदों की विरासत और हमारा भविष्य

डॉ रामेश्वर मिश्र

शहीद दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की उस अमर परंपरा का प्रतीक है, जिसमें असंख्य वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। शहीदों की विरासत और हमारा भविष्य विषय पर विचार करते समय यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस दिवस के ऐतिहासिक संदर्भ को भी समझें, क्योंकि इतिहास ही वर्तमान को दिशा देता है और भविष्य का निर्माण करता है।

हम शहीद दिवस 23 मार्च को मनाते हैं, जो उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी थी। यह घटना लाहौर षड्यंत्र केस के अंतर्गत हुई, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया और स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा प्रदान की। इन युवाओं ने अपने बलिदान से यह सिद्ध कर दिया कि देश की स्वतंत्रता के लिए किसी भी प्रकार का त्याग छोटा नहीं होता। इतिहास के पन्नों में झांकें तो पाएंगे कि शहीद दिवस केवल एक घटना तक सीमित नहीं है। 30 जनवरी को भी भारत में शहीद दिवस मनाया जाता है, जो महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में जाना जाता है। इस दिन हमें अहिंसा, सत्य और त्याग के उन मूल्यों की याद आती है, जिनके माध्यम से गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी। इस प्रकार शहीद दिवस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के विविध आयामों क्रांति और अहिंसा दोनों का प्रतीक बन जाता है।

इतिहास के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत का स्वतंत्रता संग्राम अनेक चरणों और धाराओं से होकर गुजरा। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, जिसे अक्सर भारत का पहला स्वाधीनता प्रयास माना जाता है, ने देशवासियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्वलित की। इसके बाद विभिन्न आंदोलनों, जैसे असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन ने जन-जन को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया। इन आंदोलनों के साथ-साथ क्रांतिकारी गतिविधियों ने भी स्वतंत्रता संग्राम को गति दी, जिसमें अनेक वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझे बिना शहीद दिवस के महत्व को पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। शहीदों की विरासत का मूल तत्व उनका अदम्य साहस और अटूट देशभक्ति है। भगत सिंह और उनके साथियों ने केवल ब्रिटिश शासन का विरोध ही नहीं किया, बल्कि एक ऐसे समाज का सपना देखा, जिसमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता का वास हो। उनका दृष्टिकोण व्यापक था और वे केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं थे, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के भी समर्थक थे। यही कारण है कि उनकी विचारधारा आज भी प्रासंगिक है। आज के परिप्रेक्ष्य में जब हम अपने भविष्य की कल्पना करते हैं, तो यह आवश्यक है कि हम शहीदों की इस विरासत को समझें और अपनाएं। वर्तमान समय में चुनौतियां भले ही भिन्न हों, लेकिन उनके समाधान के लिए जिन मूल्यों की आवश्यकता है, वे वही हैं जो हमारे शहीदों ने अपने जीवन से हमें सिखाए। ईमानदारी, निष्ठा, साहस और त्याग ये ऐसे गुण हैं जो किसी भी राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं।

युवा पीढ़ी के लिए शहीदों की विरासत विशेष रूप से प्रेरणादायक है। आज का युवा तकनीकी रूप से सशक्त है और उसके पास असीम संभावनाएं हैं, लेकिन यदि वह अपने मूल्यों से भटक जाता है, तो यह उसकी और राष्ट्र की प्रगति में बाधा बन सकता है। शहीदों का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान में निहित है। यदि युवा इस संदेश को समझते हैं, तो वे न केवल अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं, बल्कि देश के भविष्य को भी उज्ज्वल कर सकते हैं।

शहीदों की विरासत में आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भावना भी निहित है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान अत्यंत आवश्यक हैं। आज के वैश्वीकरण के युग में, जब हम विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को बनाए रखें। शहीदों की विरासत हमें यह सिखाती है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही सच्ची प्रगति है।

इसके साथ ही, शहीदों की विरासत हमें सामाजिक न्याय और समानता के महत्व को भी समझाती है। उन्होंने एक ऐसे समाज का सपना देखा था, जिसमें किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को समान अवसर मिले। आज भी हमारे समाज में अनेक प्रकार की असमानताएं विद्यमान हैं, जिन्हें दूर करने के लिए हमें शहीदों के आदर्शों को अपनाना होगा। यदि हम एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज का निर्माण कर पाते हैं, तो यह शहीदों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी शहीदों की विरासत का विशेष महत्व है। यदि हमारी शिक्षा प्रणाली केवल जानकारी देने तक सीमित रह जाती है और उसमें नैतिक मूल्यों का अभाव होता है, तो वह अधूरी है। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है, जो विद्यार्थियों में देशभक्ति, जिम्मेदारी और नैतिकता की भावना विकसित करे। शहीदों के जीवन और विचारों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाकर हम एक सशक्त और जागरूक नागरिक तैयार कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, मीडिया और साहित्य की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। समाचार-पत्र, पत्रिकाएं और अन्य माध्यमों के जरिए शहीदों की कहानियों और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। इससे समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा और लोग राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को अधिक गंभीरता से समझेंगे।

इस प्रकार शहीदों की विरासत हमारे लिए एक मार्गदर्शक है, जो हमें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यदि हम उनके आदर्शों को अपनाकर अपने जीवन में उतारते हैं, तो निश्चित ही हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं, जो न केवल आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त हो, बल्कि नैतिक और सामाजिक रूप से भी समृद्ध हो। यही शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनेगी।

स्वर्ग के लिए

संतोष उत्सुक

उस अनदेखे स्वर्ग में जाने को सब लालायित हैं और जो स्वर्ग जैसी दुनिया सामने है उसे नरक बना देने की ज़िद है। बिना खुद मरे तो वहां जा नहीं सकते लेकिन कभी अपने खुद से मिलने के बाद घमंड और आत्मप्रशंसा छोड़कर ऐसे लोगों द्वारा भी स्वर्ग ही जाने की इच्छा जताई जाती है जिनके कारनामों ने पृथ्वी रुपी स्वर्ग को भी नरक बनाने में पूरा सहयोग दिया। उनके किए धरे के साथ तो नरक का वातावरण ही मेल खाता है। उनका आत्म विशवास समझाता है कि कुछ देर बात न कर, चिंतन कर, शांत रहकर ही स्वर्ग मिल सकता है। कितना आसान रास्ता है। बढ़ती उम्र के लोग तो ऐसा सोच ही सकते हैं। अनेक लोग ज़िंदगी के बाद भी संभावनाएं मानते हैं और उनके बारे अधिकार से बात करते हैं। पूजा स्थल बनवाते और मूर्तियां लगवाते हैं। पूजा पाठ, उपदेश, कथाएं और भंडारे करवाते हैं। इस माध्यम से वे दुनियावी यश अर्जित करते हैं।

यह कितनी बेहतर सुविधा है कि दुनिया में सभी के अपने अपने स्वर्ग और अपने अपने नरक हैं। नरक जाने से सब घबराते हैं, कोई नहीं जाना चाहता। जिन लोगों के पास ताक़त का भंडार है और जेब में पैसा वे तो दुनिया में जीते जी अमर होना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि यहीं पर स्वर्ग का अनुभव लिया जाए। वे अपनी अमरता की चाह में बंधे, स्मारक जैसी ईमारतों में खूबसूरत मेहराबें बनवाते हैं, छतों पर फानूस लटकवाते हैं। संगमरमर के ऊंचे विशाल द्वार सजाते हैं। अपने चेहरे वाले सिक्के चलवाते हैं। उन्हें लगता है मानो स्वर्ग का रास्ता तैयार करवाते हैं।

इस रास्ते के अड़ोस पड़ोस में स्थित जंगल भी उनका निजी ही होता है। वहां की हरियाली पर उनका अधिकार होता है। वहां वे सदनाम के कई प्रयोग करते हैं। युद्ध करवाने के लिए शांति में डूबी योजनाएं रचवाते हैं। चरित्रहीन, भ्रष्टाचारी, असामाजिक, धोखेबाज़ सभी को माफ़ कर अपने साथ रखते हैं क्यूंकि वे भी स्वर्ग ही जाना चाहते हैं। उन सबको नरक शब्द से नफरत होती है हालांकि उन्होंने धरती नामक स्वर्ग में नरक ही जिया होता है। स्वर्ग को अपना भविष्य मानते हुए शायद वे पाप कहे जाने वाले अपने कृत्यों पर पछताते हैं। सार्वजनिक स्तर पर उनके पछताने की ज़रूरत नहीं होती क्यूंकि उनकी तो ईश्वर से सीधे डील करने की तमन्ना होती है। उन्हें पता होता है कि ईश्वर के साथ न तो झगड़ा कर सकते हैं न उन्हें धमका सकते हैं और न ही उन पर हमला करवा सकते हैं। वे सबसे मानवीय और सुरक्षित यही तरीका अपनाते हैं कि खुद को धार्मिक बताएं, पूजास्थल बनवाएं। पूजास्थल जाकर, पूजा पाठ करवाकर, दान देकर भगवान् से कभी माफी नहीं मांगते बलिक आशीर्वाद लेकर आते हैं। सोशल मीडिया और अखबारों में छपवाते हैं कि पूजास्थल जाकर आशीर्वाद लिया। उनके परिवार वाले भी उन्हें पूरा सहयोग करते हैं। यह उनका नैतिक कर्तव्य होता है। किसी दूसरे को लगे न लगे, अपने आप यह महसूस कर लें कि जीवन जीते समय, स्वर्गिक अनुभव और भविष्य में स्वर्ग प्राप्त करने के लिए अच्छा काम किया जा रहा है। कोई माने न माने, स्वर्ग के लिए कुछ करना अच्छा काम ही है।

जिम्मेदारों का गैरजिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पड़ता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है।

विरोध के नाम विरोध या सत्ता के लालच में राष्ट्र-हित के नकार का कोई उदाहरण मिल सकता है तो वह हमारे देश में ही मिल सकता है। आज जब समूची दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है और अमेरिका व ईरान युद्ध के दुष्परिणामों से दुनिया के लगभग सभी देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से प्रभावित हो रहे हैं उस दौर में देश में अराजकता का माहौल बनाये जाने के प्रयासों को किसी भी हालात में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। समझ में नहीं आता कि देश में भय और अराजकता का माहौल बनाने से क्या हासिल हो सकेगा। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता अधिक बढ़ी है। ऐसे में दुनिया के किसी भी कौने में कोई अप्रिय घटनाएं घटित होती है तो उसका प्रभाव कमोबेस दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है। सबको मालूम है कि कच्चे तेल और एलपीजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता कोई आज की बात नहीं है। यह कोई हमारे देश की ही समस्या हो ऐसा भी नहीं है। बल्कि हार्मुज जलडमरुमध्य से जल यातायात को बाधित होने से यह समस्या और अधिक बढ़ी है। यह भी मालूम है कि ताजिंदगी के लिए किसी भी वस्तु की किसी भी देश द्वारा संग्रहण नहीं किया जा सकता। यदि एलपीजी के हालिया संकट की ही बात की जाये तो होना तो यह चाहिए था कि ऐसे संकट के दौर में पक्ष-विपक्ष एक साथ खड़ा होता और ऐसे हालातों में आमजनता को पेनिक करने के स्थान पर हालात से निपटने में सहभागी बनते तो एक जिम्मेदार पक्ष-विपक्ष या आम नागरिक की बात होती। पर हमने तो हालात ऐसे बना दिए जैसे एलपीजी का अकाल आ गया हो और चारों तरफ आंदोलन-प्रदर्शन के हालात बनाकर जमाखोरों को प्रोत्साहित करने और आमजन में भय का वातावरण बना दिया। जिसके घर में एलपीजी का सिलेण्डर था भी वह भी एक और सिलेंडर लाने की दौड़ में लग गया और इससे हालात बनने के स्थान पर बिगड़ने वाले होने लगे। होना तो यह चाहिए था कि विपक्षी भी सरकार के साथ खड़े होकर एक और आम जनता को हालात से निपटने के लिए प्रेरित करते वहीं दूसरी और ऐसे समन्वित प्रयास किये जाते जिससे विदेशों से एलपीजी लाने में आ रही दिक्कतों का हल खोजा जा सकता। गैरजिम्मेदारान हरकत तो इसी से समझा जा सकता है कि सरकार के प्रयासों से जब एलपीजी के दो जहाज होर्मुज जलडमरुमध्य से आने लगे तो

यहां तक कहा जाने लगा कि इन जहाजों पर झण्डा अवश्य भारत का है पर इनमें उपलब्ध एलपीजी तो किसी अन्य देश के लिए है। धरने प्रदर्शन और हालात को बदतर बनाने के प्रयास किसी भी हालत में देशहित या देशवासियों के हित में नहीं कहे जा सकते। भले ही यह समझते हो कि हम देशवासियों के हित में सरकार को घेर रहे हैं। सही मायने में देखा जाए तो यह सरकार को घेरना नहीं अपितु देश के प्रति अपने दायित्वों से हटने और पूरी तरह से गैरजिम्मेदाराना गतिविधि ही कही जानी चाहिए।

यह वहीं भारत देश है जब लाल बहादुर शास्त्री के समय अन्न संकट आया तो एक आह्वान पर छोटे बड़े सभी ने एक दिन सोमवार का व्रत रखना आरंभ कर दिया। पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग आज भी उस आह्वान के चलते आज भी सोमवार का व्रत करते हुए मिल जाएंगे। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 1971 के बांग्लादेश के युद्ध के समय समूचा देश इन्दिरा गांधी के साथ एक स्वर में स्वर मिला रहा था। आज पता नहीं ऐसे हालात कैसे होने लगे हैं कि ऑपरेशन सिन्दुर, सर्जिकल स्ट्राइक या अन्य सैन्य गतिविधियों पर भी प्रश्न उठाये जाने लगे हैं। संभवत: दुनिया के किसी भी देश में इस तरह की बात नहीं होती होगी।

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पड़ता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है। देश में 31 करोड़ सक्रिय एलपीजी धरेलू कनेक्शन है। समूचे देश की बात की जाए तो प्रतिदिन ओसतन 50 से 60 लाख एलपीजी सिलेंडर की आवश्यकता होती है। ऐसे में मांग और आपूर्ति बनाये रखना अपने आप में दुष्कर है पर हालिया संकट को अलग कर दिया जाए तो पिछले कुछ सालों से एलपीजी या पेट्रोल आदि को लेकर देश में किसी तरह का संकट देखने को नहीं मिला। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार्मुज जलडमरुमध्य से दो जहाज भारतीय तट पर पहुंच चुके हैं। सरकार द्वारा भारतीय जहाजों को निर्बाध रुप से रास्ता दिलाने के प्रयास जारी है। ऐसे हालातों के बावजूद सकारात्मक परिणाम प्राप्त होना बड़ी बात है।

इस संकट के दौर में सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे आना देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व हो जाता है। हालात हमारे सामने हैं, सरकार के प्रयास भी हमारे सामने हैं, ऐसे में जमाखोरी और कालाबाजारी को निरुत्साहित करना हम सबका दायित्व होना चाहिए। आवश्यकता नहीं होने पर भी जबरदस्ती सिलेण्डर का स्टॉक करने से बचना चाहिए। वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाये रखने में सहभागी बनना चाहिए। जब तक हालात सामान्य नहीं होते हैं तब तक जबरदस्ती पेनिक होने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही ऐसे तत्व जो हालात को व्यवस्थित करने के स्थान पर बिगाडने व पेनिक करने व जमाखोरी और कालाबाजारी को प्रोत्साहित कर रहे हो उन्हें बेनकाब करने के लिए आगे आना होगा। यदि ऐसे दौर में हमें एक जुट होना होगा और राष्ट्रहित को ही सर्वोपरी मानना होगा।

क्यूबा में फिर ठप हुआ पूरा पावर ग्रिड, देशभर में ब्लैकआउट, क्या ट्रंप हैं इसके जिम्मेदार?

नई दिल्ली

क्यूबा में शनिवार को एक बार फिर देश का पूरा पावर ग्रिड ठप हो गया, जिससे देश के लगभग 1 करोड़ 10 लाख लोग बिजली के बिना अंधेरे में रहना पड़ा। यह मार्च महीने में तीसरी बार पूरे द्वीप पर ब्लैकआउट की स्थिति है। क्यूबन इलेक्ट्रिक यूनियन (यूएनई) ने पूरे देश में पूर्ण ब्लैकआउट की घोषणा की। शुरुआत में कारण नहीं बताया गया, लेकिन बाद में यूनियन ने कैमागुए प्रांत के न्यूविटास थर्मोइलेक्ट्रिक प्लांट में एक जेनरेटिंग यूनिट के अचानक खराब होने को जिम्मेदार ठहराया।

ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना के बाद बाकी चल रही मशीनों में एक के बाद एक खराबी आई, जिससे सिस्टम पूरी तरह धराशायी हो गया। अधिकारियों ने अस्पतालों, पानी की आपूर्ति और जरूरी केंद्रों के लिए छोटे-छोटे माइक्रो-आइलैंड जेनरेटर चालू किए हैं। वे बिजली बहाल करने के प्रयास में जुटे हैं।

राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कनेल ने कहा कि पिछले तीन महीनों से विदेशी सप्लायरों से तेल नहीं मिल रहा है। क्यूबा अपनी जरूरत का सिर्फ 40त्न ईंधन खुद पैदा कर पाता है। सरकार पुराने पावर ग्रिड के खराब होने के साथ अमेरिका के तेल प्रतिबंध को

भी जिम्मेदार ठहराती है। जनवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि क्यूबा को तेल बेचने या देने वाले देशों पर टैरिफ लगाए जाएंगे।

ट्रंप प्रशासन की मांग है कि क्यूबा राजनीतिक कैदियों को रिहा करे और राजनीतिक-आर्थिक उदारीकरण की दिशा में कदम उठाए। ट्रंप ने क्यूबा पर दोस्ताना कब्जे की संभावना भी जताई है।

पिछले दो सालों से क्यूबा में बिजली गुल होना आम हो गया है। पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर अक्सर खराब हो जाता है और ईंधन की भारी कमी के कारण रोजाना 12 घंटे तक ब्लैकआउट रहते हैं। इससे पूरा सिस्टम अस्थिर हो गया है। पिछली बार पूरे देश में बिजली सोमवार को गुल हुई थी। शनिवार का ब्लैकआउट पिछले हफ्ते का दूसरा और मार्च का तीसरा बड़ा संकट है।

बिजली न होने से लोगों की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो जाती है। काम के घंटे कम हो जाते हैं, खाना पकाना मुश्किल, फ्रिज बंद होने से सामान खराब हो जाता है। कुछ मामलों में अस्पतालों को सर्जरी रद्द करनी पड़ती है। हवाना और अन्य शहरों में लोग सड़कों पर बैठे नजर आते हैं, जहां बिजली की कमी से पानी की आपूर्ति भी प्रभावित होती है।

तेल की कमी की एक बड़ी वजह वेनेजुएला से सप्लाई का रुकना है। वेनेजुएला के नेता के सत्ता से हटने के बाद यह खेप बंद हो गई। वेनेजुएला लंबे समय से क्यूबा का प्रमुख तेल सप्लायर रहा है। ट्रंप पिछले कई महीनों से कहते आ रहे हैं कि क्यूबा की सरकार गिरने की कगार पर है।

पिछली ब्लैकआउट के समय उन्होंने कहा था कि उन्हें जल्द ही क्यूबा पर कब्जा करने का सम्मान मिलेगा। यह संकट क्यूबा की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक स्थिरता पर गहरा असर डाल रहा है, जहां लोग रोजमर्रा की जिंदगी में भारी मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।

रूस का अमेरिका पर बड़ा आरोप

हमें वैश्विक ऊर्जा बाजारों से बाहर धकेलने की हो रही है साजिश

मास्को (वार्ता)

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय नीतियों पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि अमेरिका जानबूझकर, रूस को वैश्विक ऊर्जा बाजारों से बेदखल करने की कोशिश कर रहा है। वह शनिवार को एक रूसी टीवी चैनल पर आयोजित एक चर्चा में बोल रहे थे। श्री लावरोव ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में अमेरिका की ओर से रूस के हितों के सम्मान की कोई प्रतिबद्धता दिखाई नहीं दे रही है। श्री लावरोव ने कहा, हमें सभी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों से बाहर धकेला जा रहा है और अंतत: केवल हमारा अपना क्षेत्र ही शेष बचेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने यूरोपीय ऊर्जा बाजार में रूस के कमजोर होने का न केवल स्वागत किया है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा प्रभुत्व स्थापित करने के एक खुले दावे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

रूसी विदेश मंत्री के अनुसार, यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय संबंधों के उस दौर की याद दिलाती है जब कोई तय ढांचा नहीं था और अमेरिकी हितों को किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से ऊपर रखा जाता था। ऊर्जा संकट के अलावा, श्री लावरोव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों के परिणाम अत्यंत विनाशकारी होंगे, जिन्हें आने वाले लंबे समय तक महसूस किया जाएगा। श्री लावरोव ने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि इन कदमों के दूरगामी प्रभाव वैश्विक स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा पैदा कर सकते हैं।

अमेरिका रूस को सभी ऊर्जा बाजारों से बाहर निकालने की कर रहा है कोशिश : लावरोव

मास्को (वार्ता/स्पुतनिक)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को कहा कि मास्को को वर्तमान में रूस के हितों का सम्मान करने के लिए अमेरिका की कोई प्रतिबद्धता नजर नहीं आ रही है क्योंकि वाशिंगटन मास्को को सभी ऊर्जा बाजारों से बाहर निकालने की कोशिश कर रहा है। श्री लावरोव ने एक रूसी टीवी कार्यक्रम में कहा, हमें सभी वैश्विक ऊर्जा बाजारों से बाहर धकेला जा रहा है। अंतत: केवल हमारा अपना क्षेत्र ही शेष रहेगा। अमेरिकी हमारे पास आएंगे और कहेंगे कि वे हमारे साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। लेकिन अगर हम अपने क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी परियोजनाएं लागू करने और अमेरिकियों को उनकी रुचि की चीजें उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं और अपने हितों को ध्यान में रखते हैं, तो उन्हें भी हमारे हितों पर विचार करना चाहिए। अभी तक हमें ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने यूरोपीय ऊर्जा बाजारों में रूस के हाशिए पर चले जाने का स्वागत किया है और करता रहेगा, जो उनके अनुसार, विश्व स्तर पर ऊर्जा प्रभुत्व का एक खुला दावा है। श्री लावरोव ने कहा, यह एक असामान्य स्थिति है एक ऐसे दौर में वापसी जब अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए कोई संरचना नहीं था। यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि अमेरिका के हित किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते से ऊपर हैं।

सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों पर काम करती है बसपा : मायावती

लखनऊ, (वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने राजनीतिक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ये पार्टियां चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करती हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल जाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी दल जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटकर राजनीति करते हैं, जबकि बसपा सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों पर काम करती है। रविवार को मायावती ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में इन राज्यों में पार्टी की स्थिति, संगठन विस्तार, जनाधार बढ़ाने और चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

सुश्री मायावती ने कहा कि बीएसपी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है, जिसका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक को समान सम्मान और अधिकार दिलाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को लोगों तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर संगठन को मजबूत करें। बैठक में मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में बढ़ती जातीय घटनाओं और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की गई। मायावती ने कहा कि इन राज्यों में खासकर दलित और आदिवासी समाज के साथ हो रहे अत्याचार गंभीर मुद्दा हैं और सरकारों को इस पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में बसपा सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय कानून-व्यवस्था बेहतर थी और सभी वर्गों को सुरक्षा व सम्मान मिला था। उन्होंने दावा किया कि बीएसपी ही एकमात्र पार्टी है जो अपने वादों को जमीन पर लागू करती है। मायावती ने कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों कांशीराम जयंती, डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती और पार्टी स्थापना दिवस को मिशनरी भावना से मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर सक्रियता और जनता के बीच निरंतर संपर्क ही चुनावी सफलता की कुंजी है।

नवरात्र में तांत्रिक साधनाओं से वरुणा-बसुही संगम का श्मशान क्षेत्र रहता है असहज

भदोही, (वार्ता)

बासंतिक नवरात्र के दौरान वरुणा और बसुही नदियों के संगम पर स्थित मां भगवती भद्रकाली धाम के आसपास का श्मशान क्षेत्र तांत्रिक गतिविधियों के चलते रात में असहज और रहस्यमय माहौल में डूब जाता है। वाराणसी जिले के सरावां गांव स्थित यह धाम कंटीली झाड़ियों और जंगली इलाके से घिरा हुआ है, जहां पहुंचना कठिन माना जाता है। मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित वरुणा-बसुही संगम स्थल के आसपास घना जंगल, सरपत के झुरमुट और सुनसान वातावरण नवरात्र की रातों में और भी भयावह हो जाता है। अंधेरी रातों में श्मशान के आसपास तंत्र-मंत्र की गुप्त साधनाएं की जाती हैं, जिससे स्थानीय लोग असहज महसूस करते हैं। ये साधनाएं आमतौर पर एकांत स्थानों या श्मशान घाटों पर आधी रात के समय गुप्त रूप से की जाती हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित आलोक शास्त्री के अनुसार, नवरात्र में मां दुर्गा की दस महाविद्याओं से जुड़ी तांत्रिक साधनाएं विशेष रूप से की जाती हैं। इनका उद्देश्य शत्रु नाश, आर्थिक उन्नति, वाक् सिद्धि और मनोकामना पूर्ति होता है। साधक इन अनुष्ठानों के दौरान लौंग और बताशा माता को अर्पित करते हैं, जिसे सरल और उत्तम भोग माना जाता है।

उन्होंने बताया कि वरुणा-बसुही संगम स्थल पौराणिक दृष्टि से काशी के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में रहा है और प्राचीन काल में तांत्रिक साधनाओं का महत्वपूर्ण स्थल माना जाता था।

केदारनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

रुद्रप्रयाग(केदारनाथ),(वार्ता)

उत्तराखंड में विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम में हालिया भारी बर्फबारी के बाद पूरी केदार घाटी सफेद चांदी जैसी बर्फ की चादर से ढकी हुई है। वर्तमान में धाम का नजारा अत्यन्त दिव्य और विहंगम नजर आ रहा है। इस कठिन मौसम और शून्य से नीचे गिरते तापमान के बावजूद, धाम की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए उत्तराखंड पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। जिला सूचना अधिकारी ने आज जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में, सुरक्षा एजेंसियां बर्फबारी के बीच भी सुरक्षा घेरे को अभेद्य बनाए हुए हैं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों और हाड़ कंपाने वाली ठंड की परवाह किए बिना, जवान निरन्तर गश्त कर रहे हैं ताकि परिसर की मर्यादा और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ, पुलिस बल के जवानों द्वारा आत्मनिर्भरता और अनुशासन का परिचय देते हुए अपने रहने के स्थानों और बैरकों के आसपास जमी भारी बर्फ को स्वयं ही साफ किया जा रहा है, ताकि कार्यप्रणाली में कोई बाधा न आए।केदारनाथ धाम में तैनात यह संयुक्त सुरक्षा बल न केवल कानून व्यवस्था, बल्कि मौसम के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए भी हर समय तैयार है। जवानों का उच्च मनोबल मित्रता, सेवा और सुरक्षा के ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर रहा है। भारी बर्फबारी के इस दौर में भी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

बर्लिन, पेरिस, रोम तक पहुंच सकती हैं ईरानी मिसाइलें

नई दिल्ली

इजरायल-ईरान संघर्ष अब चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और यह तेजी से वैश्विक स्तर पर फैलता जा रहा है। इजरायली अधिकारियों ने शनिवार को घोषणा की कि ईरान ने पहली बार लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, जिससे मिडिल ईस्ट से बाहर हमलों का खतरा बढ़ गया है।

इस बीच, ईरान की मिसाइलों ने इजरायल के दक्षिणी शहरों दिमोना और अराद को निशाना बनाया, जहां दर्जनों लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली सेना के प्रमुख जनरल एयाल जमीर ने कहा कि ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर दो 4,000 किलोमीटर रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें

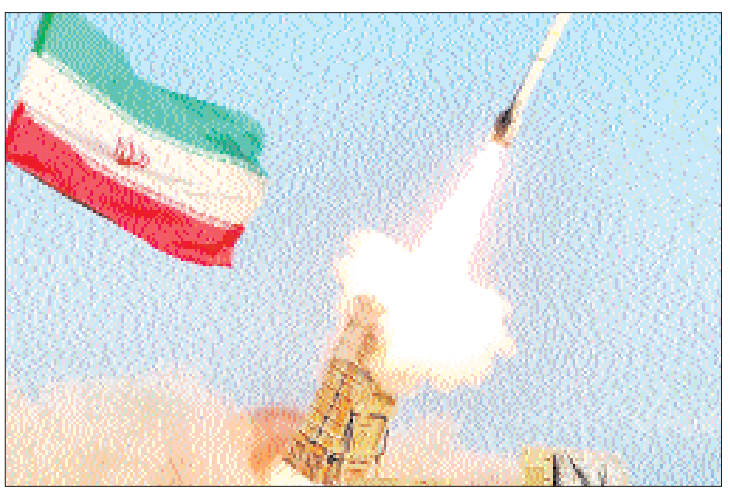

दागीं। यह संघर्ष में ईरान की पहली ऐसी कार्रवाई है जो मिडिल ईस्ट से बाहर गई है।

जमीर ने चेतावनी दी कि ये मिसाइलें इजरायल को निशाना बनाने के लिए नहीं थीं। इनकी रेंज यूरोपीय राजधानियों तक पहुंचती है। बर्लिन, पेरिस और रोम अब सीधे खतरे में हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं। एक बीच में फेल हो गई और दूसरी को अमेरिकी जहाज ने इंटरसेप्ट करने की कोशिश की। ब्रिटेन ने इस हमले को नाकाम बताया और ईरान की कार्रवाई की निंदा की। यह हमला ऐसे समय हुआ जब ब्रिटेन ने अमेरिका को अपनी बेस का इस्तेमाल ईरानी मिसाइल साइटों पर हमले के लिए अनुमति दी थी।

शनिवार रात देर से ईरान की मिसाइलें इजरायल के दक्षिणी शहरों दिमोना और अराद पर गिरीं। इन हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने एक्स पर पोस्ट किया कि एयर डिफेंस सिस्टम काम कर रहे थे, लेकिन ये हमले रोक नहीं पाए।

दिमोना के पास इजरायल का गुप्त परमाणु रिएक्टर स्थित है, जो करीब 13 किलोमीटर दूर है। दोनों शहरों के आसपास कई सैन्य ठिकाने हैं, ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उन्होंने सैन्य ठिकानों और सुरक्षा केंद्रों को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया ने बताया कि अमेरिका-इजरायल ने शनिवार सुबह नतांज संवर्धन परिसर पर हमला किया। कोई रेडियोएक्टिव रिसाव नहीं हुआ। इजरायल ने ऐसे हमले से इनकार किया, जबकि आईएईए जांच कर रहा है। ईरान ने यूएई और कुवैत में अमेरिकी बेस पर ड्रोन हमले किए। सऊदी अरब ने ईरानी राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। इजरायल ने तेहरान के आसपास बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन साइटों पर हमले किए।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

बोमन ईरानी का ख़ुशियों भरा नवरोज़ सेलिब्रेशन ने जीता लोगों का दिल

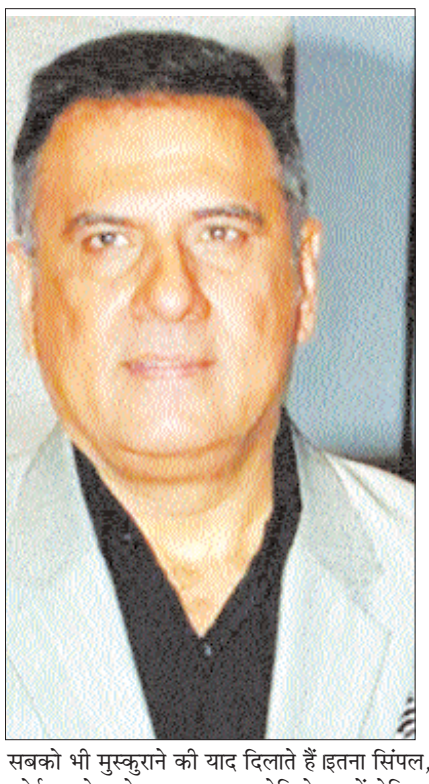

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी ने नवरोज सेलिब्रेशन की एक झलक शेयर की, जो अब सोशल मीडिया पर सबका दिल जीत रही है।

वीडियो में बोमन अपने वही प्यारे अंदाज़ में सबको ग्रीट करते दिखते हैं स्माइल करो। नवरोज़ मुबारक सबको। बस, यहीं से पूरा माहौल खुशियों और पॉज़िटिव वाइब्स से भर जाता है।

अपने खास स्टाइल में बोमन शीशे में देखकर खुद भी मुस्कुराते हैं और सबको भी मुस्कुराने की याद दिलाते हैं।इतना सिंपल, इतना रियल, कि हर कोई इससे कनेक्ट कर जाए। सेलिब्रेशन में ट्रेडिशन का भी पूरा तड़का है।मिठाइयाँ, ड्राय फ्रूट्स और खजूर जैसे ट्रीट्स नवरोज़ का पूरा फील दे रहे हैं। बोमन ने बताया कि नवरोज़ सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि नई शुरुआत, पॉज़िटिविटी और साथ होने की खुशी का नाम है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय सिनेमा का महाकुंभ: अनुपम खेर को आइकन सम्मान

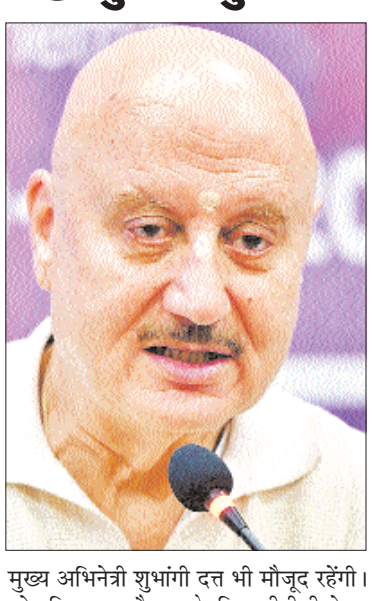

ऑस्ट्रेलिया में भारत के बाहर भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े राष्ट्रीय उत्सव नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एनआईएफएफए) 2026 में इस बार दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर, निर्देशक अनुभव सिन्हा और लीना यादव को सम्मानित किया जायेगा। खेर को इंटरनेशनल इंडियन सिनेमा आइकन अवॉर्ड दिया जायेगा तो सिन्हा और यादव को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। अनुपम खेर ने मिलने वाले सम्मान पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया उनके दिल के बेहद करीब है और वह वहां के लोगों में भारतीय कहानियों के प्रति वास्तविक जिज्ञासा देखते हैं। महोत्सव में उनकी निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट की विशेष स्क्रीनिंग भी होगी, जो ऑटिज्म (विकलांगता) जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है। इस दौरान फिल्म की मुख्य अभिनेत्री शुभांगी दत्त भी मौजूद रहेंगी। इस साल महोत्सव में पंजाबी सिनेमा पर खास जोर दिया गया है। इसके लिए पीटीसी नेटवर्क की सीईओ राजी शिन्दे के नेतृत्व में फिल्म निर्माताओं और उद्योग जगत के दिग्गजों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया पहुंचा है। महोत्सव के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन पंजाबी फिल्मों के सह-निर्माण की घोषणा भी की जायेगी। इसके अलावा, भारतीय दर्शकों के बीच लोकप्रिय शॉर्ट फिल्मों और माइक्रो ड्रामा पर पॉकेट फिल्म्स के सीईओ समीर मोदी मास्टरक्लास भी लेंगे। मेलबर्न के प्रसिद्ध फेडरेशन स्क्वायर पर 22 मार्च को रात 8 बजे एक मुफ्त सार्वजनिक स्क्रीनिंग का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस भारतीय उत्सव का हिस्सा बन सकें। इस महोत्सव का दूसरा संस्करण ऑस्ट्रेलिया के 14 शहरों में चल रहा है जिसमें 18 भारतीय भाषाओं की 32 से अधिक फिल्मों का प्रदर्शन किया जायेगा। महोत्सव का आरंभ बाफ्टा विजेता पहली भारतीय (मणिपुरी) फिल्म बूंग के रेड-कार्पेट प्रीमियर से हुआ। 18 मार्च से शुरू हुआ यह महोत्सव पांच जुलाई तक जारी रहेगा।

संदीपा धर को चुंबक की शूटिंग के दौरान नीना गुप्ता से मिली एक बेहद खास सलाह

बॉलीवुड अभिनेत्री संदीपा धर ने अपनी आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज़ चुंबक की शूटिंग के दौरान जानी-मानी अभिनेत्री नीना गुप्ता से मिली एक बेहद खास सलाह के बारे में खुलकर बात की। संदीपा ने सेट पर हुई बातचीत को याद करते हुए बताया कि नीना का काम और किस्मत को लेकर नजरिया उन पर गहरा असर छोड़ गया।इस पल को याद करते हुए उन्होंने कहा, नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने एक छोटी-सी स्टूडेंट फिल्म की थी, और उसी की वजह से उन्हें बधाई हो मिली। वो कहती हैं कि कौन-सी फिल्म, कौन देखेगा और कहां देखेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। तुम्हारा काम एक एक्टर के तौर पर, बस काम करते रहना है और अच्छा काम करना है, ताकि कहीं न कहीं कोई तुम्हें देखे और सोचे कि शायद तुम किसी और प्रोजेक्ट के लिए सही हो। गौरतलब है कि अपने को-स्टार संदीपा धर को दी गई नीना गुप्ता की अनुभव और धैर्य से भरी यह सलाह, उनके अपने करियर सफर को भी दर्शाती है, जहां लगातार मेहनत और जुनून ने उन्हें बधाई हो जैसी बड़ी सफलता दिलाई।हालांकि संदीपा के लिए इस सलाह का सार बेहद साफ है और वो है ,कि हमें नतीजों की बजाय अपने हुनर पर ध्यान देना चाहिए। विशेष रूप से तुरंत सफलता और पहचान की चाह रखनेवाले इस दौर में, बस काम करते रहो जैसी सीख बेहद प्रेरणादायक और जमीन से जोड़ने वाली है। गौरतलब है कि संदीपा हाल ही में दो दीवाने सहर में, में नजर आई थीं, जहां उन्होंने मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ एक मजबूत और प्रभावशाली किरदार निभाया था। फिलहाल, संदीपा धर, नीना गुप्ता के साथ पहली बार चुंबक में नज़र आनेवाले हैं। हालांकि शो से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आ पाई है, लेकिन सेट पर दोनों के बीच हो रही ऐसी गहरी और प्रेरणादायक बातचीत ने दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ा दी है।इसके अलावा अलग-अलग किरदारों में खुद को तलाश रही संदीपा धर के लिए नीना गुप्ता की यह सलाह उनके लिए एक मंत्र बन चुकी है, जो उन्हें खुद पर पर विश्वास रखने और सिनेमा में फैले अनिश्चित अवसरों को स्वीकार करने की प्रेरणा देती है।

धुरंधर: द रिवेंज ने 145 करोड़ की कमाई की

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज कमाई ने 145 करोड़ की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर की सीक्वल धुरंधर: द रिवेंज का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। पेड प्रीव्यू के दौरान 18 मार्च को फिल्म ने 43 करोड़ रूपये की कमाई की। सैकनिल्क के आंकड़ों के अनुसार धुरंधर: द रिवेंज ने रिलीज के पहले दिन 102.55 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म ने 145.55 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

राज्य शिक्षक संघ ने शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर शिक्षामंत्री को सौंपा ज्ञापन

करेली (स्वतंत्र मत)।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार डीपीआई भोपाल द्वारा जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) संबंधी आदेश से उत्पन्न स्थिति लेकर को प्रांताध्यक्ष जगदीश यादव के निर्देशानुसार राज्य शिक्षक संघ नरसिंहपुर के आह्वान पर आज दिनांक - 22 मार्च 2026 दिन रविवार को ग्राम लोलरी में उदय प्रताप सिंह, स्कूल शिक्षा मंत्री मध्यप्रदेश शासन से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट में मध्यप्रदेश शासन की ओर शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी के संबंध रिव्यु पिटीशन दायर किए जाने हेतु मांग की एवं ज्ञापन सौंपकर विस्तृत चर्चा की गई। उक्त अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने टीईटी के संबंध में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर किए जाने हेतु आश्वस्त किया, साथ ही कहा कि शिक्षक संगठन भी अपनी ओर से सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर कर अपना पक्ष रखें। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजीत जाट, प्रांतीय कोषाध्यक्ष नगेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश मीडिया प्रभारी सियाराम पटेल, प्रांतीय संगठनमंत्री कोमल सिंह पटेल, जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रमेंद्र जाट, जिला उपाध्यक्ष विजय शर्मा, आशीष नामदेव, संजय पाराशर, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश सोनी, विवेक मिश्रा, गोविंद बुंदेला, दौलत सिंह पटेल, लक्ष्मीकांत कौरव, तहसील अध्यक्ष पुरुषोत्तम बसेड़िया, महेश वैष्णव, मदन शुक्ला, कमलेश शर्मा, शमीम कुरैशी, जयप्रकाश कोष्ठी, दरबार पटेल, नारायण पटेल, राममनोहर दुबे, राजकुमार श्रीवास्तव, सूर्यकांत पाठक, सचिन गुप्ता, कमलेश त्रिपाठी, मन्नालाल पटेल, नीलेश शर्मा, अनिरुद्ध पटेल, रमेश पटेल, नीरज जैन, देवकांत दुबे, महेंद्र प्रजापति, बलवंत ठाकुर, दिगंबर ठाकुर, ताराचंद चौधरी, भरत सिंह पटेल, नीतीश जैन, विनोद श्रीवास्तव, नीरज पटेल, अरुण सोनी, राकेश कुमार पटेल, प्रकाश पटेल, अनिल श्रीवास्तव, अशोक पटेल, बुद्धसिंह पटेल, हरिओम जाटव जनशिक्षक, प्रमोद गुमास्ता जनशिक्षक, ब्रजेश पाराशर, अमित बजाज, अजीत घोषी, नरेन्द्र चौहान, बसुंधरा पाराशर, कन्हैया विश्वकर्मा, भानु ठाकुर, राजेन्द्र दुबे, रघुवीर साहू, अशोक ठाकुर, रेवती रमण चौरसिया, देवेन्द्र मेहरा, कृष्कांत शुक्ला, प्रभा राजपूत, भीकम पटेल सरदार ठाकुर, कमलेश पटेल, भैयाराम चौधरी जनशिक्षक, राजू सोनी, शेरसिंह धानका, दम्मर पटेल, गणेश सकवार, कुंजबिहारी कौरव, आशीष खरे, कैलाश जाटव, मेरसिंह जाटव, मुकेश जाटव, अनिल बुनकर, पुरूषोत्तम जाटव, विनोद प्रजापति, सलीम खान, महेंद्र सिसोदिया सहायक शिक्षक, दिलीप राजपूत सहायक शिक्षक, लीलाधर चौधरी, भवानी चौधरी, सतीश साहू, रामकुमार पटेल, विजय दुबे, मनमोहन दुबे सहायक शिक्षक, अनुराधा मेहरा, लेखराम मेहरा, शिवेंद्र राजपूत, दुलीचन्द नौरिया जनशिक्षक, अवधेश कौरव सुनील साहू, दिलीप कोल, योगेन्द्र झारिया, रामावतार पटेल, सुरेन्द्र पटैल, सुमित यादव, पंकज स्थापक, शैलेन्द्र यादव, अखिलेश शर्मा, सतीश शर्मा, परेश नागवंशी, दीपक श्रीवास, तुलसीकांत श्रीवास्तव, राघवेन्द्र चौधरी, सुरेन्द्र पटैल, प्रद्युम्न पटैल, राजू ठाकुर, महिला मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती ऊषा पटेल, सरिता वर्मा, पुष्पलता पटेल, माधुरी लता बसेड़िया, प्रतिभा श्रीवास्तव सपना पटेल, संगीता बसेड़िया, माया चौधरी, चैनबाई जाटव, उमाकांता खंगार सहित शिक्षक साथी एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सदर मढिया में भक्तों का तांता लगा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। चैत्र नवरात्र में नगर के विभिन्न दुर्गा मंदिरों में देवी भक्तों का तांता लगा हुआ है सदर देवी मढ़िया में प्रात: ही श्रध्दालुओं की भीड़-भाड़ के साथ पूजन - अर्जन नित्य किये जा रहे हैं।

अधिक मास के पुनीत पर्व पर विशेष अनुष्ठान

करेली। दिनांक 17 मई से 15 जून तक अधिक मास के पुनीत पर्व पर श्री राजराजेश्वरी मंदिर शक्तिपीठ, श्री स्कंद आश्रम नैमिषारण्य में 16 मई सायं से 22 मई तक श्री गणेश पुराण, 23 मई से 31 मई तक श्री शिवमहापुराण, 31 मई सायं से 8 जून तक श्री देवी भागवत, 9 जून से 15 जून तक श्रीमद्भागवत महापुराण के साथ साथ श्री गणेश जी, श्री कार्तिक स्वामी जी, श्री शिव जी महाराज एवं श्री राजराजेश्वरी देवी जी का विशेष अनुष्ठान, पूजन भी श्री स्वामी महाराज के द्वारा की जावेगी । यह कार्य पूर्ण रूपेण अनुष्ठानिक है। ना तो मंच रहेगा, ना ही माइक रहेगा । अधिकमास में शान्ति से भजन एवं सत्संग करने इक्छुक सीमित लोग भर इसका लाभ उठा सकते हैं, बाकी आम जनता के लिए नहीं है।

एनटीपीसी गाडरवारा की ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

एनटीपीसी गाडरवारा के सीएसआर के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव त्रिपाठी (जीएम प्रोजेक्ट) रहे, जिन्होंने टॉस कराकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया।फाइनल मुकाबला ग्राम गंगई और उमरिया के बीच खेला गया, जिसमें ग्राम गंगई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय हासिल की।

विजेता एवं उपविजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफी, मेडल एवं उपहार प्रदान किए गए। साथ ही, अन्य पांचों गांवों के कप्तानों को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी ट्रॉफी एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सभी गांवों के सरपंचों की उपस्थिति के साथ बड़ी संख्या में दर्शक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की सफलता पर सभी ने एनटीपीसी गाडरवारा को इस भव्य आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजन कराने की अपेक्षा व्यक्त की, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

श्रीमती स्मृति जैन बनी प्रदेश महिला मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की अनुशंसा पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परंजपे रजवाड़े द्वारा सोशल मीडिया प्रभारी के पद पर गाडरवारा नगर की सामाजिक कार्यकर्त्ता श्रीमती स्मृति जैन की नियुक्ति की गई!! श्रीमती जैन थाला वाला परिवार की पुत्रबधु है, और सन 2000 से डुड्ढाश्च के माध्यम से सामाजिक जीवन की शुरुआत की थी, और डुड्ढाश्च के विभिन्न दायित्वों का निर्वाहन किया, श्रीमती जैन विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रदेश व जिले स्तर के दायित्वों का निर्वाहन कर रही है!! उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परंजपे व मंत्री राव उदय प्रताप का आभार व्यक्त किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान श्रमदान से सशक्त जल संरक्षण

जरजोला में बनाए गए 6 कंटूर ट्रेंच

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में ग्राम जरजोला में प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति जरजोला द्वारा सामूहिक श्रमदान कर 6 कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया, जो वर्षा जल के संरक्षण एवं भू-जल स्तर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह कार्य मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में और जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस कार्य में नवांकुर संस्था सुदर्शन जनकल्याण समिति बम्होरी एवं जय ज्वाला शिक्षा प्रचार-प्रसार समिति नरसिंहपुर की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के परामर्शदाता, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जल संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है।

कंटूर ट्रेंच जैसी संरचनाएं न केवल वर्षा जल को रोकने में सहायक होती हैं, बल्कि मिट्टी संरक्षण, जल पुनर्भरण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को जल के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें प्रेरित किया गया कि वे अपने- अपने स्तर पर जल संरक्षण के उपाय अपनाएं, जल स्रोतों का संरक्षण करें और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। इस पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि जनसहभागिता और श्रमदान के माध्यम से जल संकट के समाधान की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

ई-टेंडर द्वारा छठवां चरण का निष्पादन कार्यक्रम जारी

पांचवें चरण के निष्पादन उपरांत शेष रही 3 समूहों का ई-टेंडर के माध्यम से निष्पादन किया जाएगा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश शासन की वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी नीति के अनुसार सर्वसाधारण की जानकारी एवं आबकारी के फुटकर ठेकेदारों की विशेष जानकारी के लिए आबकारी नीति के प्रावधानों के अनुरूप जिले में निष्पादन के पांचवें चरण तक गठित/ पुनर्गठित 13 समूहों, जिसमें 42 मदिरा दुकानों के निष्पादन उपरांत निष्पादन से शेष रही 12 दुकानों का निष्पादन पुनर्गठित 3 समूहों में छठवें चरण में एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति द्वारा ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) के माध्यम से कलेक्ट्रेट नरसिंह भवन नरसिंहपुर में किया जाएगा। जिले की समस्त मदिरा दुकानें कम्पोजिट शॉप होंगी अर्थात मदिरा दुकानों पर देशी एवं विदेशी दोनों प्रकार की मदिरा विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगी। किसी भी मदिरा दुकान पर बैठकर मदिरा पीने की सुविधा अनुमति नहीं होगी। वर्ष 2026-27 के लिए मदिरा दुकानों/ समूहों के निष्पादन की प्रक्रिया ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) में भाग लेने के लिए समस्त प्रकार के आवेदकों (व्यक्ति/ सोल प्रोपराइटर/ कम्पनी/ फर्म/ लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप-एलएलपी/ कंसोर्टियम आदि) को ई-आबकारी पोर्टल पर कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल के अंतर्गत पंजीयन एवं अनुमोदन कराना अनिवार्य होगा। वर्तमान अनुज्ञप्तिधारी अथवा पूर्व वर्ष में कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन मॉड्यूल पर पंजीकरण कर चुके आवेदकों को भी वर्ष 2026-27 के लिए पुनः पंजीकरण करना अनिवार्य है। उक्त अनुमोदित पंजीयन के अभाव में आवेदक द्वारा मदिरा दुकानों/ समूहों के निष्पादन की प्रक्रिया में भाग नहीं लिया जा सकेगा। ई-आबकारी पोर्टल पर पंजीयन के लिए एक हजार रुपये आवेदन शुल्क का भुगतार ई-आबकारी ट्रेजरी इंटीग्रेशन के माध्यम से किया जाना होगा। उक्त पंजीयन प्रक्रिया अत्यंत सरल है, जिसके लिए आवेदक को अपनी फोटो, व्यक्तिगत पहचान के लिए निर्धारित अभिलेख, निवास स्थान के पते के प्रमाणीकरण के लिए निर्धारित अभिलेख, पैन कार्ड, जीएसटी जहां लागू हो, बैंक विवरण एवं पोर्टल से प्राप्त निर्धारित प्रारूप में शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड किया जाना होगा।

उक्त पंजीयन में पैन कार्ड के आधार पर आवेदक (व्यक्ति/ सोल प्रोपराइटर/ कम्पनी/ फर्म/ लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप-एलएलपी/ कंसोर्टियम आदि) की जानकारी का पोर्टल के माध्यम से स्वतः सत्यापन किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में छठवां चरण के लिए ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) के लिए कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसी तरह जिले में पांचवें चरण के निष्पादन उपरांत शेष रही कम्पोजिट मदिरा दुकानों के 3 समूहों का ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) के माध्यम से निष्पादन किए जाने के लिए आरक्षित मूल्य, स्थान, वार्षिक लायसेंस फीस, धरोहर राशि का विवरण जारी किया गया है। ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) के माध्यम से निष्पादन की प्रक्रिया शर्तें एवं निर्बंधन एनआईसी के पोर्टल एवं पंजीयन संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय? जिला आबकारी अधिकारी से भी तथा मध्यप्रदेश आबकारी विभाग की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

ई-टेंडर (ई-टेंडर एवं ई-टेंडर कम ऑक्शन) की कार्यवाही में जो आवेदन (व्यक्ति/ सोल प्रोपराइटर/ कम्पनी/ फर्म/ लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप-एलएलपी/ कंसोर्टियम आदि) भाग लेना चाहें वे इस संबंध में वर्णित प्रक्रिया, शर्तों एवं प्रतिबंधों के अनुसार ई-टेंडर के पोर्टल पर ऑफर दे सकते हैं। जिले की मदिरा दुकानों के समूहों के संबंध में आवश्यक जानकारी जिला आबकारी अधिकारी नरसिंहपुर के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बम्हौरी में जनजागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

जल संरक्षण पर दिया जोर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राज्य शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बम्हौरी में सुदर्शन जन कल्याण समिति बम्हौरी के तत्वावधान में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, नदी एवं अन्य जल स्रोतों के संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जल कलश पूजन, सूर्य उपासना एवं अर्घ्य अर्पण के साथ हुआ। अभियान के अंतर्गत पौधारोपण, जल संरचनाओं के निर्माण, कंटूर ट्रेंच निर्माण तथा जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को जल के महत्व एवं उसके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान जल कलश यात्रा निकाली गई तथा उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में सुदर्शन जन कल्याण समिति के उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, परामर्शदाता, समिति सदस्य और ग्राम के गणमान्य नागरिकों ने अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम के माध्यम से जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रभावी जनजागरूकता का संदेश दिया गया। सामुदायिक सहभागिता से सम्पन्न इस आयोजन ने नागरिकों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

चंद्रप्रकाश यादव ने लगाये आरोप

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। लाखन सिंह पटैल ने कपिल ठाकुर, दया लोधी और जितेन्द्र लोधी के साथ मिलकर मेरे साथ धक्का-मुक्की और गाली देकर मारपीट की। साथ ही मुझे जान से मारने की धमकी दी गई। उक्त आरोप पूर्व जिला कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश यादव ने हॉटल सरस में पत्रकारवार्ता में लगाए। एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष रहे श्री यादव ने पत्रकारों के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि भविष्य में मेरे साथ कोई घटना घटित हुई तो इसके जिम्मेदार लाखन सिह पटैल होंगे। श्री यादव ने बताया कि 20 मार्च को कांग्रेस नेता एवं छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुलनाथ के मुख्य आतिथ्य में कांग्रेस द्वारा वीरांगना रानी अवंतीबाई को लेकर कार्यक्रम आयोजित था। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद श्री नाथ ने संक्षिप्त उद्बोधन देने को कहा और जब लाखन सिंह पटैल उद्बोधन दे रहे थे तभी मुख्य अतिथि नकुलनाथ के कहने पर मैने लाखन सिह पटैल को संक्षिप्त उद्बोधन देने की बात की। इस पर वो आक्रोशित होकर अपशब्द कहने लगे किन्तु यह बात यहां खत्म हो गई। परंतु कार्यक्रम समापन के बाद जैसे ही मुख्य अतिथि और अन्य वरिष्ठ नेता मंच से उतरने लगे तभी लाखन पटैल और उनके साथी मेरे साथ धक्का-मुक्की कर मारपीट करने लगे। वहां मौजूद कुछ लोगों और पुलिस ने हस्तक्षेप कर मुझे बचाया। घटना की रिपोर्ट भी मैने कोतवाली थाने में दर्ज कराई है। श्री यादव ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई और बड़े संत महात्मा महापुरूष किसी जाति के नही होते वरन वे हम सबके लिए सम्मानीय और आदर्श हैं। पूर्व पार्षद चंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विकास और सामाजिक कार्यक्रमों में विशेष योगदान देने वाले लोधी समाज के अनेक लोगों को सम्मानित भी किया गया। श्री यादव ने पत्रकारों के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता इस घटना से दुखी हैं और मेरे साथ हैं और मैं कांग्रेस नेतृत्व से लाखन सिंह पटैल के खिलाफ कार्यवाही की मांग भी करता हूं।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला जनगणना अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह प्रशिक्षण जनपद कार्यालय परिसर नरसिंहपुर में स्थित ई-दक्ष केन्द्र में आयोजित किए जाएंगे।

हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पर सप्रे संग्रहालय में समारोह 25 को

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। हिन्दी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष समारोह श्रृंखला के अंतर्गत माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल में 25 मार्च, 2026 को सुबह 10 बजे महोत्सव का आयोजन किया गया है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। डा. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य-सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नईदिल्ली अध्यक्षता करेंगे। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलगुरु श्री विजयमनोहर तिवारी मुख्य वक्ता होंगे।उल्लेखनीय है कि 30 मई, 1826 को कोलकाता से पं. युगलकिशोर शुक्ल ने हिन्दी के पहले समाचारपत्र उदन्त मार्तण्ड का संपादन-प्रकाशन आरंभकिया था।

विश्व जल दिवस पर सम्पन्न हुई संगोष्ठी

पौधरोपण एवं पंचवटी का पूजन कर जल संरक्षण का दिया संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

विश्व जल दिवस के अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड चीचली के अंतर्गत सेक्टर क्रमांक- 2 बसुरिया में नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया द्वारा पंचवटी खेरुआ में जल गोष्ठी, पौधरोपण एवं पंचवटी वृक्ष पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृक्ष मित्र संस्था के संस्थापक श्री योगेन्द्र सिंह, बागेश्वरी साहित्य परिषद के मुख्तयार, श्री संतोष अग्रवाल, श्री आशीष गोलू राय, श्री राजेश पाल सहित नवांकुर संस्था के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम के अंतर्गत जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जल संकट एवं उसके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री योगेन्द्र सिंह ने बताया कि विश्व जल दिवस 2026 की थीम जल और लैंगिक समानता पर आधारित है तथा जल संवर्धन को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। श्री रामकृष्ण राजपूत ने जल है तो कल है का संदेश देते हुए जल संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। श्री संतोष अग्रवाल ने जल बचाओ अभियान पर गीत प्रस्तुत किया। श्री रीतेश मेहरा ने सभी को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उपस्थित जनों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। आभार प्रदर्शन श्री रामेश्वर वर्मा ने व्यक्त किया। इस आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति जनजागरूकता का प्रभावी संदेश दिया गया और सभी ने मिलकर जल बचाने का संकल्प लिया।

दो सौ से ज्यादा युवक-युवतियों ने मंच से दिया अपना परिचय

एक दर्जन के रिश्ते तय, माझी समाज ने बस स्टैंड ऑडिटोरियम में आयोजित किया परिचय सम्मेलन

कटनी (स्वतंत्रमत)

माझी समाज जिला कटनी द्वारा रविवार को युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन बस स्टैंड ऑडिटोरियम में किया गया। सम्मेलन में कटनी और बाहर से आये हुए विवाह योग्य दो सौ से ज्यादा युवक-युवतियों ने मंच से परिचय देकर सामाजिक एकता की मिसाल कायम की। इसके पहले भगवान गुहराज निषादराज की पूजा अर्चना की गई। पुरोहित राजकुमार बर्मन द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा सम्पन्न कराई गई। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर प्रीति संजीव सूरी की उपस्थिति रही। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने की। अन्य अतिथियों के रूप में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अमित शुक्ला, यशभारत के स्थानीय संपादक आशीष सोनी एवं राजीव गांधी कॉलेज रीठी के प्राचार्य वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुरेंद्र राजपूत की उपस्थिति रही। माझी समाज जिला कटनी के पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया। महापौर प्रीति सूरी ने कहा कि मांझी समाज द्वारा परिचय सम्मेलन का आयोजन अनुकरणीय पहल है। इस तरह के आयोजन समय समय पर होते रहना चाहिए, इससे समाज को मजबूती मिलती है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि महंगाई के इस दौर में परिचय सम्मेलन और आदर्श विवाह जैसे आयोजन आज की जरूरत बन गए हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता आती है। उन्होंने माझी समाज की पूरी टीम को साधुवाद दिया। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अमित शुक्ला ने कहा कि मांझी समाज द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन का आयोजन एक सराहनीय प्रयास है। ऐसे आयोजनों से समाज में अच्छा संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट रखने में इस तरह के आयोजन मील का पत्थर साबित होते हैं। आशीष सोनी ने कहा कि फिजूलखर्ची के इस दौर में परिचय सम्मेलन और आदर्श विवाह जैसे आयोजन समय की जरूरत बन गए हैं। महंगाई के इस दौर में कम खर्च में इस तरह के आयोजन में बड़ी संख्या में विवाह के आयोजन होते हैं। जो कि काबिले तारीफ है। राजीव गांधी कॉलेज के प्राचार्य डॉ सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि माझी समाज द्वारा पिछले 25 सालों से यह आयोजन किया जा रहा है। जो कि सराहनीय पहल है, इसके लिए माझी समाज की पूरी टीम बधाई की पात्र हैं।

आशीष रैकवार बने कार्यकारी अध्यक्ष- कार्यक्रम के दूसरे चरण में माझी समाज जिला कटनी की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की घोषणा की गई। समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों की सहमति से जिलाध्यक्ष महेश सोंधिया ने नगर अध्यक्ष अधिमान्य पत्रकार आशीष रैकवार को माझी समाज जिला कटनी का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किये जाने की घोषणा की। इसके उपरांत सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आशीष रैकवार का पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया। रैकवार ने अपने उदबोधन में इस नई जिम्मेदारी का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किये जाने की बात कही।

किशोरीलाल बर्मन एवं महेश सोंधिया सम्मानित

सम्मेलन के दौरान माझी समाज जिला कटनी के संरक्षक किशोरी लाल बर्मन दीवान का शाल श्री फल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। इसी क्रम में माझी समाज जिला कटनी के अध्यक्ष महेश सोंधिया को भी स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष राजेश निषाद, उप संचालक विजय सोंधिया एवं आभार प्रदर्शन कार्यकारी अध्यक्ष आशीष रैकवार ने किया। सम्मेलन में महेश सोंधिया, योगेश सोंधिया, सुखराम निषाद, किशोरी लाल बर्मन, वंशी लाल बर्मन, हरिओम बर्मन, संतोष केवट, रविकांत रैकवार, आशीष रैकवार, सचिन कश्यप, विजय सोंधिया, राजेश निषाद, अजय सोंधिया गार्ड, रमेश रैकवार, नितिन रैकवार, नारायण निषाद, राजकुमार सोंधिया, गोवर्धन बर्मन, पूरन सोंधिया, जवाहर निषाद, जितेंद्र सोंधिया, अजय बर्मन, सुरेश बर्मन, संतोष बर्मन, सोनू सोंधिया, अशोक वर्मा, सोमेंद्र बर्मन, प्रकाश चन्द्र रैकवार, घनश्याम बर्मन, किशन बर्मन, विष्णु रैकवार, आशीष बर्मन, ओमप्रकाश बर्मन, किरण सोंधिया, शिव कुमारी कश्यप, संगीता सोंधिया, अंजना निषाद, रेनू रैकवार, ग्लोरी कश्यप, हनी कश्यप, पुष्पांजलि सोंधिया, मुस्कान सोंधिया, निशा सोंधिया आदि की उपस्थिति रही।

जिले का एक ऐसा मंदिर, जहां नेत्र रूप में होती है मां की आराधना

कटनी (स्वतंत्रमत)

धार्मिक मान्यता यह है कि जो व्यक्ति मां दुर्गा की पूजा- आराधना सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से करता है उसे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। आज हम बात कर रहे हैं। कटनी से 28 किलोमीटर दूर बरही रोड स्थित है मां कंकाली धाम निगहरा की। नेत्र रूप में पूजी जाने वाली मां कंकाली का इतिहास बताते हुए गाँव के विभाष दुबे ने बताया कि कंकाली माता एक कुएं से प्रकट हुई थी। कहाँ जाता है कि गाँव में स्थित एक पुराने कुएं में बर्मन पानी भर रहा था पानी के साथ बाल्टी में मां प्रकट हो चुकी थी यह बात बर्मन को नहीं पता थी जिसके बाद बाल्टी का पानी घड़े में डाल दिया जो एक ब्राह्मण के घर पहुंच गई। रात में घड़े से गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी जिसके बाद ब्राह्मण ने इसकी सूचना गाँव वालों को दी सभी ने देखा कि घड़े में एक आंख चमक रही है निकालने पर देखा कि नेत्र जैसे आकार में पत्थर घड़े के पानी में ऊपर तैर रहा है। घड़ा रात में ढांक कर रख दिया गया। इसी दौरान रात में पंडे को मां ने स्वयं सपना दिया में इस गांव में आ चुकी हूं मेरी स्थापना पहाड़ में करवाओ सुबह होते ही यह खबर आस-पास के क्षेत्र में भी फैल गई निगहरा के ग्रामीणों ने विधि-विधान से मां कंकाली माता की स्थापना पहाड़ में कराई। पहाड़ी में नेत्र रुप में विराजी मां के धाम की प्रमुख विशेषता है हर वर्ष जवारा कलश बढ़ जाते हैं। मां की कृपा से अभिभूत हुए श्रद्धालुओं द्वारा कलश स्थापना कराएं जाते हैं। हर वर्ष 500-1000 कलश गिनती के बोए जाते हैं लेकिन 3-5 कलश बढ़ जाते हैं। विभाष दुबे, सचिन दुबे, तृप्ति दुबे, पुष्पलता दुबे आदि ने बताया कि कई बार इस रहस्य को जानने का प्रयास किया गया, लेकिन आज तक किसी को पता नहीं चला। यह मंदिर करीब 80 वर्ष से अधिक समय से बना है ऐसे धाम में ब्रम्ह मूहूर्त से 300 सीढ़ी चढ़कर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं का तांता लगा होता है।

ईद-उल-फितर की खुशियों में शामिल हुआ कांग्रेस परिवार

कटनी (स्वतंत्रमत)। आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक पावन पर्व ईद-उल-फितर पूरे शहर में हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला ने कांग्रेस साथियों के साथ आदर्श कॉलोनी स्थित बड़ी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम भाईयों को गले लगाकर ईद की दिली मुबारकबाद दी। इसके पश्चात उन्होंने मुस्लिम धर्मावलंबियों के निवास पर जाकर भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं और भाईचारे का संदेश दिया। अमित शुक्ला ने कहा कि ईद-उल-फितर केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, एकता और सद्भाव का प्रतीक है, जिसे सभी धर्मों और समुदायों के लोग

मिलजुलकर मनाते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजा जगवानी, डॉ. नरेंद्र राय, मुन्ना कुशवाहा, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, जाफर भाईजान, कैयूम भाईजान, दानिश, गुड्डु भाई, अभय खरे एवं समस्त कांग्रेस परिवार उपस्थित रहा। आइए, हम सब मिलकर प्रेम, सौहार्द और एकता की इस परंपरा को और मजबूत बनाएं।

आसरा बाल गृह का निरीक्षण

योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा-शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

संभागायुक्त जबलपुर धनंजय सिंह के निर्देशानुसार शनिवार को संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास, जबलपुर उषा सिंह सोलंकी ने कटनी प्रवास के दौरान आसरा बाल गृह का निरीक्षण किया तथा विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक ने जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय के साथ बाल गृह का जायजा लिया। इस दौरान बाल गृह में 35 बच्चे दर्ज पाए गए। उन्होंने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने और उनके बेहतर पुनर्वास के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। साथ ही प्री-एडॉप्शन से वापस आए बालक शिवा के पुनर्वास के लिए पुनः प्रयास तेज करने के लिए भी कहा। इसके पश्चात महिला एवं बाल विकास विभाग के विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिन योजनाओं में प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई, उनमें शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में जमीनी स्तर पर योजनाओं के संचालन में आ रही समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई और उनके व्यावहारिक समाधान सुझाए गए। संयुक्त संचालक ने सभी अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देने के निर्देश दिए।

सपना नामदेव दुबे की अद्भुत कोरियोग्राफर को सराहा मुख्यमंत्री ने

कटनी (स्वतंत्रमत)

विगत दिवस 20 मार्च को राजधानी भोपाल में योग ध्यान भावनात्मक संतुलन के विभिन्न विषयों पर अंतरराष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर संगोष्ठी पर आयोजित आनंद के आयाम कार्यक्रम पर कटनी शहर की अंतरराष्ट्रीय नृत्यांगना डॉ सपना नामदेव दुबे को राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग म.प्र. शासन द्वारा आमंत्रित किया गया था डॉ. सपना नामदेव अपनी वरिष्ठ नृत्य शिष्याओं के साथ उक्त कार्यक्रम में उपस्थित हुई द्य डॉ सपना नामदेव दुबे एवं आशीष दुबे द्वारा ध्यान योग एवं भवनात्मक संतुलन के विभिन्न विषयों पर नुक्कड़ नाटक की शानदार कोरियोग्राफी की गई थी जिसका प्रदर्शन मुख्यमंत्री की मुख्य आतिथ्य में किया गया तत्पश्चात आदिवासी समूह नृत्य का कार्यक्रम भी उनकी वरिष्ठ शिष्य नृत्यांगनाओ द्वारा किया गया उस कार्यक्रम में नन्ही नृत्यांगना कु. अन्या दुबे ने खूब बाहवाही लूटी। इस कार्यक्रम में गीतांजलि संगीत महाविद्यालय कटनी की ओर से कु. आन्या दुबे, संस्कृती चौरसिया, नैन्सी सिंह, मेघा सिंह सेमा, कृषि वर्मन, राशि सोनी, आँचल चिकवा, ओशी अग्रवाल एवं गायन, तबला संगतकार के रूप में करणवीर सिंह तोमर, अनुराग श्रीवास्तव, अंकित चौबे, आदर्श गौतम, अंजलि सिंह, गायत्री सिंह डॉ सपना नामदेव दुबे के साथ उपस्थित हुए। उक्त मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के स्वागत श्रृंखला एवं डॉ. सपना नामदेव दुबे एवं आशीष दुबे द्वारा नुक्कड़ नाटक पर की गई शानदार कोरियोग्राफी पर शिष्य नृत्यांगनाओं द्वारा किए गए प्रस्तुति करन को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा सराहना करते हुए डॉ सपना नामदेव दुबे के अल्प मुलाकात कर चर्चा की। डॉ सपना नामदेव दुबे ने निर्देशक राज्य आनंद संस्थान भोपाल सत्यप्रकाश आर्य एवं राजेश पटेल एवं अरविंद पटेल का धन्यवाद प्रेषित किया है जिन्होंने उक्त कार्यक्रम हेतु उन्हें आमंत्रित किया।

गणगौर महोत्सव पर प्रसाद का वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)

राजस्थानी मारवाड़ी समाज का प्रमुख एवं पवित्र पर्व गणगौर महोत्सव प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जो राजस्थान भवन, गार्ग चौराहा से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई जगन्नाथ मंदिर पहुंची। जहां मंदिर परिसर में बनाए गए अस्थायी कुंड में विधि-विधानपूर्वक मां गणगौर का विसर्जन किया गया। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से भोजन प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। श्री राजस्थानी मंडल द्वारा जगन्नाथ मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शहर के अनेक स्थानों पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं एवं स्वजातीय बंधुओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। यह संपूर्ण कार्यक्रम राजस्थान महिला मंडल के तत्वावधान में संयुक्त रूप से श्री राजस्थानी मंडल कटनी, श्री राजस्थान विवाह भवन ट्रस्ट कमेटी एवं राजस्थान नवयुवक मंडल (रजि.) कटनी द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

28 मार्च को शहर में निकलेगी भव्य श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा रविवार को श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर में रामजन्म उत्सव शोभायात्रा के संबंध में रामसभा आयोजित की गई। जिसमें आगामी 28 मार्च को होने वाली भव्य श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा के आयोजन को लेकर चर्चा की गई रामसभा में आशीष गुप्ता (बाबा) सचिव हिंदू उत्सव सेवा समिति एवं प्रमोद सरावगी संयोजक श्री राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। दीपक टंडन सोनी भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सुकृति जैन एवं शहर प्रबुद्ध नागरिक भगवान दास माहेश्वरी एवं झमटमल थारवानी एवं अनेक जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार प्रकट किए एवं भारी संख्या में लोगों ने इस राम सभा में उपस्थित होकर अपने-अपने- सुझाव दिए। इस राम सभा में आभार प्रदर्शन प्रमोद सरावगी ने किया। राम सभा के समापन पर सभी को प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ घंटाघर से प्रारंभ होकर हीरा गंज, कपड़ा बाजार, गोल बाजार रामलीला मैदान से होते हुए श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, मेन रोड जुलूस मार्ग से झंडा बाजार, शेर चौक, आजाद चौक होते हुए गाटरघाट श्री समीर पर पहुंच कर संपन्न होगी।

नारी सबला है अबला नहीं, ये समाज भी चलता है नारी के बल से

कटनी (स्वतंत्रमत)

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था अभिव्यक्ति सिहोरा के तत्वावधान में वरिष्ठ कवि अश्विनी पाठक की अध्यक्षता में एवं नारायण तिवारी के संचालन में आयोजित काव्य गोष्ठी में नगर के साहित्यकारों ने अपनी सहभागिता दर्ज की। माँ वीणा पाणी की चरण वंदना के पश्चात गोष्ठी का आगाज करते हुए सुभाष सिंह ठाकुर ने कहा- हरित क्रांति वाला कहाता महान, दबा कर्ज में है अभी भी किसान। डॉ प्रद्युम्न मिश्र ने कहा- मिलावट का खाते-खाते लहू मिलावटी है। चंद्रकिशोर श्रीवास्तव चंदन ने कहा- विश्वास कीजिए मैं गुनहगार नहीं हूँ, हो कर के बावफा भी वफादार नहीं हूँ। अनिल मिश्र ने कहा- नगर पालिका के नल को निचोड़ते हैं हम, निकल आता है बूँद-बूँद पानी। हास्य कवि शरद जायसवाल ने कहा- वो बाज़ार से लाया पत्नी प्रेशर नापने की मशीन, सपेरे वाली बीन। तथा स्थानीय नारायण तिवारी ने कहा- जीवन की नदिया की तेज बड़ी धार, कर देना माँ मेरी नैया तू पार।, मुकेश त्रिपाठी ने कहा- सत्य के ऊपर चढ़ा है झूठ का ही आवरण। विजय बागरी ने कहा- होली में इस बार भी दारू बिकी अकूत। वरिष्ठ कवि अश्विनी पाठक ने कहा- भावनाओं सी तरल हैं बेटियां, सिंधु सी गहरी अटल हैं बेटियां। सुशील जैन ने कहा- सादगी को मिले ताजगी रोज खुशियाँ करे बंदगी। शिवम शर्मा ने कहा- तुम धूमण गति हो वसुधा की अभिराम चलो अभिराम चलो। अरुणा पाण्डेय ने कहा- उठती हैं लपटें धुआँ ही धुआँ है। आशा जैन ने कहा- ऊंचाई पर खड़े ये वृक्ष बहुत बौने लगते हैं याचक बन कर किरण सूर्य का झुक कर वंदन करते हैं।, डॉ श्रीकृष्ण तिवारी ने कहा- कभी भी ना सच बात ये भूल जाना, जो आया है यहाँ उसका निश्चय है जाना। सुशील शर्मा ने कहा- जय जवान जय जय किसान जय बोलो विज्ञान की। सुषमा खरे ने कहा- नारी सबला है अबला नहीं, ये समाज भी चलता है नारी के बल से। आशा अवस्थी ने कहा- अम्मा की अलमारी लगती थी प्यारी। लक्ष्मी नारायण पटेल ने कहा- जल दिवस पर है मेरा मशविरा जो उतरता फीसदी सौ और पक्का है खरा। एडवोकेट रमेश पटेल ने चोर और ताले की महत्ता पर अपने विचार रखे। इस आयोजन में अखिलेश द्विवेदी की विशेष उपस्थिति रही। आभार मुकेश त्रिपाठी ने व्यक्त किया।

कल होगा शिक्षकों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)

वर्षों से सेवारत शिक्षकों, जिनकी नियुक्ति संवैधानिक नियमों के आधार पर हुई थी, पर सशर्त टीईटी परीक्षा थोपे जाने एवं अनिवार्य सेवानिवृत के विरोध में पूरे देश एवं प्रदेश में व्यापक आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में जिले में कल शिक्षकों का ऐतिहासिक प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले का प्रत्येक शिक्षक सहभागी बनेगा। टेट संघर्ष समिति एवं राज्य शिक्षक संयुक्त मोर्चा के रमाशंकर तिवारी ने बताया कि शिक्षकों की नियुक्ति के 10-12 वर्ष बाद बने नियमों के लिए उस समय नियुक्त शिक्षक कैसे उत्तरदायी हो सकते हैं। ऐसे शिक्षकों पर सशर्त परीक्षा लागू करना अन्याय की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि शासन को यह नियम तत्काल वापस लेकर शिक्षक अधिकारों का संरक्षण करना चाहिए। समिति ने बताया कि जिले के समस्त कर्मचारी संगठनों का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। साथ ही जिले के सभी विधायक एवं जनप्रतिनिधियों ने भी शिक्षकों की मांग को न्यायोचित बताते हुए अपना समर्थन दिया है, जिसके लिए समिति ने उनका आभार व्यक्त किया है। टेट संघर्ष समिति एवं राज्य शिक्षक संयुक्त मोर्चा के संयोजक आशीष उरमलिया, अध्यक्ष शिवदास यादव, नवनीत चतुर्वेदी, जे पी हल्दकार, संजय मिश्रा, अखिलेश पांडेय, रामाधार सोनू सरावगी, रीना साहू, राम बाई कोल, वंदना त्रिपाठी एवं दमयंती डेहरिया ने सभी शिक्षकों से अपील की है कि वे अधिकतम संख्या में उपस्थित होकर अपने अधिकारों की आवाज़ को मजबूत करें।

राजस्थान रॉयल्स में सैम करन की जगह दासुन शनाका की होगी एंट्री

नई दिल्ली (वार्ता)

पाकिस्तान सुपर लीग से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया, हाँ, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज़ बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था। शनाका हाल के दिनों में पीएसएल से आईपीएल में शिफ्ट होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। ज़िम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजराबानी ने इस्लामाबाद यूनाइटेड

के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करके कोलकाता नाइट राइडर्स जॉइन कर लिया था, जिन्होंने उन्हें मुस्तफ़िज़ुर रहमान की जगह साइन किया था। पीएसएल से आईपीएल में जाने का मशहूर मामला, बेशक, पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश का था, जब उन्होंने पेशावर ज़ालमी का ऑफर ठुकराकर मुंबई इंडियंस जॉइन कर लिया था। पीएसएल ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और उन्हें एक साल के लिए बैन कर दिया। हालांकि, आईपीएल के साथ लीग शेड्यूल करने की उसकी पॉलिसी- जाहिर तौर पर विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी पक्का करने के लिए- उल्टी पड़ती दिख रही है, विदेशी खिलाड़ियों ने आईपीएल का मौका मिलने पर पीएसएल से नाम वापस ले लिया। राजस्थान रॉयल्स का दासुन शनाका को चुनना कोई हैरानी की बात नहीं है। हेड कोच कुमार संगकारा श्रीलंकाई हैं, जबकि असिस्टेंट कोच विक्रम राठौर ने टी20 वर्ल्ड कप के दौरान बैटिंग कोच के तौर पर श्रीलंका के साथ काम किया था, जब शनाका देश के कैप्टन थे। हालांकि कोहोस्ट सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन शनाका ने टूर्नामेंट में दो हाफ-सेंचुरी लगाकर सबको इम्प्रेस किया।

केकेआर ने प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक

अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है- यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्य कार्यकारी बिंदा डे ने कहा, प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा।

33 कोच को मिली शूटिंग की ट्रेनिंग

जमशेदपुर (वार्ता)

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन के साथ मिलकर आज अपना सात दिन का नेशनल कोच कोर्स सफलतापूर्वक खत्म किया। इससे भारत में शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए जमीनी स्तर पर कोचिंग को मजबूत करने और साइंटिफिक तरीके से चलने वाला इकोसिस्टम बनाने का उसका कमिटमेंट और पक्का हुआ। इस कोर्स में 5 अलग-अलग राज्यों के 33 कोच शामिल हुए, जिनमें झारखंड के 19 कोच भी शामिल थे। एक कॉम्प्रिहेंसिव और इंटेंसिव ट्रेनिंग प्रोग्राम के तौर पर डिज़ाइन किया गया यह कोर्स टेक्निकल एक्सीलेंस को स्पोर्ट्स साइंस, कोचिंग मेथड और प्रैक्टिकल एप्लीकेशन के साथ जोड़ता है, जिससे सभी पार्टिसिपेंट्स के लिए एक होलिस्टिक लर्निंग एक्सपीरियंस पक्का होता है। टेक्निकल सेशन ओलंपियन और इंडियन टीम के कोच संजीव राजपूत और इंडियन टीम की कोच विद्या जादव ने लीड किए। इन सेशन में वेपन हैंडलिंग, शूटिंग टेक्नीक, एयर करेक्शन और कॉम्पिटिशन की तैयारी जैसे मुख्य पहलुओं पर फोकस किया गया, जिससे कोचों को एलीट लेवल के एक्सपीरियंस और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड से सीधी जानकारी मिली।

अनाहत और अभय इंडियन ओपन स्क्वैश के फाइनल में

मुम्बई (वार्ता)

भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पीएसए स्पर्धा में खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफ़ाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 से हराया। फाइनल में, 17 साल की यह भारतीय खिलाड़ी दूसरी सीड हाना मोअताज का सामना करेंगी, जिन्होंने दूसरे महिला सेमीफाइनल में अपनी हमवतन मिस्र की खिलाड़ी नादिन एलहम्ममी को 3-1 से हराया था। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। बिना सीड वाले चंद्रन ने मुकाबले के ज़्यादातर हिस्से में अभय को कड़ी टक्कर दी; दोनों खिलाड़ियों ने एक रोमांचक मुकाबले में जोरदार फोरहैंड और चालाकी भरे एंगल का इस्तेमाल किया। अभय ने जोरदार शुरुआत की और पहले गेम में 9-4 की बढ़त बना ली, लेकिन चंद्रन ने लगातार पांच पॉइंट जीतकर वापसी की और उलटफ़ेर की धमकी दी, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और बढ़त हासिल कर ली। दूसरा गेम शुरू से आखिर तक बराबरी पर रहा। 8-9 से पीछे चल रहे चंद्रन ने सही समय पर ज़ोर लगाया, लगातार तीन पॉइंट जीतकर गेम अपने नाम किया और स्कोर बराबर कर लिया। दूसरी सीड वाले अभय ने तीसरे गेम में जोरदार वापसी की। चौथा गेम एक और कड़ी परीक्षा साबित हुआ, जब वह एक समय 2-6 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 7-7 से बराबरी की और आखिरकार मैच जीतकर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। फाइनल में, अभय का मुकाबला हमवतन वीर चोत्रानी (चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी) से होगा। वीर ने मलेशिया के संजय जीवा को 3-1 से हराकर खिताब के लिए अपनी जगह पक्की की।

मशहूर चेपॉक स्टेडियम में हुआ सीएसके का मेगा फैन शो

चेन्नई (वार्ता)। पहले कभी न देखे गए सेलिब्रेशन में, पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का रोअर26 - अपनी तरह का पहला मेगा फैन इवेंट रविवार शाम को यहां मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुआ। युगों के एक ऐतिहासिक मेल में, ओजी सुपर किंग्स, जिसकी लीडरशिप सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, मैथ्यू हेडन, मुरली विजय और एस बद्रीनाथ जैसे खिलाड़ी कर रहे थे, अपने मशहूर मैदान पर फिर से इकट्ठा हुए और मौजूदा सीएसके टीम का सामना हाई-एनर्जी, पहले कभी न देखे गए मैचों की एक सीरीज में किया। इस शाम को मशहूर ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाले म्यूज़िक डायरेक्टर ए.आर. रहमान ने एक स्पेशल लाइव परफॉर्मेंस भी दी, जिससे चेपॉक म्यूज़िक और रोशनी से जगमगाता हुआ अखाड़ा बन गया, और इसे सेलिब्रेशन और फैंस के जबरदस्त एक्सपीरियंस से भर दिया, जिससे ज़िंदगी भर यादें बनीं। सीएसके के एमडी कासी विश्वनाथन ने कहा कि यह मेगा सेलिब्रेशन सिर्फ़ एक इवेंट नहीं है; यह सीएसके के सफर और फैंस के अटूट प्यार को एक ट्रिब्यूट है। पुराने जमाने के यादगार पलों से लेकर भविष्य के वादे तक, यह एक ऐसी रात थी जहाँ क्रिकेट और एंटरटेनमेंट का सबसे शानदार तरीके से मिलन हुआ, जिसमें यादगार पल, दोस्ताना मुकाबले और रात को रोशन करने वाली ढेर सारी येलो लाइटें देखने को मिलीं और दर्शकों को दो घंटे से ज़्यादा समय तक बांधे रखा।

एशियन लीजेंड्स लीग की ट्रॉफी का अनावरण

2 जून से होगी सीजन 2 की शुरुआत

रुद्रपुर (वार्ता)

एशियन लीजेंड्स लीग ने रविवार को रुद्रपुर में अपनी आधिकारिक ट्रॉफी का अनावरण किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों वाले बहुप्रतीक्षित सीजन के लिए मंच तैयार हो गया है। एशियन लीजेंड्स लीग का दूसरा सीजन 2 जून से शुरू होगा। इस समारोह में तिषारा परेरा, असगर अफगान, ऋषि धवन और एंजेलो परेरा सहित कई प्रमुख क्रिकेटर और अन्य जाने-माने खिलाड़ी शामिल हुए, जिससे इस अवसर की रौनक और बढ़ गई। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, तिषारा परेरा ने टूर्नामेंट के प्रति अपने अनुभव और उत्साह को साझा किया। उन्होंने कहा, हमारा पिछला सीजन बहुत अच्छा रहा था, और इतनी प्रतिस्पर्धी और सुव्यवस्थित लीग का हिस्सा बनना एक शानदार अनुभव था। मैं आने वाले सीजन के लिए भी सचमुच उत्साहित हूँ। क्रिकेट का स्तर, खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल

और प्रशंसकों का जुनून इस लीग को खास बनाते हैं। हम इस बार और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। ऋषि धवन ने प्रशंसकों के समर्थन के महत्व पर ज़ोर दिया और अपनी टीम पर भरोसा जताते हुए कहा, प्रशंसकों ने हमेशा हमारा जबरदस्त समर्थन किया है, खासकर भारतीय टीम का, और उस ऊर्जा से मैदान पर बहुत बड़ा फर्क पड़ता है। उम्मीद है कि इस सीजन में भी हमें वैसा ही प्यार और प्रोत्साहन मिलता रहेगा। हम उन्हें गौरवान्वित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य रखेंगे। लीग के निदेशक नीरज कुकरेजा ने भी टूर्नामेंट के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा, एशियन लीजेंड्स लीग की नींव इस विचार पर रखी गई है कि पूरे एशिया के अनुभवी और मशहूर क्रिकेटरों को एक मंच पर लाया जाए। खिलाड़ियों और प्रशंसकों से मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है। ट्रॉफी के अनावरण के साथ, हमने एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है, और हम एक ऐसी लीग पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो पेशेवरपन, प्रतिस्पर्धा और मनोरंजन के उच्च मानकों को बनाए रखे। एशियन लीजेंड्स लीग में छह टीमें शामिल होंगी- इंडियन रॉयल्स, श्रीलंकन लायंस, अफगानिस्तान पठान, एशियन स्टार्स, पाकिस्तान पैंथर्स और बांग्लादेश टाइगर्स। ये टीमें पूरे महाद्वीप से क्रिकेट प्रतिभाओं के विविध मिश्रण का प्रतिनिधित्व करेंगी। एशियन लीजेंड्स लीग जून 2026 में खेली जाएगी। युद्ध की स्थिति के कारण खाड़ी देशों की टीमें इसमें हिस्सा नहीं ले पाएंगी।

चीनी की मिठास बढ़ी दाल बिगाड़ेगा स्वाद

नई दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं, खाद्य तेल और दालों में भी तेजी रही। वहीं, चीनी में गिरावट का रुख देख गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 26 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,809 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 25 रुपये महंगा होकर 2,819 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे का भाव सात रुपये गिरकर 3,294 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दालों की कीमत में भी तेजी रही। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 103 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल 99 रुपये और मूंग दाल 53 रुपये महंगी हुई। चना दाल का भाव 21 रुपये और मसूर दाल का आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। बीते सप्ताह विदेशी में बढ़ी कीमत के कारण पाम ऑयल में औसतन 380 रुपये प्रति क्विंटल का उछाल देखा गया। सूरजमुखी तेल 217 रुपये और मूंगफली तेल 192 रुपये महंगा हुआ। सोया तेल की कीमत 152 रुपये और वनस्पति की 142 रुपये बढ़ी। सरसों तेल भी 59 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव 59 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। दूसरी तरफ चीनी 10 रुपये सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव दाल चना 7713.61 रुपये, मसूर काली 8046.33 रुपये, मूंग दाल 10192.14 रुपये, उड़द दाल 10854.77 रुपये, तुअर दाल 11240.99 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं दड़ा 2818.70 रुपये और चावल 3808.71 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3293.53 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4317.42 रुपये और गुड़ 5034.57 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17704.37 रुपये, मूंगफली तेल 18772.29 रुपये, सूरजमुखी तेल 17287.76 रुपये, सोया तेल 14390.94 रुपये, पाम ऑयल 13460.36 रुपये और वनस्पति 14718.92 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को स्थिर बने रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.54 रुपये, चेन्नई में 100.84 रुपये और कोलकाता में 105.45 रुपये प्रति लीटर है। डीजल मुंबई में 90.03 रुपये, चेन्नई में 92.39 रुपये और कोलकाता में 92.02 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने के अलावा रुपये में लगातार जारी गिरावट से भी तेल विपणन कंपनियों पर दाम बढ़ाने का दबाव है। हालांकि फिलहाल वे ग्राहकों पर ज्यादा भार नहीं देना चाह रही हैं।

स्थिति तो चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सरकार पर विश्वास: सीआईआई

नई दिल्ली (वार्ता)

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत में भी स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है, लेकिन सरकार द्वारा किया जा रहे प्रयासों के कारण देश इन झटकों से उबरने में कामयाब रहेगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने आज एक बयान जारी कर कहा कि भारत मूकदर्शक बनकर नहीं बैठा है, बल्कि अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता ले रहा है और रोजगार की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहा है। सरकार ने इन परिस्थितियों में उद्योगों को मदद देने के लिए कई उपाय किये हैं। खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के लिए सरकार निरंतर दूतावासों के माध्यम से सहायता मुहैया करा रही है।

श्री बनर्जी ने कहा, हालांकि स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है, हमें विश्वास है कि सरकार का समग्र दृष्टिकोण और सभी हितधारकों के साथ उसकी साझेदारी-आधारित सहभागिता देश को इस झटके से उबरने और अपनी आर्थिक प्रगति को बनाये रखने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि चुनौती बड़ी है और सीआईआई सरकार और उद्योग के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की निगरानी, कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों की कमी को दूर करने का काम जारी रखे हुए है। बयान में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में जारी ईरान युद्ध के कारण महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बाधित हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा बाजारों तथा आयात-निर्यात पर दबाव है। भारतीय कंपनियां भी इससे अछूती नहीं हैं। एक ओर शिपमेंट में देरी हो रही है और दूसरी तरफ प्रमुख ऊर्जा आपूर्ति संबंधी बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। कई क्षेत्रों में आवश्यक कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों की कमी हो गयी है। सीआईआई ने इस बात को भी रेखांकित किया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और इसलिए भारत इन चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। उसने कहा है कि भारत को टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा की ओर अपने परिवर्तन को तेज करना चाहिये। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन और ऊर्जा दक्षता में निवेश न केवल जलवायु की दृष्टि से जरूरी हैं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकताएं भी हैं, जो भू-राजनीतिक ऊर्जा झटकों के प्रभाव को कम करती हैं।

तेल में आग की आंच से तपेंगे शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। बीते सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आंकलन कर रहे हैं। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृहद आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है, लेकिन युद्ध से पहले फरवरी में आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में सुस्ती देखी गयी है। पिछले सप्ताह बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहा। पांच कारोबारी दिवसों में से चार में प्रमुख सूचकांक हरे निशान में रहे, लेकिन गुरुवार की सवा तीन फीसदी की गिरावट के कारण साप्ताहिक आंकड़े नकारात्मक रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 30.96 अंक (0.04 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में शुक्रवार को 74,532.96 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 36.60 अंक यानी 0.16 फीसदी टूटकर 23,114.50 अंक पर रहा। मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.32 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में बंद हुआ। स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 1.11 प्रतिशत की गिरावट रही। बीते सप्ताह सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर 7.55 प्रतिशत, टाटा स्टील का 7.25, टेक महिंद्रा का 3.98, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 3.87 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 3.02 प्रतिशत मजबूत हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.46 फीसदी, भारती एयरटेल में 2.38 प्रतिशत, ट्रेंट में 2.15 और भारतीय स्टेट बैंक में 1.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गयी।

खाड़ी क्षेत्र में व्यवधान से वैश्विक आपूर्ति संकट का भारत पर भी पड़ेगा असर: रिपोर्ट

नई दिल्ली (वार्ता)

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे क्षेत्रों पर पड़ सकता है। डैम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गयी है। रिपोर्ट के अनुसार, हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैफ्था, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत

से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है। भारत के संदर्भ में रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकते हैं। प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है। उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को पैकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव झेलना पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं।

मप्र बनेगा अंतरिक्ष तकनीक का प्रमुख केंद्र : मुख्यमंत्री

निवेश, नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा, युवाओं के लिए खुलेंगे उच्च कौशल रोजगार के नए अवसर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति-2026 लागू की है। यह नीति स्पेसटेक नवाचार, विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीक आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देकर प्रदेश को भारत की तेजी से विकसित हो रही अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है और भारत इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश अपनी मजबूत औद्योगिक संरचना, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, डिफेंस कॉरिडोर और उभरते टेक्नोलॉजी इको सिस्टम के कारण स्पेसटेक निवेश के लिए एक अनुकूल और आकर्षक गंतव्य बन रहा है। यह नीति प्रदेश की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को भविष्य उन्मुख तकनीकी नेतृत्व में बदलने का एक दूरदर्शी प्रयास है, जो युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेगी और प्रदेश को स्पेसटेक सेक्टर में नई पहचान दिलाएगी। स्पेसटेक नीति-2026 अंतरिक्ष क्षेत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी क्षेत्रों के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है।इसमें सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल कंपोनेंट निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग, मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस और एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।नीति में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा और युवाओं को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्पेसटेक क्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा।

अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा नया आधार

नीति में स्पेसटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जहां अनुसंधान, नवाचार, प्रोटोटाइप विकास और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्मालसेट डिजिटल ट्विन लैब एण्ड स्पेस इनोवेशन सैंडबोक्स जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। उज्जैन में खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित कर प्रदेश की वैज्ञानिक विरासत को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा।

स्टार्ट-अप और उद्योगों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन

नीति में स्टार्टअप्स को 75 लाख रुपये तक आइडिया-टू-प्रोटोटाइप अनुदान, एक करोड़ रुपये तक टेक्नोलॉजी अधिग्रहण सहायता और 200 करोड़ रुपये का रणनीतिक फंड निवेश, राज्य भागीदारी कोष से उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही एक पेटेंट पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, परीक्षण सुविधाओं के लिए 1 करोड़ रुपये तक सहायता और इसरो, इन-स्पेस और आईएसओ प्रमाणन के लिए 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 10 लाख रूपये) का प्रावधान किया गया है। डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव और इनक्यूबेशन सुविधाओं के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

कौशल विकास से तैयार होगा भविष्य का कार्यबल

स्पेसटेक सेक्टर में योग्य मानव संसाधन तैयार करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 20 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। छात्रों को 6 माह तक 10 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। साथ ही कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के लिए 50 हजार रुपये तक सहायता और शोधकर्ताओं के लिए स्पेसटेक फेलोशिप का भी प्रावधान किया गया है।

विश्वस्तरीय अधोसंरचना का होगा विकास

नीति में स्पेसटेक उद्योगों को 40 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान (अधिकतम 150 करोड़ रुपये) दिया जाएगा। महिला उद्यमियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा। स्पेस सिस्टम एवं एप्लीकेशन पार्क, परीक्षण प्रयोगशालाएं, क्लीन रूम और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग आधारित डेटा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। परीक्षण सुविधाओं के लिए 15 करोड़ रुपये तक अनुदान और स्टार्ट-अप एवं एमएसएमई को परीक्षण लागत पर 30 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति भी दी जाएगी।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मिलेगा बढ़ावा

स्पेसटेक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 'अंतरिक्ष विहार' स्पेस एक्सप्लोरेशन पार्क स्थापित किया जाएगा। 'मिशन कल्पना' में स्कूल विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसरो के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (युविका) में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सहयोग दिया जाएगा और चयनित विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

निवेशकों के लिए सुगम प्रक्रियाएं

नीति के क्रियान्वयन के लिए एमपीएमईडीसी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। निवेशकों और स्टार्टअप्स को सिंगल विंडो क्लीयरेंस, ऑनलाइन पंजीयन और सरल प्रक्रियाओं के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेसटेक नीति-2026 प्रदेश में निवेश आकर्षित करने, उद्योगों को नई गति देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह नीति मध्यप्रदेश को अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

टीईटी निरस्त कराने राज्यमंत्री एवं विधायक को सौंपा ज्ञापन

दमोह (स्वतंत्र मत)

टीईटी परीक्षा निरस्त कराने की मांग को लेकर सांसदों, विधायकों, तक अपनी बात को पहुंचाने के अभियान के अंतर्गत 21 मार्च को अध्यापक शिक्षक संगठनों के संयुक्त मोर्चा ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी को तथा दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया पूर्व वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन के माध्यम से अनुरोध किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के कारण 20 से 30 वर्षों से कार्यरत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता किए जाने से प्रदेश और देश के सभी कार्यरत शिक्षक अत्यधिक मानसिक तनाव है और वे अपने भविष्य के संकट को लेकर चिंतित हैं। आप केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हमारी इस पीड़ा से अवगत कराने का कष्ट करें। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने हेतु मुख्यमंत्री से भी अनुरोध करने का कष्ट करें एवं शिक्षा विभाग द्वारा जारी टीईटी परीक्षा संबंधी आदेश को स्थगित करें। राज्यमंत्री ने कहा कि मप्र की सरकार शिक्षकों के साथ है आपकी भावनाओं और मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाया जाएगा। किसी भी शिक्षक को किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहींए सभी संभावित आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया ने कहा कि मैं शिक्षकों के साथ हूंए मध्य प्रदेश की सरकार शिक्षकों के प्रति बहुत संवेदनशील है। ज्ञापन देने वालों में राज्य शिक्षक संघ के प्रांत अध्यक्ष मनोहर दुबे, शासकीय शिक्षक संगठन के ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र मिश्रा, संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष एमएल सरैया, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के संयोजक महेंद्र दीक्षित, कार्यकारी अध्यक्ष अभय भट्ट, प्रवक्ता विपिन चौबे, लोकेश सेन, राजेश जैन, सुखनंदन साहू मनोहर ठाकुर, सुशीला उपाध्याय, रीता मारिया, रश्मी ठाकुर, नीलू श्रीवास्तव, सुशीला ठाकुर तथा जबेरा, तेंदूखेड़ा के शिक्षकों की उपस्थिति रही।

इम्तियाज चिश्ती को भोपाल में मिला प्रतिभा सम्मान

दमोह (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सामाजिक संस्था तनवी महिला विकास कल्याण समिति द्वारा ब्यूटी सेमिनार एण्ड वूमेन पॉवर अवॉर्ड समारोह आयोजित किया गया था जिसमें प्रदेश की टॉप ब्यूटीशियन सहित सफल बिजनिस मैन और प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को अवॉर्डच से नवाजा गया। यह पुरस्कार प्रसिद्ध इंडियन टेलीविजन अभिनेत्री कॉनची सिंह द्वारा दिया गया। प्रदेश की प्रतिभाओं को यह सम्मान हासिल हुआ जिसमें दमोह से पत्रकारिता के क्षेत्र में इम्तियाज चिश्ती को प्रतिभा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह भोपाल के निजी होटल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में फैशन डिजाइनर, मैकअप आर्टिस्ट और समाज सेवियों सहित प्रदेश के अनेक जिलों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम भोपाल की तनवी महिला विकास कल्याण समिति द्वारा आयोजित किया गया था।

सांसद और मंत्री ने किए विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)

दमोह जिले के तेजगढ़ में विकास कार्यों को संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद राहुल सिंह ने क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से कई परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया गया। पतलोनी गांव में 17.04 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन तालाब का लोकार्पण किया गया। यह तालाब स्थानीय किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। सिंचाई की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावाए ग्रामीणों के दैनिक उपयोग के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। साथ ही तेजगढ़ से तहसील मार्ग तक 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भूमिपूजन किया गया। इस सड़क के निर्माण से आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगा। खासकर बारिश के मौसम में जो समस्याएं ग्रामीणों को झेलनी पड़ती थीं उनसे काफी राहत मिलेगी। यह सड़क शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में लगातार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचें और किसानों तथा आम नागरिकों को बेहतर जीवन के अवसर मिलें। यह आयोजन क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा तथा क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

एमएलबी स्कूल की बाउंड्री पर अतिक्रमण का विरोध तेज

विहिप ने सौंपा ज्ञापन, स्थगन आदेश के बाद जारी निर्माण

हटा (स्वतंत्र मत)

पीएम श्री एमएलबी स्कूल के पीछे बाउंड्री से लगे शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर आम रास्ता बंद किए जाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। तहसीलदार न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने से नाराज विश्व हिंदू परिषद विहिप हटा ब्लॉक के पदाधिकारियों ने एसडीएम एवं तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अवरुद्ध मार्ग को तत्काल खुलवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि फिरोज पिता इसराइल खान, असलम उर्फ मोनू पिता इसराइल खान एवं रुखसाना बी पति इसराइल खान द्वारा एमएलबी स्कूल के पीछे लगभग 10 से 12 फीट चौड़े आम रास्ते एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में जुलाई 2025 में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसके बाद तहसील न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी किया था। बताया गया कि पूर्व में इसी मार्ग से स्कूल की छात्राओं के आवागमन के लिए गेट संचालित था जो निर्माण के कारण बंद हो गया है। इससे छात्राओं को लंबा रास्ता तय कर आना-जाना पड़ रहा है जिससे उनकी सुरक्षा और सुविधा प्रभावित हो रही है। विहिप पदाधिकारियों ने यह भी उल्लेख किया कि कलेक्टर दमोह सुधीर कौचर के निरीक्षण के दौरान संबंधितों के खिलाफकार्रवाई एवं परिसर के उपयोग पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बढ़े हैं। इसी प्रकरण में इकबाल पिता जव्वार खान की शिकायत पर तहसीलदार न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 0126/ब-121/2025-26 में 7 जुलाई 2025 को तीनों अनावेदकों के खिलाफ स्थगन आदेश जारी किया गया था। इसके बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधितों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं फिर भी वे शासकीय भूमि, आम रास्ते एवं स्कूल की बाउंड्री पर कब्जा कर निर्माण कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार न्यायालय ने विवादित स्थल पर स्थगन आदेश चस्पा कर निर्माण कार्य तत्काल बंद करने एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

अधिवक्ता प्रतिमा गुप्ता सम्मानित

दमोह (स्वतंत्र मत)

श्री जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर क्षेत्र की बेटी हाई एडवोकेट प्रतिमा पिता सतीश गुप्ता को उत्कृष्ट कार्य और जागरूकता में विशेष काम करने पर न्यायमूर्ति ने सम्मानित किया है। बता दे कि अधिवक्ता सम्मान पत्र हिंदी में कानूनी पेशेवरों के समर्पणए ईमानदारी और न्याय के प्रति उनकी सेवा को मान्यता देने के लिए एक औपचारिक पत्र है। यह आमतौर पर उनके उत्कृष्ट काम, बार एसोसिएशन में योगदान या समाज में कानूनी जागरूकता के लिए मिला है जो न्यायपालिका की रीढ़ माने जाते हैं। सम्मान मिलने पर एडवोकेट प्रतिमा गुप्ता ने बताया कि न्यायमूर्ति नोंगमेइकापम कोटिश्वर सिंह जन्म 1 मार्च 1963 भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं और मणिपुर से इस सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्होंने 18 जुलाई 2024 को शपथ ली। इससे पहले वे जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रह चुके हैं। जिन्होंने मुझे मंच से सम्मानित किया। मैं सभी का धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

18.48 लाख करोड़ रुपये पहुंचेगी जीएसडीपी

प्रदेश का 4.38 लाख करोड़ का बजट बढ़ाएगा आर्थिक विकास की गति

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में मोहन सरकार के अथक प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था 2026-27 में 18.48 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच जायेगी। राज्य के बजट प्रावधानों को देखते हुए उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। वर्ष 2025-26 में जीएसडीपी 16.48 लाख करोड़ रुपये रही जो अब बढ़ रही है। राज्य की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपये के बजट में विकास, सामाजिक सुरक्षा और अधोसंरचना विस्तार को केंद्र में रखा है। सरकार के प्रयासों से स्पष्ट है कि वित्तीय वर्ष के अंत में 44 करोड़ रुपये का राजस्व आधिक्य रहेगा। बजट में

अधोसंरचना और विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए 80 हजार 266 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है। यह राज्य के जीएसडीपी का 4.80 प्रतिशत है। इससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों, शहरी अधोसंरचना और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को नई गति मिलेगी। विकास योजनाओं को गति देने के लिए कई प्रमुख विभागों के आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। ग्रामीण विकास विभाग के बजट में 37 प्रतिशत, नगरीय विकास एवं आवास विभाग में 16 प्रतिशत, महिला एवं बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत, राजस्व विभाग में 43 प्रतिशत और स्कूल शिक्षा विभाग में 11 प्रतिशत की वृद्धि होगी। आगामी वर्ष में ग्रामीण आधारभूत संरचना, शहरी सुविधाओं और सामाजिक क्षेत्र को मजबूत बनाया जाएगा। कृषि और किसानों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 88 हजार 910 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। गैर-बजटीय संसाधनों को सम्मिलित करने पर इस क्षेत्र के लिए कुल लगभग 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध होंगे। किसानों की आय बढ़ाने और कृषि गतिविधियों को आधुनिक बनाने में यह पहल मील का पत्थर साबित होगी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की प्रमुख योजना लाड़ली बहना योजना के लिए इस बजट में लगभग 23 हजार 800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

3 हजार करोड़ से सिंहस्थ की तैयारी- इसके अलावा वीबीजी राम जी योजना के लिए लगभग 10 हजार 400 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए लगभग 5 हजार 500 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए लगभग 4 हजार 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आगामी सिंहस्थ आयोजन की तैयारियों के लिए भी लगभग 3 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए इस वर्ष 23 हजार 747 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। वहीं सामाजिक और आर्थिक उत्थान से जुड़ी योजनाओं के लिए 1 लाख 83 हजार 708 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 26 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 17 प्रतिशत राशि निर्धारित है। बजट में नई दीर्घकालिक योजनाओं की भी घोषणा की गई है।

पशुपालन गतिविधियों को मिलेगा बल- द्वारका योजना के तहत अगले तीन वर्षों में 5 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। स्वामित्व योजना के लिए 3 हजार 800 करोड़ रुपये तथा यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के लिए 700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुपालन गतिविधियों को बल मिलेगा। राज्य की राजकोषीय स्थिति के अनुसार कुल राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 8 हजार 703 करोड़ रुपये अनुमानित हैं, जबकि पूंजीगत प्राप्तियां 80 हजार 694 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। वर्ष 2026-27 में अधोसंरचना विकास, कृषि सशक्तिकरण, महिला कल्याण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को गति देने के साथ राज्य की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की रणनीति पर काम होगा। विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने के प्रयासों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

बलिदान दिवस पर रानी अवंती बाई को दी गई श्रद्धांजलि

दमोह (स्वतंत्र मत)

अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई के बलिदान दिवस के अवसर पर अभा लोधी राजपूत कल्याण महासभा दमोह द्वारा एक गरिमामय माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं महिलाओं ने रानी अवंती बाई की प्रतिमा/चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने रानी अवंती बाई के अद्वितीय साहस, देशभक्ति और बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने और देश सेवा के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों ने समाज की एकता, शिक्षा एवं जागरूकता पर विशेष बल दिया। भी

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भूखंड लीज हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका कालोनी जबलपुर में भूखंड क्रमांक 291 श्री फुल्लू लाल राय पिता श्री एम.पी.राय के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.9.1989 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है उक्त भूखंड श्री फुल्लू लाल राय पिता श्री एम.पी.राय ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 4.2.2025 के माध्यम से श्री शैलेष कुमार जैन पिता श्री महेन्द्र कुमार जैन को विक्रय किया है अत श्री शैलेष कुमार जैन पिता श्री महेन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त भूखंड उनके नाम लीज हस्तातरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण / (भवन/भूखण्ड) बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जायेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

एसएएफ घोटाला: टीए घोटाले की आधी राशि बांटकर बाकी खुद रखता था फरार लिपिक

लगातार खुल रही परत दर परत, मुख्य आरोपी अभी भी फरार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एसएएफ की छठवीं बटालियन में हुए करोड़ों के घोटाले के मामले को लेकर कई बीत समय बीत चुका है। इस घोटाले को मुख्य आरोपी लिपिक सत्यम शर्मा अभी भी फरार है। जिसकी पुलिस द्वारा समय समय तलाश की जा रही है। इसी बीच इस घोटाले को लेकर एक नया मोड़ सामने आया है। जिसमें आरोपी लिपिक द्वारा गबन की राशि का एक हिस्सा खुद के पास रखना और बाकी का हिस्सा सहयोगियों में बाटने की बात सामने आई है।

ये है पूरा मामला

दरअसल रांझी स्थित एसएएफ की 6वीं बटालियन में 2 करोड़ रुपए से अधिक का ट्रैवलिंग अलाउंस घोटाला उजागर हुआ था। यह मामला तब सामने आया जब विभागीय अधिकारियों को अनियमितताओं की भनक लगी और आंतरिक जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में टीए शाखा में पदस्थ एलडीसी रैंक के बाबू सत्यम शर्मा और आरक्षक अभिषेक झारिया के नाम सामने आए। इसी बीच विगत 12 नवंबर को

अभिषेक झारिया ने शोभापुर रेलवे फाटक के सामने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। प्राथमिक जांच में दोनों को दोषी मानते हुए 13 नवंबर को निलंबित किया गया, लेकिन उससे एक दिन पहले ही अभिषेक ने आत्महत्या कर ली थी। रांझी पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि टीए घोटाले की जांच एएसपी रैंक के अधिकारी को सौंपी गई है। वहीं दूसरा बाबू सत्यम शर्मा निलंबित होते ही फरार हो गया था। बताया जा रहा है कि आरोपी लिपिकसत्यम शर्मा लंबे समय से आरक्षकों और अधिकारियों के फर्जी टीए बिल तैयार कर रहा था। कागजों में आरक्षकों को जिले से बाहर ड्यूटी दिखाया जाता, जबकि वे वास्तविक रूप से जबलपुर में मौजूद रहते थे। बिल पास करने के बाद राशि संबंधित आरक्षकों के खातों में जाती थी। बिल सबमिट करने से पहले आने वाला ओटीपी भी सत्यम द्वारा लिया जाता था। भुगतान होने पर वह राशि का हिस्सा खुद और अपने सहयोगियों (जिसमें अभिषेक भी शामिल था) को बटोर लेता था। कई आरक्षक बिना काम के हजारों रुपए पाकर इस फर्जीवाड़े में शामिल हो गए।

कई चेहरे बेनकाब होने की संभावना

अब इस घोटाले की जांच के दौरान एक नया खुलासा सामने आया है। जिसमें बताया गया कि घोटाले का फरार आरोपित बटालियन का लिपिक सत्यम शर्मा कमीशन की 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त प्राप्त करता था। उसके बाद एक हिस्सा वह खुद अपने पास रखकर बाकी राशि सहयोगियों में बांट देता था।

आरोपी सत्यम के इशारे पर ही जाली बिलों से यात्रा भत्ता की राशि के भुगतान का ओटीपी जारी होता था। संगठित तरीके से चल रहे फर्जीवाड़े की बारीकी से जांच होने पर भुगतान प्रक्रिया से जुड़े कई जिम्मेदारों के चेहरे बेनकाब होने की संभावना है। रांझी पुलिस को विस्तृत छानबीन का जिम्मा सौंपा गया है। लेकिन इस मामले में पुलिस की जांच प्रक्रिया मंद है।

घोटाले का संगठित खेल

स्टेट फाइनेंस इंटेलिजेंस सेल (एसएफआईसी) की जांच में बटालियन में सामने आया भत्ता घोटाला संगठित खेल माना जा रहा है। फर्जी बिलों से सरकारी राशि के गबन में शामिल बटालियन के कर्मचारी एवं अधिकारी शातिर हैं। वे कुछ आरक्षकों के साथ मिलकर जाली बिलों से सरकारी राशि का गबन कर रहे थे। आरक्षकों के खाते तक तो राशि ऑनलाइन पहुंचती थी, लेकिन उसके बाद लेन-देन का खेल नकद में होता था। भत्ता शाखा का बाबू आरोपितों से गबन की राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा नकद वसूलता था। धांधली में लिप्त अन्य जिम्मेदारों तक उनका हिस्सा नकद पहुंचता था।

भरभरा कर गिरी सिंचाई विभाग की दीवार, मजदूर की दबकर मौत

बरगी नगर चौकी का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी नगर में बरगी डेम स्थित सिंचाई विभाग के पुराने कार्यालय की दीवार तोड़ने के दौरान रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में दीवार के मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। मामले की जानकारी लगते ही मौके पर बरगी नगर चौकी की पुलिस पहुंची, जिन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक बरगी डेम स्थित सिंचाई विभाग के इस पुराने कार्यालय भवन को तोड़ने का कार्य चल रहा था। इसी बीच कार्य के दौरान अचानक दीवार ढह गई, जिसकी चपेट में नीचे काम कर रहे मजदूर 50 वर्षीय मनखेड़ी निवासरी धनीराम झारिया आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें मलबे से बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

दीवार से निकाली जा रही थी ईंट- घटना को लेकर ट्रैक्टर चालक छोटेलाल झारिया ने बताया कि वह सिंचाई विभाग के कर्मचारी नरहर पटेल का ट्रैक्टर चलाता है। उन्होंने जानकारी दी कि वे रोज की तरह सुबह ट्रैक्टर लेकर धनीराम के साथ काम पर पहुंचे थे। पुराने कार्यालय की दीवार गिराकर ईंट निकालने का काम किया जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही बरगी नगर चौकी प्रभारी सरिता पटेल तत्काल मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। वहीं पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

रेल परिसर में गंदगी फैलाने वालों से वसूला लाखों का जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों के सभी स्टेशनों पर स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों में स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में, जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के विरुद्ध रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 कुल ग्यारह माह में गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 15,576 व्यक्तियों के मामले पकडे गए, जिनसे कुल 31 लाख 64 हजार 290 रूपये जुर्माना वसूला गया। अकेले माह फरवरी 2026 में गन्दगी फैलाने वालों के विरुद्ध चलाये गए अभियान में कुल 987 व्यक्तियों के मामले पकडे गए, जिनसे कुल 02 लाख 03 हजार 950 रूपये जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा जुर्माने के साथ साथ ऐसे लोगों को समझाईश भी दी जाती है। साथ ही गंदगी से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए स्टेशन परिसर स्वच्छ रखने के लिए अनुरोध किया जाता है।

नर्मदा जल परियोजना की समीक्षा बैठक का आयोजन

जबलपुर। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के प्रमुख अभियंता आनंद सिंह द्वारा एडीबी से वित्त पोषित भेड़ाघाट समूह नर्मदा जल परियोजना की समीक्षा बैठक भेड़ाघाट नगर परिषद के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में भेड़ाघाट, पाटन, कटंगी, मंझौली, सिहोरा, पनागर एवं तेंदूखेड़ा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रमुख अभियंता श्री सिंह ने सभी नगर पालिकाओं को निर्देश दिए कि वे जल शोधन संयंत्र के बिजली बिल भेड़ाघाट नगर परिषद के एस्क्रो खाते में 31 मार्च के पूर्व जमा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नगर परिषद द्वारा बोरवेल से पानी की सप्लाई बंद की जाए, क्योंकि दोनों स्रोतों से जल आपूर्ति होने के कारण नगर परिषद पर बिजली बिल का दोहरा भार पड़ रहा है।

जबलपुर से होकर गुजरेगी पुणे-गाजीपुर सिटी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेलवे द्वारा आगामी समर के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्वि-साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01431 पुणे से गाजीपुर सिटी स्पेशल ट्रेन समर के दौरान 17 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं

मंगलवार को पुणे स्टेशन से सुबह 06.40 बजे प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए इटारसी रात 21.00 बजे, पिपरिया 22.10 बजे, नरसिंहपुर 23.05 बजे, पहुँचकर अगले दिन मदनमहल मध्यरात्रि 12.40 बजे, कटनी 02.45 बजे, मैहर 04.10 बजे, सतना 06 बजे पहुंचकर मार्ग से होते हुए शनिवार एवं बुधवार को रात में 19.05 बजे गाजीपुर सिटी स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01432 गाजीपुर सिटी से पुणे स्पेशल ट्रेन समर के दौरान 19 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को गाजीपुर सिटी स्टेशन से भोर 04.20 बजे प्रस्थान कर सतना 17.30 बजे, मैहर 17.58 बजे, कटनी 18.50 बजे, मदनमहल 21.10 बजे, नरसिंहपुर 21.43 बजे, पहुंचकर अगले दिन पिपरिया मध्यरात्रि 12.08 बजे, इटारसी 01.50 बजे और सोमवार एवं शुक्रवार को सायं 16.20 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर जंक्शन (अहमदनगर), कोपरगाँव, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर एवं औंड़िहार जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

सैकड़ों हाथों ने मिलकर संवारा प्राचीन रामसागर तालाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान ने अब जन आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी कड़ी में रविवार को विश्व जल दिवस के विशेष अवसर पर जिले के सिहोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोसलपुर में सेवा और श्रमदान का अनूठा संगम देखने को मिला। मप्र जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में यहां के ऐतिहासिक रामसागर तालाब के कायाकल्प के लिए जल शक्ति से नव भक्तिश् अभियान के तहत वृहद सफाई अभियान चलाया गया। इस कार्य का शुभारंभ तट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के पूजन अर्चन और तालाब में चुनरी व नारियल भेंट कर किया गया। परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त और कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय नवांकुर संस्था पौराणिक अद्भुत विद्या शोध संस्थान सहित विभिन्न प्रस्फुटन समितियों, जनप्रतिनिधियों और मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कभी जलकुंभी, कचरे और काई से घिरे होने के कारण अनुपयोगी हो चुके इस तालाब के शिव घाट, महिला घाट और कुटी घाट को ग्रामीणों ने अपने अथक परिश्रम से मात्र तीन घंटे में पूरी तरह स्वच्छ कर दिया। श्रमदान की इस गूँज में समाज के हर वर्ग की सहभागिता रही, जिसमें स्थानीय व्यापारियों, शिक्षकों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया।

व्हीएफजे में पदस्थ चार्जमेन ने कार्यालय में लगाई फांसी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वाहन निर्माणी जबलपुर (व्हीएफजे) में रविवार को एक चार्जमेन का शव फांसी के फंदे में लटकता हुआ मिला। इस दृश्य को देख कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में वीएफजे सुरक्षा विभाग और पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि मृतक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। जिसमें उसने इस आत्मघाती कदम उठाने के पीछे अत्यधिक काम के दबाव व तनाव को कारण बताया है। हालांकि पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि रविवार की शाम सूचना मिली कि वीएफजे में कार्यरत कंचनपुर निवासी कर्मचारी 57 वर्षीय मेमसन मार्टिन ने अपने कार्यालय में फांसी लगा ली है। तत्काल ही मौके पर पुलिस बल भेजा गया। पुलिस के सामने कार्यालय का दरवाजा जो कि अंदर से बंद था उसे खुलवाया गया। शव फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने कार्य की अधिकता और तनाव को आत्महत्या का कारण बताया है। नोट को जब्त करते हुए जांच शुरू कर दी है।

सास-बहू की कहा-सुनी के बाद जमकर चले लाठी-डंडे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मकान के मालिकाना हक और पुरानी रंजिश को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि लाठी-डंडे चले, जिसमें महिलाओं समेत दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। इस मामले में 66 वर्षीय राजेंद्र विश्वकर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह ड्राइवरी का काम करते हैं। रविवार सुबह जब उनकी पत्नी प्रेमलता घर के बाहर बर्तन धो रही थीं, तभी उनकी बहू कविता

विश्वकर्मा वहां आई और बिना किसी कारण गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। राजेंद्र जब बचाव करने पहुंचे, तो उनका बेटा तारकेश्वर विश्वकर्मा हाथ में डंडा लेकर आया और अपने पिता पर हमला कर दिया। इस बीच बीच-बचाव करने आई छोटी बहू खुशबू को भी आरोपियों ने धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसे पीठ में चोट आई है। राजेंद्र और उनकी पत्नी के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, दूसरी ओर 42 वर्षीय तारकेश्वर विश्वकर्मा ने अपने पिता और भाई के खिलाफ शिकायत दर्ज की और बताया वह नजूल की भूमि पर मकान बनाकर रहता है, जिसका टैक्स उसकी पत्नी के नाम पर आता है। उसके पिता राजेंद्र और भाई जुगल किशोर विश्वकर्मा जबरन मकान खाली कराने के लिए आए दिन विवाद करते हैं।

ईदी ना देने पर मारे ताबड़तोड़ चाकू

जबलपुर। ईद के अवसर पर ईदी नहीं देने पर गुस्साए युवक ने दो भाइयों पर किया चाकू से हमला कर दिया प्राप्त जानकारी के अनुसार हनुमानताल थाने में 21 वर्षीय तौसिफ अंसारी निवासी बहोराबाग रोड़ ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि ईद वाली रात अपने घर से बहोराबाग की तरफ चाय पीने जा रहा था। तभी रास्ते में उसे सोहेल अली मिला जो उससे पार्टी करने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना कर दिया जिसके बाद सोहेल गुस्सा हो गया और गाली गलौच करते हुए उसने चाकू से हमलाकर कर घायल कर दिया।

चूल्हा जलाकर बनाई चाय और भजिया युवक कांग्रेस ने किया जमकर प्रदर्शन

बढ़ती महंगाई और गैस संकट के विरोध में पनागर में हुआ प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बढ़ती महंगाई और लगातार एलपीजी गैस सिलेंडर की समस्या को लेकर पनागर में युवा कांग्रेस द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन बस स्टैंड मेन रोड पर युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष आकाश प्रजापति के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आमजनों के

बीच पहुंचकर प्रतीकात्मक रूप से चूल्हा जलाया और भजिया व चाय बनाकर महंगाई के खिलाफ अपना विरोध जताया।

बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेने की मांग- इस अनोखे प्रदर्शन के माध्यम से गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और आम जनता को हो रही परेशानियों को उजागर किया गया। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के जिला ग्रामीण अध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव, पनागर विधानसभा अध्यक्ष लकी पटेल, शानू खरे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, महाराजपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष भीम पटेल, उपाध्यक्ष महेंद्र चक्रवाती, पार्षद प्रमोद पटेल आदि उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार से मांग की कि बढ़ती महंगाई पर जल्द नियंत्रण किया जाए और एलपीजी गैस की कीमतों में राहत दी जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**